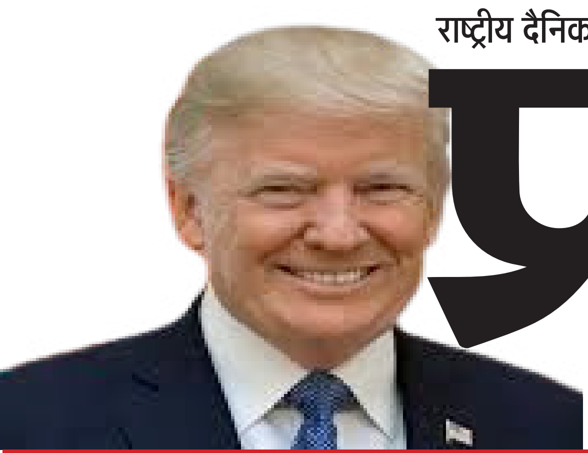

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 डोनाल्ड ट्रंप की संव्द्धरक्षा में चूक, गोल्फ लब के ऊपर आया......... | जिनपिंग से छीने गए राष्ट्रपति के अधिकार? चीन.......... 12

वर्ष : 13 | अंक : 87 | पटना, सोमवार, 07 जुलाई, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

टीम इंडिया ने रचा इतिहास, बर्मिंघम में जीता पहला टेस्ट, अंग्रेजों को 336 रन से हराया

नई दिल्ली/एजेंसी

नई दिल्ली/एजेंसी। शुभमन गिल की अगुवाई में भारत ने बर्मिंघम में इंग्लैंड को सीरीज के दूसरे मुकाबले में 336 रनों से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। यह एजबेस्टन के मैदान पर भारत की पहली जीत है। भारत इस मैदान पर इससे पहले कभी नहीं जीता था आकाश दीप के 6 विकटों के दम पर भारत सीरीज में 1-1 से बराबरी करने में सफल हुआ। आकाश दीप ने मैच में कुल 10 विकेट लिए। यह मैच कई मायनों में इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा। जिस तरह से गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाए और दूसरी पारी में 161 रनों की पारी खेली, पहली पारी में जायसवाल और रवींद्र जडेजा के अर्द्धशतक, बुमराह की गैरमौजूदगी में जिस तरह से आकाश दीप और सिराज ने पहली पारी में 10 विकेट झटके, दूसरी पारी में केएल राहुल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा के अर्द्धशतक और फिर आकाश दीप की शानदार गेंदबाजी, उसने फैंस का दिल जीत लिया। इस मुकाबले से पहले बुमराह के ना खेलने, प्लेइंग इलेवन में कुलदीप को शामिल ना करने को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन कप्तान गिल ने सभी को गलत साबित किया और भारत को उस मैदान पर जीत दिलाई, जहां भारत एक भी मुकाबला आज तक जीत नहीं पाया था। भारतीय कप्तान शुभमन गिल को मैन ऑफ द मैच चुना गया है। उनके लिए यह मैच यादगार है। आकाश दीप इंग्लैंड में एक टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए, चेतन शर्मा एकमात्र अन्य भारतीय हैं जिन्होंने 1986 में बर्मिंघम में 188 रन देकर 10 विकेट लिए थे। भारत ने पहली पारी में 587 रन बनाए थे। इसके जवाब में इंग्लैंड ने 407 रन बनाए। भारत को पहली पारी में 180 रनों की बढ़त हुई थी। जिसके बाद भारत ने दूसरी पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 427 रन बनाकर पारी घोषित की। भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 608 रनों का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में इंग्लैंड दूसरी पारी में 271 रनों पर सिमट गई। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप को जसप्रीत बुमराह की जगह इस मैच में

मौका दिया गया था। उन्होंने कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल के फैसले को सही साबित करते हुए अब तक कुल 9 विकेट झटक लिए हैं। पहली पारी में 4 विकेट हासिल करने के बाद दूसरी पारी में उन्होंने पंजा खोला। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते भारत ने शानदार खेल दिखाया था। पहली पारी में यशस्वी जायसवाल ने 87 रन की सधी हुई पारी खेली, जबकि कप्तान शुभमन गिल ने पहली पारी में 387 गेंदों पर 269 रन बनाए। इसमें 30 चौके और तीन छक्के शामिल थे। रवींद्र जडेजा ने भी 89 रन जोड़कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत ने पहली पारी में कुल 587 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए शोएब बशीर ने सबसे ज्यादा तीन विकेट हासिल किए।

बुमराह की गैर-मौजूदगी में सिराज और आकाश दीप की अहम भूमिका:

जसप्रीत बुमराह की गैर-मौजूदगी में मोहम्मद सिराज और आकाश दीप ने इस टेस्ट में गेंदबाजी की ज़िम्मेदारी शानदार तरीके से निभाई। सिराज ने मैच में कुल सात विकेट (पहली पारी में छह और दूसरी में एक विकेट) लिए, जबकि आकाश दीप ने 10 विकेट (पहली पारी में चार और दूसरी में छह विकेट) लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी को बार-बार रोका। नई गेंद से इन दोनों ने इंग्लिश बल्लेबाजों को लगातार मुश्किल में डाला और यही भारत की इस बड़ी जीत

संक्षिप्त खबरें

बीते एक दशक में तीन गुना बढ़ा भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार

नई दिल्ली। मजबूत आधार और लगातार अच्छे प्रदर्शन के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार बीते एक दशक में तीगुना बढ़कर होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 331.03 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 2014-15 में 106.57 लाख करोड़ रुपए था। यह जानकारी रविवार को जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों में दी गई। आधिकारिक आंकड़ों में बताया गया कि भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, जो कि वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक है। देश की अर्थव्यवस्था ऐसे समय पर बढ़ रही है, जब दुनिया की अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाएं विकास के लिए संघर्ष कर रही हैं। भारतीय रिजर्व बैंक को उम्मीद है कि यह गति 2025-26 में भी जारी रहेगी। अन्य अनुमान भी इसी आशावाद को दोहराते हैं, संयुक्त राष्ट्र ने इस साल 6.3 प्रतिशत और अगले साल 6.4 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जबकि भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने अपने अनुमान को थोड़ा अधिक 6.4 से 6.7 प्रतिशत पर रखा है। भरोसा जताया है।

अमरनाथ यात्रा: अब तक 21,000 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए बाबा बफार्नी के दर्शन

श्रीनगर। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पिछले तीन दिनों में करीब 48,000 श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा की। रविवार को 7,208 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को 21,000 से अधिक यात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि रविवार को 7,208 यात्रियों का एक और जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा, पहला सुरक्षा काफिला तीर्थयात्रियों को उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप ले जा रहा है, जबकि दूसरा सुरक्षा काफिला यात्रियों को दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप ले जा रहा है। वार्षिक तीर्थयात्रा के मामलों का प्रबंधन करने वाले श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास आने वाले यात्रियों के अलावा, कई यात्री मौके पर पंजीकरण के लिए सीधे बालटाल और नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप में रिपोर्ट कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने अभिलेख भवन के विस्तारीकरण कार्य का निरीक्षण किया

अभिलेख भवन के विस्तारीकरण का कार्य तेजी से करें पूरा : नीतीश

● बोलें- महत्वपूर्ण रिकॉर्डों को और बेहतर ढंग से संरक्षित रखा जा सके गा

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को अभिलेख भवन जाकर वहां कराये जा रहे विस्तारीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अभिलेख भवन परिसर का जायजा लिया और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिलेख भवन में महत्वपूर्ण सरकारी अभिलेख रखे जाते हैं। अभिलेखों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुये अभिलेख भवन परिसर में अभिलेख भवन के पीछे वाले भाग में नये भवन के निर्माण कराया जा रहा है ताकि महत्वपूर्ण रिकॉर्डों को और बेहतर ढंग से संरक्षित रखा जा सके। उन्होंने कहा कि इस नये भवन निर्माण कार्य को तेजी से पूर्ण करें।

नये भवन में अभिलेखों के व्यवस्थित संग्रहण की और ज्यादा सुविधा होगी

इससे पहले मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ ने मुख्यमंत्री को बताया कि वर्तमान अभिलेख भवन में भारी मात्रा में अभिलेख संरक्षित किये गये हैं और अब नये भवन की आवश्यकता को देखते हुये अभिलेख भवन को विस्तारित किया जा रहा है। नये भवन में अभिलेखों के व्यवस्थित संग्रहण की और ज्यादा सुविधा होगी तथा यहां रिसर्च स्कॉलर के लिये भी अध्ययन एवं शोध की आधुनिक सुविधायें उपलब्ध होंगी। कैफेटेरिया के साथ-साथ यहां अन्य सुविधायें भी उपलब्ध होगी। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव सह अपर मुख्य सचिव मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग डॉ एस सिद्धार्थ उपस्थित थे।

पटना के सड़कों के लिए 20.11 करोड़ राशि स्वीकृत

बिहार में यातायात और होगा सुगम, तीन जिलों के लिए 66.66 करोड़ मंजूर

● कार्यों में लापरवाही या गुणवत्ता में समझौता नहीं : सम्राट

प्रात : किरण

पटना। राज्य सरकार ने राजधानी पटना सहित मुंगेर और दरभंगा जिलों में प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण की तीन बड़ी योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि इन योजनाओं पर कुल 66.66 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। यह कार्य नयी राजधानी पथ प्रमंडल, मुंगेर और दरभंगा पथ प्रमंडल के तहत कराया जायेगा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि पटना शहर के महत्वपूर्ण मार्ग राजेन्द्र पथ के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य के लिए 20 करोड़ 11 लाख 9 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि यह योजना नई राजधानी पथ प्रमंडल के अंतर्गत प्रशासी विभाग द्वारा तैयार की गई है। इस परियोजना में राजेन्द्र पथ के साथ ज्ञान गंगा, पेपर मिल, बुद्ध मूर्ति, विजय चौक, कांग्रेस मैदान, पीरमुहानी सहित कई संपर्क मार्गों का भी सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। सम्राट चौधरी ने कहा कि इस परियोजना से स्थानीय नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी और क्षेत्रीय विकास को नई गति प्राप्त होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल मुख्य मार्ग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उससे जुड़े संपर्क मार्गों का भी आधुनिकीकरण और सुधार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार राज्य में सड़क बुनियादी ढांचे को विश्वसनीय और टिकाऊ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। पटना जैसे घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्र में प्रभावी यातायात नेटवर्क सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। इस योजना से न केवल आमजन को राहत मिलेगी, बल्कि पूरे शहर की यातायात व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी। अंत में, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कार्य में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग प्रणाली लागू की जाएगी, जिससे किसी भी स्तर पर लापरवाही या गुणवत्ता में समझौता नहीं होने पाएगा।

मुंगेर को सरकार ने दिया 21 करोड़ :

इसी तरह मुंगेर में चुआबाग से हसनगंज बजरंगबली चौक (एनएच-80) तक जाने वाली सड़क का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण किया जायेगा। इसके लिए 21 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी मिली है। यह सड़क खनकाह रहमानी उर्दू कॉलेज, तेल गोदाम (मकससपुर), कासीम बाजार थाना क्षेत्र से होकर गुजरेगी।

दरभंगा के लिए जारी हुआ 25.55 करोड़

दरभंगा जिले में ननौरा से मोहम्मदपुर तक की 6.84 किलोमीटर लंबी सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए 25.55 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गयी है। यह योजना वर्ष 2025-26 के लिए स्वीकृत की गयी है। इस परियोजना से आवागमन सुगम होगा और सामाजिक-आर्थिक विकास को गति मिलेगी. वर्तमान में यह मार्ग संकरा है और यातायात में परेशानी उत्पन्न करता है। इसके चौड़ीकरण से आमजन को बड़ी राहत मिलेगी।

कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर भड़के तेजस्वी यादव

प्रात : किरण

पटना। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने रविवार को कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को जमकर कोसा। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि जंगलराज की बात करने वाले आज कहां हैं? उन्होंने मीडिया के बारे में भी कहा कि अगर यह घटना हमारी सरकार में होती तो मीडिया हमारी खाल नोंच लेता। पटना में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या को लेकर कहा, दुख होता है। इनके परिजनों का दुख हम लोगों से देखा नहीं जा रहा है। यह बहुत ज्यादा हो गया है। जंगलराज की बात करने वाले आज कहां हैं? क्या सुनवाई हो रही है, क्या कार्रवाई हो रही है, क्या एक्शन लिया गया है? उन्होंने आगे कहा कि हम इसलिए हमेशा बुलेटिन जारी करते हैं कि बिहार में ऐसा कोई दिन नहीं है जब गोलियां नहीं चलती हैं। विरोधी दल के नेता के यहां गोलियां चलती हैं। मुख्यमंत्री आवास के बाहर गोलियां चलती हैं। इनके मंत्री के घर के बाहर गोलियां चलती हैं। विश्वेश्वरैया भवन के सामने सड़क पर अपराधी एडीजी के सामने गोली मारते हुए निकल जाता है। आज तक कोई अपराधी नहीं पकड़ा गया। मेरे घर के बाहर चार गोलियां चलीं, क्या हुआ, क्या एक्शन लिया गया, किस पर जिम्मेदारियां तय की गईं? बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि आप समझ सकते हैं कि बिहार की स्थिति भयावह है। अपराधियों में डर और भय खत्म हो गया है। आपको इंतजार करना है कि कब आपको आकर कोई ठोक कर चला जाए। तेजस्वी ने आगे कहा, छह साल पहले इनके बेटे की हत्या हुई थी, हत्यारा नहीं पकड़ा गया। सीसीटीवी हर जगह रोड पर लगा है। इनके परिवार के लोग कहते हैं कि पुलिस को आने में दो घंटे लगे। प्रधानमंत्री आते हैं तो जंगलराज-जंगलराज कहते हैं, अपने दोनों उप मुख्यमंत्रियों को बुलाकर पूछें, हिसाब लीजिए कि क्यों बार-बार बिहार का अपराध क्यों बढ़ रहा है। यह पहली घटना तो नहीं है। ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं। कोई ऐसा जिला नहीं है जहां गैंगरेप, हत्या, अपहरण या लूटपाट नहीं हो रहा है। तेजस्वी ने मीडिया पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा, माफ कीजिए, लेकिन यह भी कहना पड़ेगा कि मीडिया भी अपनी असली भूमिका नहीं निभा रही है। अगर अभी हमारी सरकार होती और ऐसी घटनाएं होती तो मीडिया ने तेजस्वी यादव की खाल नोंच ली होती। मीडिया को कम से कम सच तो छापना चाहिए।

बिहार को क्राइम कैपिटल बना दिया, अब बदलाव जरूरी : राहुल

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा और प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा। गोपाल खेमका हत्याकांड को आधार बनाकर राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा, पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया है। आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां नया नॉर्मल बन चुका है- और सरकार पूरी तरह नाकाम। उन्होंने आगे लिखा, बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। हर हत्या, हर लूट, हर गोली झ्र एक चीख है बदलाव की। अब वक्त है एक नए बिहार का झ्र जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है। बता दें कि शुक्रवार देर रात अपराधियों ने जाने-माने उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या कर दी। वारदात गांधी मैदान थाना क्षेत्र में रामगुलाम चौक के पास हुई।

हमारा सपना भगवा-ए-हिंद होना चाहिए : धीरेंद्र शास्त्री

प्रात : किरण

पटना। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने रविवार को कहा कि हम किसी मजहब के विरोधी नहीं हैं। अभी वर्तमान में कहीं भाषा तो कहीं क्षेत्रवाद की लड़ाई चल रही है, कहीं जातिवाद की लड़ाई चल रही है। लेकिन, हिंदुओं को बंटने नहीं देना है। उन्होंने कहा कि जातिवाद से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद के लिए जीना चाहिए। कुछ ताकतें गजवा-ए-हिंद बनाना चाहती हैं, लेकिन हमारा एक ही सपना है कि भगवा-ए-हिन्द होना चाहिए। बिहार की राजधानी पटना में रविवार को सनातन महाकुंभ में आए लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर धर्म पर घात हुआ तो मैं प्रतिघात करूंगा। मैं हिंदू हूं और हिंदुत्व की बात करूंगा। उन्होंने कहा, सनातन मतलब शाश्वत, सनातन मतलब यही सत्य है। सनातन मतलब हिंसा नहीं, अहिंसा, सनातन का मतलब है पूरे विश्व का विश्वगुरु, हर हर महादेव। बिहार के पागलों, एक बात गांठ बांध लो, हम सब हिंदू एक हैं। उन्होंने कहा कि हम किसी मजहब के विरोधी नहीं हैं। न हमें मुसलमानों से दिक्कत है, न हमें ईसाइयों से दिक्कत है। हमें उन हिंदुओं से दिक्कत है, जो जातिवाद के नाम पर हिंदुओं को लड़ाते हैं। हम सब हिंदू एक हैं, एक समान हैं। उन्होंने साफ कहा कि हम पटना राजनीति के चक्कर में नहीं आए हैं बल्कि रामनीति के लिए आए हैं। हम किसी भी पार्टी के नहीं हैं, जिस-जिस पार्टी में हिंदू हैं, उस-उस पार्टी के हम हैं।

प्रधानमंत्री चार दिवसीय यात्रा पर ब्राजील पहुंचे, 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे...........

ब्राजील में मोदी का भव्य स्वागत, ऑपरेशन सिंदूर की प्रस्तुति रही खास

प्रात : किरण

रियो डी जेनेरियो/नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार दिवसीय यात्रा पर ब्राजील पहुंचे। इस दौरान वे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और एक राजकीय यात्रा भी करेंगे। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो पहुंचने पर भारतीय प्रवासी ने पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया। ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे पीएम मोदी का पारंपरिक नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और देशभक्ति से भरे चित्रों से स्वागत किया गया। लोगों ने हाथों में तिरंगा लिए प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इस

स्वागत में सबसे खास बात ऑपरेशन सिंदूर की प्रस्तुति रही। यह भारत की ओर से पाकिस्तान स्थित आतंकियों के खिलाफ चलाए जा रहे एक निर्णायक अभियान पर आधारित प्रस्तुति थी, जिसे नृत्य और चित्रों के माध्यम से दशार्या गया। प्रवासी भारतीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत पेंटिंग और ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित नृत्य के साथ किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने स्वागत समारोह में प्रस्तुति देने वाली भारतीय महिला नर्तकियों से मुलाकात की। नर्तकियों में से एक ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी हमारे लिए बड़े भाई जैसे हैं। हमारे लिए यह बहुत गर्व की बात है कि वे यहां आए। हमारी प्रस्तुति को उन्होंने बहुत धैर्यपूर्वक देखा, हमसे बातचीत की और इसकी बहुत सराहना की। हमने अपने बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने और भारत माता का सम्मान करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर को अपनी थीम के रूप में चुना था। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी चार दिवसीय यात्रा पर ब्राजील पहुंचे हैं। अपनी यात्रा के दौरान, 6 और 7 जुलाई को वह रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, उसके बाद एक राजकीय यात्रा करेंगे। यह लगभग छह दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा देश की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। राजकीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ब्रासीलिया जाएंगे, जहां वे राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी, कृषि, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संपर्क सहित आपसी हित के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को व्यापक बनाने पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे।

मुहर्रम जुलूस के दौरान करंट लगने से एक की मौत, 24 घायल

दरभंगा/मुजफ्फरपुर। बिहार के दरभंगा जिले में शनिवार शाम मुहर्रम जुलूस के दौरान बिजली का करंट लगने से कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 24 घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। दरभंगा के जिलाधिकारी कौशल कुमार ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब मुहर्रम का जुलूस सकतपुर पुलिस थानाक्षेत्र अंतर्गत काकोरहा गांव से गुजर रहा था। उन्होंने बताया कि इसी दौरान ताजिया का एक हिस्सा हाईटेंशन बिजली के तार के संपर्क में आ गया। उन्होंने कहा, ह्यह्नघटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 24 घायल हो गए। उन्होंने कहा कि वहां मौजूद जिला प्रशासन के अधिकारी और पुलिसकर्मियों ने घायलों को नजदीकी अस्पताल ले गए। उन्होंने कहा कि घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। कुमार ने कहा कि मामले की जांच पुलिस कर रही है। पुलिस ने बताया कि एक अन्य घटना में, मुजफ्फरपुर जिले के बरियारपुर इलाके में जुलूस के दौरान दो अलग-अलग समुदायों के समूहों के बीच झड़प में दो लोग घायल हो गए। पत्रकारों से बात करते हुए, मुजफ्फरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब मुहर्रम का जुलूस बरियारपुर पुलिस थानाक्षेत्र के गौरीहार इलाके से गुजर रहा था। उन्होंने कहा, दो समुदायों के बीच तीखी बहस के बाद झड़प हुई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने तुरंत स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

फाउंडेशन एकेडमी आईआईटी में मना अलंकरण समारोह

बिहटा । स्थानीय आईआईटी कैम्पस स्थित फाउंडेशन एकेडमी परिसर में रविवार को समारोह आयोजित कर सत्र 2025-26 में विभिन्न गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्र-ाओं को विभिन्न अलंकरण से अलंकृत किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना व अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि आईआईटी बिहटा के प्राचार्य डॉ.रंजन बेहरा ने विद्यालय के क्रियाकलापों की सराहना करते हुए बच्चों को अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक व सजग रहने की सलाह दी। विशिष्ट अतिथि बिहार बॉल बैडमिंटन संघ के सचिव गौरी शंकर ने अलंकृत छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को समाज के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी का एहसास होना जरूरी है । साथ हीं साथ मुख्य धारा से जुड़े रहने की भी सलाह दी। अतिथियों का स्वागत फाउंडेशन एकेडमी की प्राचार्या डॉ.रमा चक्रवर्ती ने अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर किया। कार्यक्रम का संचालन खेल शिक्षक अभिषेक प्रियदर्शी व बैडमिंटन प्रशिक्षक श्रीमोद ठाकुर तथा धन्यवाद ज्ञापन एक्टिविटी इनचार्ज नेहा गुप्ता ने किया।

अब मलेरिया मरीजों के प्रतिवेदन की आईएचआईपी पोर्टल पर होगी एंट्री

जिलों में दिया जा रहा प्रशिक्षण

- अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम ने जारी किया पत्र

प्रातः किरण संवाददाता

पटना- राज्य मे मलेरिया की रियल टाइम मॉनिटरिंग को लेकर स्वास्थ्य विभाग प्रतिबद्ध है. इंटीग्रेटेड हेल्थ इंफॉर्मेशन प्लेटफॉर्म (आईएचआईपी) के माध्यम से रियल टाइम मॉनिटरिंग पर बल दिया जा रहा है. इससे न केवल केस आधारित जानकारी का सटीक संधारण किया जा सकेगा बल्कि इसके साथ मलेरिया के मरीजों की वस्तुस्थिति के जानकारी को नयी गति मिलेगी. आईएचआईपी के माध्यम से मलेरिया की रियल टाइम मॉनिटरिंग न केवल डेटा सटीकता को बढ़ाएगी, बल्कि मलेरिया रोकथाम कार्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू करने में एक मील का पत्थर साबित होगी.

इस बाबत अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदधिअरि, वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, डॉ. एन. के. सिन्हा ने सभी जिलों के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी को पत्र जारी कर आवश्यक निर्देश दिया है. जारी पत्र में बताया गया है कि राज्य में मलेरिया उन्मूलन की लक्ष्य प्राप्ति अपने अंतिम चरण में है. भारत सरकार के निदेर्शानुसार राज्य में मलेरिया धनात्मक प्रतिवेदित मरीजों का पेपरलेस प्रतिवेदन के लिए आईएचआईपी मलेरिया पोर्टल पर इसकी गुणवत्तापूर्ण एंट्री जरुरी है.

ज्ञात हो कि सभी जिलों से स्वास्थ्य पदाधिकारियों का मलेरिया आईएचआईपी पोर्टल पर ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (टीओटी) कराया जा चुका है. प्रशिक्षित पदाधिकारी अपने जिले में मास्टर ट्रेनर का काम करते हुए जिलास्तरीय अन्य पदाधिकारियों को प्रशिक्षित करेंगे. जारी पत्र में निर्देशित है कि सभी वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी अपने अपने जिलों में अविलंब आईएचआईपी मलेरिया पोर्टल का प्रशिक्षण करना सुनिश्चित करेंगें. राज्य के कई जिलों में प्रशिक्षण कार्यक्रम कराया जा रहा है.

दुल्हिनबाजार के आधा दर्जन युवाओं ने थामा जदयू का दामन

नीतीश कुमार के प्रति गहराता जा रहा जनता का विश्वास : नन्द किशोर कुशवाहा

प्रातः किरण संवाददाता

दुल्हिनबाजार। स्थानीय बाजार स्थित जदयू प्रखंड कार्यालय में रविवार को क्षेत्रीय समाजसेवी राम विनय यादव, अंकित कुमार, दीपक पाठक व नंदकुमार समेत करीब आधा दर्जन युवाओं ने जदयू की सदस्यता ग्रहण की।

मौके पर पार्टी नेता सह राज्य कार्यकारिणी सदस्य नन्द किशोर कुशवाहा ने उन्हें जदयू की प्राथमिक सदस्यता दिलाई। मौके पर जिला उपाध्यक्ष रविशंकर कुशवाहा, प्रखंड अध्यक्ष जसवंत कुशवाहा समेत पार्टी के कई अन्य नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जदयू नेता नन्द किशोर कुशवाहा ने नए साथियों का स्वागत करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने कहा कि जदयू का परिवार दिनोंदिन विस्तार पा रहा है, जो इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आम जनता का भरोसा न केवल कायम है, बल्कि लगातार गहराता जा रहा है। श्री कुशवाहा ने कहा कि विधानसभा चुनाव नजदीक है, इसलिए सभी साथी पूरी मजबूती के साथ मिशन 225 को सफल बनाने में अभी से जुट जाएं।

हत्याकांड में 6 व्यक्ति पुलिस हिरासत में अन्य के विरूद्ध छापेमारी जारी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र अंतर्गत मलमलिया बाजार के पास कुछ व्यक्तियों द्वारा धारदार हथियार से हमला कर 03 व्यक्तियों की जघन्य हत्या एंव 02 को जंभीर रूप से घायल करने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर स्थानीय थाना एंव वरीय पुलिस पदाधिकारी (सारण क्षेत्र) द्वारा घटनास्थल पर पहुँच कर मामले की जाँच की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस पदाधिकरी के निदेर्शानुसार घटना में संलिप्त अभियुक्तों की गिफ्तारी एंव साक्ष्यों के संकलन हेतु श्री राकेश कुमार रंजन, अनुमंडल पुलिस पदाधिकरी महाराजगंज के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान दल (रक्ळ) का गठन किया गया।

गठित के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 06 व्यक्तियों को पुलिस हिरासत में लेकर पुछताछ की जा रही है। अनुसंधान के क्रम में यह बात प्रकाश में आई है कि घटनास्थल के समीप सिंह ब्रदर्स पेट्रोल पंप, मलमलिया पर घटना में शामिल अपराधकर्मी एकत्रित हुए थे और वही (सिंह ब्रदर्स पेट्रोल पंप, मलमलिया) से सुनियोजित ढग से इस बर्बरता पूर्ण घटना को अंजाम दिया गया। वैज्ञानिक अनुसंधान के दृष्टिकोण से सिंह ब्रदर्स पेट्रोल पंप, मलमलिया को शील किया गया है। अबतक प्राप्त साक्ष्य के आधार पर संभावित अन्य बिंदुओं पर अग्रतर कारवाई की जा रही है।

फतुहा में भाजपा ने मनाया श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जंयती जहा बलिदान हुआ मुखर्जी वह काश्मीर हमारा है

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। शहर के गोविंदपुर स्थित भाजपा महिला मोर्चा कार्यालय में रविवार को जनसंध के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जंयती उनके चित्र पर पुष्पाजंली अर्पित कर भाजपा नगर अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी के अध्यक्षता में मनाया है। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी ने कहा की आज जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाया गया जो श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का देन है क्योंकि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था की हमारे देश में दो निशान, दो संविधान और दो प्रधान नहीं चलेगा और उन्होंने इसके लिए अपनी जान तक दे दी लेकिन उनकी शहादत बेकार नहीं गया और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके सपने को साकार कर जम्मू-काश्मीर से धारा 370 हटाकर तिरंगा फहराने का काम किया। मौके पर दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

मानव व्यापार मामले का मुख्य आरोपीत महिला विन्दा कुंअर उर्फ मीना को आरा से गिरफ्तार किया गया

दानापुर। नगर के अंतर्गत पुलिस ने मानव व्यापार मामले का मुख्य आरोपीत महिला विन्दा कुंअर उर्फ मीना को आरा से गिरफ्तार कर लिया गया। सिटी एसपी पश्चिम भानु प्रताप सिंह ने बताया कि दानापुर थाना क्षेत्र से मई महीने में एक नाबालिग लड़की लापता हो गई थी। उक्त मामले में मानव व्यापार का साक्ष्य मिला था। जिसमें घटना में शामिल अप्राथमिकी अभियुक्त उपेन्द्र कुमार उर्फ रवि रंजन कुमार पित्ता लक्ष्मण सिंह निवासी मोड़ा थाना दिनारा,अजय कुमार गुप्ता पिता रु० रामचन्द्र प्रसाद निवासी ग्राम+पो०+थाना दिनारा रोहतास,गौरव गोयल पिता उधेमान गोयल व कपिल गुप्ता पिता दया शंकर गुप्ता दोनों श्योपुर मध्य प्रदेश और पूजा पति सुदर्शन पासवान निवासी बरनी थाना चरपीखरी भोजपुर आरा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। उक्त घटना में मुख्य आरोपी भोजपुर के चनकपुरिया निवासी बिंदा कुंवर उर्फ मीणा फरार चल रही थी। जिसे भी गिरफ्तार कर लिया गया।बिंदा ने नाबालिग लड़की को मानव व्यापार करने की बात स्वीकार की है।साथ ही बताया दो और लड़की का सौदा की है। बताया कि नाबालिग बच्ची का राजस्थान और हरियाणा में ज्यादा मांग है। जिसको देखते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मतदान केन्द्रो पर विशेष शिविर का आयोजन किया गया

दानापुर नगर के अंतर्गत मतदाता पुनरीक्षण कार्य शत प्रतिशत करने को लेकर रविवार को मतदान केन्द्रो पर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शहरी मतदाताओ के लिए में जलालपुर सिटी एवं कश्यपग्रीन सीटी में विशेष रूप से शिविर लगाया गया। स्वयं अनुमंडलाधिकारी दिव्या शक्ति, अपर निर्वाचन पदाधिकारी बिरेन्द्र कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी विभेष आनंद समेत अधिकारी के साथ शिविर का जायजा लेने निकली। उन्होने नगर परिषद के अंतर्गत आने वाले करीब दो दर्जन से अधिक मतदान केन्द्रो पर जाकर मतदाता पुनरीक्षण कार्य का जायजा लेते हुए बीएलओ एवं मतदाताओ से जानकारी लेकर बीएलओ को आवश्यक निर्देश भी देते रही। उन्होने कहा कि हमार एक ही लक्ष्य है कि योग्य मतदाता छूटे नही एवं अयोग्य मतदाता जूटे नही। इसको लेकर निर्धारित अवधि तक शत प्रतिशत मतदाता पुनरीक्षण कार्य सम्पन्न हो। अनुमंडलाधिकारी बलदेव इंटर विद्धालय, डीएवी इटर स्कूल, बीएस कॉलेज समेत विभिन्न मतदान केन्द्रो पर पहुंची। इस दौरान कार्यपालक पदाधिकारी पंकज कुमार, नगर प्रबंधक अमरेन्द्र कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कई सबंधित पदाधिकारियों से मांगा गया स्पष्टीकरण

पटना। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण जैसे अति महत्वपूर्ण एवं समयबद्ध कार्य में रूचि नहीं लेने, कम गणना प्रपत्र की प्रविष्टि करने तथा उच्चाधिकारियों के आदेश की अवहेलना के आरोप में जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह- जिलाधिकारी, पटना के आदेश पर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, 186-दानापुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-सह-अनुमंडल पदाधिकारी, दानापुर द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत कार्यरत 62 बीएलओ (मतदान केन्द्र-स्तरीय पदाधिकारियों) तथा 02 डाटा इंट्री ऑपरेटर से स्पष्टीकरण किया गया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 के तहत विधिसम्मत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह- जिलाधिकारी, पटना ने कहा कि निर्वाचन कार्यों में शिथिलता, लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बिहार में महाजंगलराज कायम, अपराध पर अंकुश लगाने में सरकार फिसड्डी : ई राघवेन्द्र

- गोपाल खेमका हत्या मामले पर राजद नेता ने सरकार पर बोला हमला
- केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के हालिया बयान पर भी कसा तंज

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रम । बिहार में बेखौफ हो चुके अपराधी लगातार पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। हर दिन लोगों की हत्या के बावजूद पुलिस अपराध पर अंकुश भी लगाने में पूरी तरह से फिसड्डी साबित हो रही है। बिहार में आए दिन लगातार हो रही अपराध की घटनाओं को लेकर राजद नेता ई राघवेंद्र कुमार प्रदेश की सरकार ने हमला बोला है। बीते दिन पटना के नामचीन कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या पर राजद नेता ई राघवेंद्र ने सरकार पर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने सरकार से कई गंभीर सवाल किए। राजद नेता ई राघवेंद्र ने केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा बिहार दौरे के दौरान जंगल राज सम्बन्धित दी गई हालिया ब्यान पर तंज कसते हुए कहा कि थाना से चंद कदम दूर पटना में बड़े व्यापारी की गोली मारकर हत्या हुई, हर महीने बिहार में सैकड़ों व्यापारियों की हत्या हो रही है, लेकिन जंगलराज नहीं कह सकते क्योंकि के इसे ही एनडीए की शास्त्रों में मीडिया प्रबंधन, परसेप्शन मैनेजमेंट और छवि प्रबंधन कहते है। राजद नेता ने कहा कि केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह जी को बिहार में घटित बीस साल पूर्व की घटनाएं याद है पर वर्तमान में रोजाना घटती दर्जनों घटनाएं नहीं दिख रही, यहि एनडीए का असली स्वरुप का प्रमाण है राजद नेता ने कहा कि खेमका का परिवार क्या सोचेगा? यह घटना देर रात हुई।

क्या यहां सरकार नाम की कोई चीज है? मैं अब यह सवाल किसी से नहीं पूछूंगा। हत्यारों को लगता है कि सरकार उनकी है। वे जब चाहें, जो चाहें कर सकते हैं, राज्य सरकार को कोई अधिकार नहीं है। उन्हें शर्म आनी चाहिए। राजद नेता ई राघवेंद्र ने कहा कि जो लोग जंगलराज का वर्णन करते हैं उनसे पूछिए कि देर रात बिहार की राजधानी पटना में जो घटना हुई वह कौन सा राज है? सरकार पूरी तरह से विफल है और प्रशासन मूक दर्शक है। यह शर्मसार करने वाली घटना है। उन्होंने गोपाल खेमका के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। वहीं सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है।

पटना शहर में आए दिन हर चौराहे पर हत्याएं हो रही हैं। शुक्रवार की देर रात अपराधियों ने गांधी मैदान थाना क्षेत्र के रामगुलाम चौक पर बड़े कारोबारी गोपाल खेमका को गोलियों से भूनकर मौत के घाट उतार दिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी आराम से मौके से निकल गए। घटना गांधी मैदान थाने से थोड़ी ही दूरी पर हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था, जिसके बाद शनिवार सुबह उनका पार्थिव शरीर उनके आवास लाया गया। घटना के बाद मौके पर एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) की टीम ने साक्ष्य जुटाने का काम शुरू किया है ।

रविशंकर को रोगी कल्याण समिति का सदस्य बनाए जाने पर हर्ष, दी बधाई

प्रातः किरण संवाददाता

दुल्हिनबाजार । प्रखंड के सेल्हौडी निवासी व जदयू पटना जिला उपाध्यक्ष रविशंकर कुशवाहा को पालीगंज अनुमंडल रोगी कल्याण समिति का सदस्य बनाया गया है। जिसे लेकर क्षेत्र के जदयू समेत एनडीए नेताओं व कार्यकताओं में हर्ष जताया है। वहीं रविवार को दुल्हिनबाजार स्थित जदयू प्रखंड कार्यालय में पूर्व खाद आयोग के सदस्य सह राज्य कार्यकारिणी सदस्य नंद किशोर कुशवाहा की अध्यक्षता में समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया व नए दायित्व के लिए बधाई दी गई ` मौके पर नन्द किशोर कुशवाहा व दुल्हिनबाजार जदयू प्रखंड अध्यक्ष जसवंत कुशवाहा समेत जदयू कार्यकताओं ने अंगवस्त्र आदि देकर सम्मानित किया।वहीं जदयू नेता नन्द किशोर कुशवाहा ने रविशंकर को बधाई देते हुए कहा कि सरकार ने एक साधारण कार्यकर्ता को रोगी कल्याण समिति में शामिल कर सभी कार्यकताओं का उत्साहवर्धन किया है। इनके देखरेख में अनुमंडल अस्पताल सुचारू रूप से संचालन होगा व आम लोगों को सहूलियत होगी।

जनता लालू के अपराधियों के जंगलराज से परेशान थी, आज नीतीश के अफसर राज से परेशान है :प्रो. मंडल

मसौढ़ी !बिहार में आए दिन हो रहे अपराधी घटनाओं को लेकर सीपीएम के अनुमंडल कमेटी के सचिव प्रो.सीपी मंडल ने बताया कि बिहार में प्रशासन पूरी तरह पंगु हो गई.बीते शुक्रवार की रात मसौढ़ी प्रखंड कोरियावा गढ़ गांव में क्रिकेट मैच के दौरान अपराधियों ने सतेंद्र चंद्रवंशी की गोली मारकर हत्या यह साबित करती है कि अपराधियों में प्रशासन का खौफ नहीं है।सरेआम हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के राज में अफसरों का जंगलराज है।राज में अपराध और भ्रष्टाचार के पैमाने में कोई अंतर नहीं है।पहले जनता लालू जी के अपराधियों के जंगलराज से परेशान थी,आज नीतीश जी के अफसर राज से परेशान है। सरकार का इकबाल खत्म हो चुका है।राज्य सरकार को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए।

बिहार एसआईआर का प्रारंभिक चरण पूरा फॉर्मो के मुद्रण और वितरण का कार्य लगभग संपन्न

प्रातः किरण संवाददाता

एसआईआर में कोई बदलाव नहीं, जबकि कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं 1.69 करोड़ (21.46%) गणना फॉर्म एकत्र किए गए; 7.25% ईसीआई नेट पर अपलोड किए गए

पटना। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का क्रियान्वयन निर्वाचकों के सक्रिय सहयोग से जमीनी स्तर पर सुचारू रूप से किया जा रहा है। एसआईआर का प्रारंभिक चरण, जिसके दौरान गणना फॉर्म मुद्रित करके वितरित किए जाने थे, लगभग पूरा हो चुका है तथा सभी उपलब्ध निर्वाचकों को फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए हैं।यह दोहराया जाता है कि रक्क दिनांक 24.06.2025 के एसआईआर अनुदेशों के अनुसार आयोजित किया जा रहा है और अनुदेशों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। अनुदेशों के अनुसार, दिनांक 1 अगस्त, 2025 को जारी किए जाने वाले प्रारूप निर्वाचक नामावली में उन व्यक्तियों के नाम शामिल होंगे जिनके गणना फॉर्म प्राप्त हुए हैं।

निर्वाचक दिनांक 25 जुलाई, 2025 से पहले किसी भी समय अपने दस्तावेज जमा / प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रारूप निर्वाचक नामावलियों के प्रकाशन के बाद, यदि कोई दस्तावेज अपूर्ण है, तो ईआरओ दावे और आपत्ति अवधि में जांच के दौरान, ऐसे दस्तावेज उन निर्वाचकों से प्राप्त कर सकते हैं, जिनके नाम प्रारूप निर्वाचक नामावली में मौजूद हैं।

आज शाम 6 बजे तक, 1,69,49,208 गणना फॉर्म, यानी बिहार में दिनांक 24 जून, 2025 तक नामांकित कुल 7,89,69,844 (लगभग 7.90 करोड़) निर्वाचकों को 21.46 प्रतिशत गणना फॉर्म प्राप्त हो चुके हैं। पिछले 24 घंटों में, यानी कल शाम 6 बजे से, 65,32,663 गणना फॉर्म एकत्र किए गए हैं। फॉर्म जमा / प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि में अभी भी 19 दिन बाकी हैं।

इसके साथ ही, फॉर्म अपलोड करने का काम भी पूरे जोर-शोर से प्रारंभ हो गया है और अब तक 7.25 प्रतिशत फॉर्म अपलोड हो चुके हैं। आंशिक रूप से भरे गए फॉर्म आयोग के पोर्टल के साथ-साथ ईसीआई-नेट ऐप पर भी डाउनलोड के लिए उपलब्ध हैं और भरे हुए फॉर्म को निर्वाचक स्वयं ही ईसीआई-नेट ऐप पर अपलोड कर सकते हैं।

77,895 बीएलओ घर-घर जाकर निर्वाचकों को गणना फॉर्म भरने में मदद कर रहे हैं और भरे हुए फॉर्म एकत्र कर रहे हैं। अनेक मामलों में, बीएलओ निर्वाचकों की लाइव तस्वीरें ले रहे हैं और उन्हें अपलोड कर रहे हैं, जिससे निर्वाचकों को अपनी तस्वीरें क्लिक करवाने की परेशानी से छुटकारा मिल रहा है।

इसके अलावा, इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से और समय पर पूरा करने के लिए 20,603 बीएलओ नियुक्त किए जा रहे हैं। सरकारी पदधारियों, एनसीसी कैडेटों, एनएसएस के सदस्यों आदि सहित लगभग 4 लाख वालेंटियर्स भी एसआईआर प्रक्रिया में बुजुर्गों, दिव्यांगों, बीमार और कमजोर लोगों को सुविधा देने के लिए फील्ड में काम कर रहे हैं। इसके अलावा, सभी 243 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 239 ईआरओ, 963 एईआरओ, 38 डीईओ और राज्य के सीईओ निर्वाचकों को उनके फॉर्म जमा / प्रस्तुत करने में सुविधा प्रदान करने के लिए जमीनी स्तर पर मौजूद हैं।

विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 1,54,977 बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) भी एसआईआर प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग दे रहे हैं।

ह्यूमन राइट्स डिफेंडर एससी व एसटी विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनी:आशा देवी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। ह्यूमन राइट्स डिफेंडर में सामाजिक सरोकारों की मिसाल बन चुकी को-फाउंडर आशा देवी को एक महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। संस्था के प्रति उनकी निष्ठा, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और समर्पण भाव को देखते हुए उन्हें एससी/एसटी विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से सम्मानित किया गया है।

यह नियुक्ति केवल एक पदभार नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक सशक्त कदम है। आशा देवी ने वर्षों तक जमीनी स्तर पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों के लिए आवाज बुलंद की है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में उनके कार्यों को हमेशा सराहा गया है। उनके प्रयासों से न सिर्फ सैकड़ों लोगों का जीवन बदला है, बल्कि सामाजिक चेतना भी पैदा हुई है।ह्यूमन राइट्स डिफेंडर संस्था की सह-संस्थापक होने के नाते आशा देवी ने हर चुनौती को स्वीकार कर उसे अवसर में बदला। उनके कार्य में पारदर्शिता, दूरदर्शिता और सेवा की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने यह साबित कर दिया है कि एक महिला न सिर्फ परिवार, बल्कि पूरे समाज को नई दिशा दे सकती है।उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर शुभकामनाओं की बाढ़ सी आ गई है। बधाई देने वालों में ह्यूमन राइट्स डिफेंडर के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार सिन्हा, संस्थापिका -सह-महासचिव पूजा सिन्हा, वरिष्ठ सदस्य एवं समाजसेवी कस्तूरी, कमलकांत, जितेन्द्र कुमार सिन्हा, सरिता, किरण कुमारी, अंजली सिन्हा, प्रिंस सिंह, स्वेता एवं सीमा कुमारी प्रमुख रूप से शामिल हैं। सभी ने आशा व्यक्त की है कि उनके नेतृत्व में एससी/एसटी विंग नई ऊँचाइयों को छुएगा और समाज के वंचित वर्गों को न्याय, अवसर और सम्मान मिलेगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद आशा देवी ने कहा है कि यह पद मेरे लिए जिम्मेदारी का प्रतीक है। मैं अपने अनुभव, ऊर्जा और भावना को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए समर्पित रहूंगी। मेरा सपना है कि हर बच्चा पढ़े, हर महिला सशक्त हो और हर नागरिक को उसके अधिकार मिले। उनके इस वक्तव्य से स्पष्ट है कि वह केवल नेतृत्व नहीं निभाएंगी, बल्कि बदलाव की मशाल जलाकर समाज के हर कोने में प्रकाश फैलाएंगी।

आशा देवी की यह नियुक्ति केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, यह पूरे सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक ठोस कदम है। अब यह देखना रोचक होगा कि उनका यह नया कार्यकाल ह्यूमन राइट्स डिफेंडर संस्था के माध्यम से समाज में कितना बड़ा बदलाव लाता है। निश्चित रूप से यह एक नई उम्मीद, नई दिशा और नए युग की शुरूआत है।

मोहर्रम पर निकाला ताजिया जुलूसःया हुसैन की सदाओं के बीच दफन हुई ताजिया, सिपहसलार ने दिखाए करतब

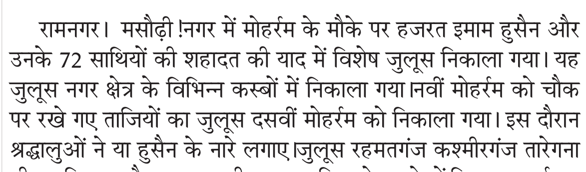

रामनगर। मसौढ़ी !नगर में मोहर्रम के मौके पर हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत की याद में विशेष जुलूस निकाला गया। यह जुलूस नगर क्षेत्र के विभिन्न कस्बों में निकाला गया।नवीं मोहर्रम को चौक पर रखे गए ताजियों का जुलूस दसवीं मोहर्रम को निकाला गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने या हुसैन के नारे लगाए।जुलूस रहमतगंज कश्मीरगंज तारेगना डीह मालिकाना कैलुचक पुरानी बाजार सहित पूरे इलाके में निकला।कार्यक्रम के दौरान हजरत इमाम हुसैन के अकीदतमंद जगह-जगह शबील, खीचड़ा और पुलाव का वितरण करते रहे। शाम को गमगीन माहौल में ताजियों को कर्बला में दफन किया गया।जुलूस की सुरक्षा व्यवस्था के लिए एसडीओ अभिषेक कुमार डीएसपी नभ वैभव थाना अध्यक्ष अनिल कुमार एसआई अरविंद कुमार उत्तम झा स्थानीय जनप्रतिनिधि विधायिका रेखा देवी जिला परिषद सदस्य उपेन्द्र बिंद समाजसेवी ज्योति उर्फ रंजू यादव नेहा पटेल मोहम्मद भाई बिट्टू यादव प्रतीक पटेल राजद प्रखंड अध्यक्ष राकेश पंडित ब्रजनंदन सहाय मकसूद रजा मिराज अहमद शहजाद आलम रफीक अहमद सहित अन्य लोग भी शामिल रहे।

सरकार आईजीआईएमएस में भी रोबोटिक यूनिट करेगी स्थापित

बिहार में रोबोटिक सर्जरी आधुनिक चिकित्सा की नई दिशाः मंत्री

● अब तक मेदांता में पांच हजार से अधिक रेफरल मरीजों का हुआ निःशुल्क इलाज

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने जय प्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटना में रोबोटिक सर्जरी व अत्याधुनिक मशीन उपकरण अनुभाग का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंगल पाण्डेय ने कहा कि यह बिहार के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है कि अब अत्याधुनिक तकनीकों व तेज रिकवरी के साथ सर्जरी संभव हो रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में यह संभव हो पाया कि राज्य में बड़े अस्पतालों का समूह कार्यरत है। जिससे आमजन को दिल्ली-मुंबई जैसे शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीकी नवाचार और उन्नत उपचार सेवाओं की दिशा में एक नया अध्याय जुड़ गया है। श्री पांडेय ने कहा कि जय प्रभा मेदांता में पिछले तीन वर्षों में 5000 से अधिक रेफरल मरीजों का सफलतापूर्वक उपचार किया गया है, जिसमें हृदय रोग, कैंसर, न्यूरो, यूरोलॉजी, बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी जटिल बीमारियों का निःशुल्क इलाज भी शामिल है। यह सुविधा बिहार सरकार और मेदांता हॉस्पिटल के बीच (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) के तहत संभव हुई है, जिसका सीधा लाभ राज्य के गरीब और वंचित वर्ग को मिल रहा है। अब तक 10 रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं, जिनमें से 6 सर्जरी बिहार सरकार की मदद से निःशुल्क की गई हैं। रोबोटिक सर्जरी कैंसर, कार्डियक, न्यूरो और यूरोलॉजी जैसी जटिल बीमारियों के इलाज में बेहद कारगर साबित हो रही है। श्री पांडेय ने कहा कि आईजीआईएमएस पटना में भी रोबोटिक सर्जरी यूनिट स्थापित की जाएगी, जिससे सरकारी अस्पतालों में भी अत्याधुनिक तकनीकों से जटिल सर्जरी संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि कैंसर संस्थान में अब तक 4357, हार्ट संस्थान में 1361, न्यूरो साइंस में 157, यूरोलॉजी विभाग में 172 रेफरल मरीजों का इलाज हो चुका है। 8 बोन मैरो ट्रांसप्लांट और 6 किडनी ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं। बिहार सरकार की प्रतिबद्धता अब सिर्फ इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश को तकनीकी रूप से सक्षम, सुलभ और आत्मनिर्भर बनाना भी लक्ष्य है। इस अवसर पर डॉ. रवि शंकर सिंह, निदेशक जय प्रभा मेदांता हॉस्पिटल के नेतृत्व में पूरे मेदांता परिवार और मेडिकल टीम के कार्यों की माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने प्रषंसा की। उन्होंने डॉ. नरेश परिहार (एमडी, मेदांता ग्रुप) और डॉ. प्रवेश रेहान की भी सराहना करते हुए कहा कि वे दूर रहकर भी अस्पताल के प्रति गहरी चिंता और संवेदना रखते हैं, जिससे यह व्यवस्था संभव हो पाई।

आजीवन सुप्रीमो की कुर्सी से चिपके रहेंगे लालू प्रसाद : मंगल

पटना। स्वास्थ्य व विधि मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा है कि वंश के दंश से बचने के लिए लालू प्रसाद आजीवन राजद सुप्रीमो की कुर्सी से चिपके रहेंगे। दरअसल राजद पर उत्तराधिकार और कब्जे को लेकर राजद परिवार के अंदरखाने में भीषण द्वंद्व और घात-प्रतिघात है। श्री पाण्डेय ने कहा कि सार्वजनिक तौर पर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की यह स्वीकारोक्ति कि घर-घर में भाइयों के बीच लड़ाई है से लालू परिवार का अर्ध्य सत्य ही सामने आया है। बेटों के साथ पार्टी के उत्तराधिकार को लेकर उनकी बेटियां भी पीछे नहीं रहने वाली हैं। हकीकत है कि राजद किसी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह लालू परिवार की प्राइवेट प्रॉपटी है। इसलिए अपने गठन के 29 वें वर्ष में भी उसे लालू जी के अलावा कोई राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं मिल पाया है। भविष्य में भी कोई बाहरी राजद का राष्ट्रीय अध्यक्ष बन पाएगा, इसकी उम्मीद न के बराबर है। श्री पाण्डेय ने कहा कि पिछले दिनों लालू जी के बड़े लाल के प्रेम प्रसंग को लेकर परिवार के अन्य सदस्यों की प्रतिक्रियाएं इसी ओर इशारा करती है। आने वाले दिनों में यह जंग और तीखा हो तो कोई आश्चर्य नहीं होगा।

सरकार सख्त, अपराधी बख्शे नहीं जाएंगे : सम्राट

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने अपराधियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराधी बख्शे नहीं जाएंगे, वे जहां भी छिपे होंगे, वहां से ढूंढकर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। डिप्टी सीएम रविवार को गोपाल खेमका के आवास पर पहुंचे और मृतक उद्योगपति के परिवार के लोगों से मिले। मीडिया से बातचीत के दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि अपराधियों के लिए नीतीश सरकार सख्त है और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या के मामले में विपक्ष की ओर से लगातार लगाए जा रहे आरोपों पर उन्होंने कहा कि बिहार में किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। बिहार पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वो बिहार में व्यवसाय से जुड़े लोगों को सुरक्षा प्रदान करे। पटना में जो घटना हुई है, वह दोबारा न हो और इस हत्याकांड के पीछे जो भी आरोपी हैं या फिर जिसने भी यह साजिश रची जल्द ही पुलिस उन्हें गिरफ्तार करेगी। डिप्टी सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, कोई भी अपराधी किसी भी हालत में नहीं बचने वाला है, चाहे वो कहीं भी हो। समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति एवं व्यवसायी गोपाल खेमका जी के पार्थिव शरीर को अंतिम प्रणाम किया और परिजनों से दुखद घड़ी में मिलकर शीघ्र न्यायिक परिणाम के लिए आश्वस्त किया। हम पूरे परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। इस मामले को लेकर एसआईटी का गठन किया जा चुका है और दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई होगी, कार्रवाई ऐसी होगी, जो एक मिसाल बने। गोपाल खेमका एक मशहूर उद्योगपति थे। उनकी हत्या के बाद से विपक्षी दल लगातार नीतीश सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि जिस जगह उनकी हत्या हुई वहां से थाना चंद कदम की दूरी पर था। हालांकि, विपक्ष के आरोपों पर सत्ता पक्ष ने भी जवाब दिया है। सत्ता पक्ष के नेताओं का कहना है कि जंगलराज का अर्थ होता है कि अपराधियों के साथ तालमेल बनाकर रखना। नीतीश सरकार अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करती है। इस मामले में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वोटर पुनरीक्षण मतदाताओं के साथ धोखा और षड्यंत्र हैः राजेश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने चुनाव आयोग के आज के विज्ञापन को लेकर जिसमें कागजातों और तस्वीरों को लेकर सूचना छपी है कि उनकी आवश्यकता मतदाता पुनरीक्षण में नहीं है, को लेकर चुनाव आयोग के द्वारा बड़े षड्यंत्र का आरोप लगाया है। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि मतदाता सूची से संबंधित फॉर्मों पर जारी एक पोस्टर में चुनाव आयोग ने अब कहा है कि निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी दस्तावेजों के बिना भी सत्यापन पर निर्णय ले सकता है। पोस्टर में कहा गया है कि यदि आवश्यक दस्तावेज और फोटो उपलब्ध नहीं हैं, तो बस नामांकन फॉर्म भरें और उसे बूथ स्तर अधिकारी को दें। इसमें आगे अहम बात यह जोड़ी गई है कि यदि आप आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं, तो चुनाव रजिस्ट्रेशन अधिकारी स्थानीय जांच या अन्य दस्तावेजों के आधार पर निर्णय ले सकता है। इसका अर्थ यह है कि एफड उन लोगों से मिलने मौके पर जाएंगे जिन्होंने दस्तावेज जमा नहीं किए हैं। वे यह सुनिश्चित करेंगे कि फॉर्म भरने वाला व्यक्ति 18 वर्ष का है या नहीं, उस क्षेत्र में निवास की अवधि की जानकारी लेंगे, आसपास के लोगों से बात करेंगे और उपलब्ध साक्ष्य व दस्तावेजों के आधार पर निर्णय लेंगे। यह विज्ञापन न सिर्फ. चुनाव आयोग की अकर्मण्यता की पोल खोलता है अपितु बिहार विधान सभा में सत्ता धारी दल की अनैतिक मदद की शंका भी पैदा करता है ।

राजीव गांधी निशुल्क एंबुलेंस सेवा का शुभारंभ

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष श्री राजेश राम ने विक्रम विधानसभा क्षेत्र के लिए राजीव गांधी निशुल्क एंबुलेंस सेवाह को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह सेवा कांग्रेस नेता डॉ. अशोक गगन के सौजन्य से शुरू की गई है, जो क्षेत्र के गरीब एवं जरूरतमंद नागरिकों को निःशुल्क एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर श्री राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. अशोक गगन द्वारा शुरू की गई यह पहल विक्रम विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए जीवन रक्षक साबित होगी। यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क रहेगी और किसी भी आपात स्थिति में जरूरतमंदों के लिए 24x7 उपलब्ध रहेगी। डॉ. अशोक गगन ने कहा, इसमें सेवा ही मेरा उद्देश्य है। विक्रम विधानसभा क्षेत्र के गरीब, वंचित एवं बीमार लोगों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके, इसी सोच के साथ यह सेवा शुरू की गई है। भविष्य में भी ऐसे कई जनहित कार्य जारी रहेंगे। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के नेता अजय चौधरी ,नागेंद्र कुमार विकल ,बैद्यनाथ शर्मा , सत्येंद्र कुमार सिंह ,सुधा मिश्रा, दुर्गा प्रसाद सहित अन्य नेता मौजूद थे।

सूबे की कानून-व्यवस्था पूरी तरह बदहाल : मनोज

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार के प्रमुख व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद एक बार फिर राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इस बीच, राजद सांसद मनोज झा ने बयान दिया और बिहार की कानून-व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। मनोज झा ने कहा, पक्ष और विपक्ष क्या कह रहे हैं, यह छोड़ दीजिए। नेता प्रतिपक्ष ने क्या कहा, वह भी छोड़ दीजिए। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्या कभी ऐसा कोई दिन आया है, जब बिहार की कानून-व्यवस्था सवालों के घेरे में नहीं रही हो? बिहार किसकी मर्जी से चल रहा है? क्या यह दिल्ली दरबार से चल रहा है या फिर सेवानिवृत्त अधिकारियों से? उन्होंने आगे कहा, कानून अपना काम नहीं कर रहा, बल्कि कानून तोड़ने वाले खुद नया कानून स्थापित कर रहे हैं। गोपाल खेमका के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, मैं उन्हें जानता था, वह मुख्यमंत्री आवास से मात्र 2.5 किलोमीटर की दूरी पर रहते थे और पुलिस थाने से 200 मीटर की दूरी पर। इस स्थिति में अगर कानून व्यवस्था नहीं संभल पा रही है, तो सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए। मतदाता पुनरीक्षण के मुद्दे पर बोलते हुए मनोज झा ने कहा, लोकतंत्र का आधार मतदाता है। लोकतंत्र में सबसे पहले लोक होता है, और आप उसी लोक को संदेहास्पद बना रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि नेता प्रतिपक्ष के साथ मिलकर चुनाव आयोग से कई सवाल किए थे, जिनमें प्रमुख सवाल यह था कि पिछले 22 वर्षों से यह स्थिति क्यों नहीं सुधरी? उन्होंने यह भी कहा कि सरकार खुद कहती है कि 20 प्रतिशत बिहारी बाहर रहते हैं। ऐसे में सोचिए अगर वे 25 दिन में अपने दस्तावेज नहीं जमा कर पाते, तो वे अयोग्य हो जाएंगे। उन्होंने कहा, यह योजना लोगों को बेदखल करने के लिए बनाई गई है, जिसमें गरीब, पिछड़े, दलित और अत्यंत पिछड़े लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय से आग्रह किया गया है कि इस मामले की सुनवाई करे और यह सुनिश्चित करे कि कोई छल-फरेब न हो।

राजद ने मुस्लिम समुदाय के लिए कोई काम नहीं किया : मनीष

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता मनीष यादव ने लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि अपने शासनकाल में अल्पसंख्यकों को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक तौर पर पिछड़ा बनाने वाले राजद नेता आज मुहर्रम के मौके पर फोटो खिंचवाकर उनका फर्जी हितैषी होने का दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब उन्हें और राबड़ी देवी को बिहार में शासन करने का मौका मिला तो उन्होंने मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए कोई काम नहीं किया। ना उन्हें सुरक्षा दी और ना ही उन्हें राजनीतिक भागीदारी ही देने का काम किया। लालू प्रसाद यादव पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि उनके शासनकाल में बिहार में दुखद सांप्रदायिक दंगे हुए जिनमें में हजारों बेकसूर मुस्लिमों की जान गई। उनके ही साझीदार दल कांग्रेस के शासनकाल के दौरान भागलपुर का दंगा हुआ और लालू प्रसाद ने उन दंगा पीड़ितों के साथ भी न्याय नहीं किया उल्टे दंगा के मुख्य आरोपी को पुरस्कृत करने का काम किया।

सूबे में सत्ता संरक्षित अपराध से सहमे हैं लोग : शक्ति

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। प्रदेश में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और ध्वस्त होती कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल ने सरकार पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला है। राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका और मोतिहारी में हुई हत्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार में अब कानून का नहीं, बल्कि गुंडों का राज कायम हो गया है। शक्ति सिंह यादव ने प्रदेश की भयावह स्थिति का वर्णन करते हुए कहा कि आज बिहार का कोई भी इलाका ऐसा नहीं है, जहां लोग अपराधियों के कहर से परेशान न हों। हर एक किलोमीटर पर किसी न किसी परिवार के रोने-बिलखने की आवाज लोगों की आंखें नम कर दे रही है। किसी को पति खोने का गम है, तो किसी को बेटा या भाई खोने का। उन्होंने कहा कि हालात इतने बदतर हो गए हैं कि सुबह घर से निकला व्यक्ति जब तक शाम को सकुशल वापस नहीं लौटता, परिजनों की सांसें अटकी रहती हैं। राजद प्रवक्ता ने इन घटनाओं को सत्ता संरक्षित अपराध करार देते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से सत्ता को अपने हाथ में लेने की चेष्टा कर रही है और इसी कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने कहा कि पटना राजधानी में तीन-तीन वरीय पुलिस अधीक्षकों के तबादले हुए, कई थानेदार और सिटी एसपी बदले गए, लेकिन नतीजा सिफर है। अपराधियों के हौसले सातवें आसमान पर हैं और रात में गलियों में चलना भी मुश्किल हो गया है। पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जो काम करने वाले अधिकारी हैं, उन्हें साइडलाइन कर दिया गया है और जो लोग मामूल संग्रह (वसूली) में लगे हैं, उन्हें पदस्थापित किया जा रहा है। थाने अब सिर्फ रात में मालवाहक गाड़ियों से टैक्स वसूलने का अड्डा बन गए हैं।

सदाकत आश्रम में मनी बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि

पटना। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम की 39 वीं पुण्यतिथि आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय ,सदाकत आश्रम में मनायी गयी। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने जगजीवन राम के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में जगजीवन राम का भी बड़ा योगदान था। पंडित जवाहर लाल नेहरू के मंत्रिमण्डल में जगजीवन बाबू सबसे कम उम्र के कैबिनेट मंत्री थे। उन्होंने कहा कि बाबू जगजीवन राम देश के रक्षा मंत्री थे उस समय पाकिस्तान के 91 हजार सैनिकों ने भारत के सैनिक कमान्डर के समक्ष आत्म समर्पण किया था यह देश नहीं बल्कि विश्व के इतिहास में एक अभूतपूर्व घटना थी। राजेश राम ने कहा कि स्व0 जगजीवन राम एक गरीब परिवार में जन्म लेकर बड़े संघर्ष का सामना किया तथा तत्कालीन व्यवस्था में अछूतोद्धार के लिये सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन लाने की लड़ाई लड़ी। आज कृतज्ञ राष्ट्र बाबू जगजीवन राम के योगदान को स्मरण कर उनके चरणों में शत-शत करता है। इसके पूर्व स्व0 जगजीवन राम के चित्र पर माल्यार्पण किया गया।

प्रशांत किशोर का आरोप- दिलीप जायसवाल ने अल्पसंख्यक मेडिकल कॉलेज पर किया कब्जा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना/एजेंसी। जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने रविवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर किशनगंज के एक अल्पसंख्यक मेडिकल कॉलेज पर कब्जा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस मामले में राजद की भी सहभागिता है। प्रशांत किशोर ने कहा कि राजद, जदयू और भाजपा अपने निजी फायदे के लिए एक जैसे हैं। पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रशांत किशोर ने कहा कि किशनगंज में बना मेडिकल कॉलेज सिख समुदाय के लिए शुरू किया गया था। दिलीप जायसवाल पहले इस कॉलेज में क्लर्क थे, लेकिन बाद में वे इसके ट्रस्टी बन गए और फिर कॉलेज पर कब्जा कर लिया। उन्होंने कहा, यह कॉलेज सिख समुदाय के लिए बनाया गया था। इसके नियमों के अनुसार, कम से कम दो-तिहाई ट्रस्टी सिख समुदाय से होने चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या ट्रस्ट में दो-तिहाई ट्रस्टी सिख समुदाय से हैं? इसके अलावा, दिलीप जायसवाल, जो पहले क्लर्क थे, वे कॉलेज के ट्रस्टी और निदेशक कैसे बन गए? वे मैनेजिंग पार्टनर कैसे बने? उनके बेटे और बहू को इसमें कैसे शामिल किया गया? इन सवालों के जवाब मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले को क्रमबद्ध तरीके से उजागर करेंगे। उनका दावा है कि जिन लोगों ने दिलीप जायसवाल के इस गैरकानूनी धंधे के खिलाफ आवाज उठाई या उनकी मदद की, उनके रिश्तेदारों को उस मेडिकल कॉलेज से डिग्री दिलाई गई। उन्होंने राजद पर भी निशाना साधा और पूछा कि पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी उन्हें अपना मुंहबोला भाई कैसे मानती हैं? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राबड़ी देवी के भाई ने अपने बच्चों के लिए उस कॉलेज से डॉक्टर की डिग्री हासिल की है। हम इस मामले को एक हफ्ते बाद फिर उठाएंगे।

आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद व तथ्यहीन

पटना। प्रशांत किशोर द्वारा डॉ दिलीप जायसवाल पर लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद, तथ्यहीन और दुर्भावनापूर्ण हैं। इन आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। यह स्पष्ट रूप से एक सोची-समझी साजिश है, जिसका मकसद केवल डॉ दिलीप जायसवाल की व्यक्तिगत छवि को धूमिल करना है। प्रदेश भाजपा मीडिया प्रमुख दानिश एकबाल के द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि डॉ दिलीप जायसवाल आने वाले दिनों में एक विस्तृत प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से तथ्यों सहित इसका पूरा जवाब देंगे, जिससे सच्चाई सबके सामने आ सके। राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन किसी की साख पर बिना आधार के कीचड़ उछालना उचित नहीं।

राबड़ी आवास पहुंचा मुहर्रम का ताजिया जुलूस, लालू यादव ने देखे करतब

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में रविवार को धूमधाम और परंपरागत तरीके से मोहर्रम मनाया जा रहा है। इस मौके पर राजधानी पटना में भी ताजिया जुलूस निकाला गया। ताजिया जुलूस पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर भी पहुंचा, जहां सांप्रदायिक सौहार्द देखने को मिला। यहां लोगों में जबरदस्त उत्साह दिखा। बड़ी संख्या में लोग यहां ताजिया जुलूस देखने पहुंचे थे। मोहर्रम के मौके पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग ताजिया जुलूस के साथ राबड़ी देवी आवास पहुंचे। जुलूस में शामिल लोग उत्साहित नजर आ रहे थे। कुछ युवक ताजिया को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास के अंदर पहुंचे। यहां पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने श्रद्धा के साथ ताजिया की पूजा की। इस धार्मिक आयोजन में राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव भी मौजूद रहे। लालू यादव ने हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानियों को याद करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने की बात कही। इस मौके पर कुछ युवकों ने करतब भी दिखाए। लालू यादव अपने आवास पर कुर्सी पर बैठकर अखाड़े के करतबों का आनंद लेते नजर आए। अखाड़ा दल ने लाठी चलाकर पारंपरिक युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया, जिसे देखकर लालू यादव ने उन्हें उत्साहित किया। इस मौके पर लालू यादव की छोटी बेटी चंदा यादव भी ताजिया की पूजा करती नजर आईं। वैसे यह कोई पहली बार नहीं है कि मोहर्रम का जुलूस पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पहुंचा हो। प्रत्येक साल ताजिया जुलूस राबड़ी देवी के आवास पर पहुंचता है और राबड़ी देवी ताजिया की पूजा-अर्चना करती हैं। ताजिया की पूजा-अर्चना के बाद जुलूस आगे के लिए रवाना हो गया। उल्लेखनीय है कि बिहार में मोहर्रम धूमधाम से मनाया जा रहा है। मोहर्रम को लेकर प्रदेश में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बलों की तैनाती की गई है।

हजरत इमाम हुसैन की शहादत को हमेशा याद रखा जाएगा: राजद

पटना। राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव, सांसद डॉ मीसा भारती, प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, पुर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ कांति सिंह, जयप्रकाश नारायण यादव,राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रो मनोज कुमार झा, राज्यसभा सांसद संजय यादव,राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, सैयद फैसल अली, बीनु यादव,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ सुनील कुमार सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, डॉ तनवीर हसन, पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता,इसराइल मंसूरी, सुरेश पासवान, शिवचंद्र राम,प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव, विधान पार्षद मो कारी शोहेब,प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद सहित राजद परिवार के नेताओं ने कहा कि मुहर्रम मुस्लिम भाइयों का एक पवित्र त्योहार है, ये शहादत और बलिदान की अजीम मिसाल है। सच और इंसाफ की राह में हक बातों पर शहादत और बलिदान देने वाले हजरत इमाम हुसैन के शहादत को हमेशा याद रखा जाएगा। उनका जीवन सादगी, साहस और संघर्ष और तकवा की अजीम मिसाल है। और सच और हक की लड़ाई में बिना समझौता किये इमाम हुसैन में जो शहादत की मिसाल पेश कि है,उसे सदैव याद रखा जायेगा।

सनातन संस्कृति के महान अध्येता और नुतनता के पक्षधर थे आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा

● जयंती पर डा प्रेम नारायण सिंह की पुस्तक सनातन के वृहत्तर आयाम का हुआ लोकार्पण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। हिन्दी, संस्कृत और अंग्रेजी के उद्भट विद्वान और महान साहित्य-सेवी आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा वैदिक-साहित्य और सनातन संस्कृति के महान अध्येता थे। किंतु वे नुतनता और प्रगति के भी पक्षधर थे। उनका मानना था कि वेद-उपनिषद हमें जड़ नहीं, चेतन बनाते हैं और निरन्तर गतिमान रहने की प्रेरणा देते हैं। सनातन का अर्थ ह्यपुराना मात्र नहीं, अपितु अत्यंत व्यापक है। उसका आयाम अत्यंत विस्तारित है। यह बातें रविवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आचार्य शर्मा की जयंती पर, विद्वान लेखक डा प्रेम नारायण सिंह की पुस्तक सनातन के वृहत्तर आयाम के लोकार्पण एवं लघु-कथा-संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। डा सुलभ ने कहा कि, आचार्य शर्मा कुछ थोड़े से महापुरुष में से एक थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन, शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, कला, संगीत जैसे मनुष्य के लिए सर्वाधिक मूल्यवान तत्त्वों के संरक्षण और विकास में खपा दिया। वे सच्चे अर्थों में संस्कृति और संस्कार के पक्षधर संस्कृति-पुरुष थे। साहित्य सम्मेलन स्वयं को गौरवान्वित अनुभव करता है कि वे सम्मेलन के अध्यक्ष भी थे। पुस्तक पर अपना विचार रखते हुए, हिन्दी के मनीषी समालोचक और प्राध्यापक डा कुमार वीरेन्द्र ने कहा कि आज सनातन शब्द पर बहुत चर्चा में है। किंतु इसे ठीक से समझा नहीं गया है। सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा उपेन्द्र नाथ पाण्डेय ने कहा कि आचार्य जी अंतर्रष्ट्रीय क्षितिज पर साहित्य के दिव्य नक्षत्र थे। पाणिनि की पीढ़ी के बाद आचार्य शर्मा जी ही ऐसे भाषाविद विद्वान, व्याकरणाचार्य और समालोचक हैं जो विश्व-साहित्य में अपना पाण्डित्य सिद्ध करते हैं। इसके पूर्व सम्मेलन के साहित्यमंत्री भगवती प्रसाद द्विवेदी ने कहा कि आचार्य शर्मा भारत के एक सांस्कृतिक-योद्धा थे। उनकी प्रतिभा बहु-आयामी थी। इस अवसर पर आयोजित लघुकथा-गोष्ठी में सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा शंकर प्रसाद, डा पुष्पा जमुआर, विभा रानी श्रीवास्तव शमा कौसर आदि ने अपनी लघुकथा का पाठ किया। मंच का संचालन ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन डा मनोज गोवर्द्धनपुरी ने किया। डा चन्द्र शेखर आजाद, डा प्रेम प्रकाश, अश्विनी कुमार, आदित्य शर्मा, सुरेंद्र झा, तुषार सिंह, तनुश्री, हर्षिता, दीपाली, दुःख दमन सिंह, हेमन्त कुमार सिंह मोहम्मद फहीम, सिकन्दर प्रसाद आदि प्रबुद्धजन समारोह में उपस्थित थे।

बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी : चिराग

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को कहा कि जब वे बिहार में आकर चुनाव लड़ने की बात करते हैं, तो बहुत लोगों को परेशानी होती है। पूछा जाता है कि कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। ऐसे में बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी है। छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित नव संकल्प महासभा में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि वह बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि वे चिराग बनकर सभी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने एक बार फिर से स्पष्ट किया कि वह एनडीए का ही हिस्सा रहेंगे। उन्होंने कहा कि हर सीट पर चिराग पासवान खड़ा होगा।

इस दौरान पासवान ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि उन्हें बिहार आने से रोकने की साजिश की जा रही है। लेकिन, उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे किसी से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, आज सारण की इस पावन धरती से, आप सबके सामने मैं यह कहकर जा रहा हूं कि हां, मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं चुनाव लड़ूंगा बिहारियों के लिए, अपने भाइयों के लिए, अपनी माताओं के लिए, अपनी बहनों के लिए और बिहार में एक ऐसी व्यवस्था तैयार करेंगे, एक ऐसा बिहार बनाएंगे, जो सही मायनों में प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाएगा। चिराग पासवान ने कहा कि वह बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के लिए अपनी जान की बाजी लगा देंगे। आरक्षण को लेकर उन्होंने साफ कहा कि बहुत समय से यह अफवाह फैलाई जा रही है कि आरक्षण को खत्म कर दिया जाएगा, लेकिन रामविलास पासवान का बेटा चिराग पासवान जब तक जिंदा है, तब तक दुनिया की कोई ताकत आरक्षण को खत्म नहीं कर सकती है। उन्होंने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि जो लोग आज बिहार में विकास की बात करते हैं, ये वही विपक्ष के लोग हैं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय व्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए हुई बैठक

कल्याणपुर समस्तीपुर बिहार आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के बैनर तले बाल विकास परियोजना कार्यालय परिसर में रविवार को संघ के प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा कुमारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में संघ के सचिव किरण राय में उपस्थित आंगनवाड़ी सेविका सहायिका को संबोधित करते कहा कि अपनी मांगों को लेकर आगामी 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर प्रखंड की सभी से विकास सहायिका जिला मुख्यालय में होने वाले धरना प्रदर्शन में सम्मिलित होगी। एक स्वर से सभी ने इसका समर्थन किया। बैठक में आशा कुमारी, संगीता कुमारी, शबनम कुमारी, प्रियंका कुमारी, विद्या देवी, सुनीता कुमारी, ममता कुमारी, रितु कुमारी, रेखा कुमारी, कामिनी कुमारी आदि मौजूद थी।

विभिन्न गांव में मारपीट, सात जख्मी

कल्याणपुर समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में हुई मारपीट की घटना में महिला पुरुष सात जख्मी हुए। परिजनों के सहयोग से जख्मी को सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान चिकित्सक ने जख्मियों की पहचान जटमलपुर ढाव के हजरत खातून रबिया खातून मोहम्मद चांद मोहम्मद जफर व मोहम्मद शमीद के रूप में की गई है। वहीं दूसरी और सिंधियाही ही गांव के मिंटू कुमार गिरी व धुवगामा गांव के ललन साह को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया। जानकारी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मोहम्मद हैदर ने दी।

बदहाली का शिकार ऐतिहासिक बुद्ध पोखर

मुजफ्फरपुर। कांटी स्थित ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व वाला कुशी बुद्ध पोखर आज बदहाली की मार झेल रहा है। जल जीवन हरियाली योजना के तहत इस पोखर के सौंदर्यीकरण के लिए 2022 में एक करोड़ 29 लाख रुपए की योजना स्वीकृत हुई थी,लेकिन यह धरातल पर नहीं उतर पाया। अब इस पोखर के सौंदर्यीकरण के लिए विधायक इसराइल मंसूरी की ओर से मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के तहत प्रस्ताव भेजा गया है। स्थानीय साहित्यकार वीरेंद्र भूषण सिंह चंद्र ने बताया कि करीब पांच एकड़ में फैला यह पोखर न केवल प्राकृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है,बल्कि इसका संबंध भगवान बुद्ध की कथा से भी जुड़ा हुआ बताया जाता है। कभी यह पोखर क्षेत्र की जीवनरेखा था, जिससे छठ पर्व समेत आस-पास के गांवों की धार्मिक व दैनिक जल आवश्यकताएं पूरी होती थीं। वर्तमान में पोखर में पानी की मात्रा काफी कम हो गई है। गहराई नहीं होने व सफाई के अभाव में इसमें जल संचयन नहीं हो पा रहा है। स्वराजलाल ठाकुर, नंदकिशोर ठाकुर,शिवेंद्र ठाकुर आदि ने कहा कि अनदेखी के कारण यह ऐतिहासिक धरोहर दम तोड़ रही है। बगल के तिरहुत नहर के वीरपुर वितरणी से पोखर को जोड़ देने से पोखर में जल संकट दूर हो जाएगा। ऐतिहासिक,धार्मिक व पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण इस पोखर के संरक्षण की जरूरत अब और भी अधिक हो गई है। यदि समय रहते इसे पुनर्जीवित नहीं किया गया, तो एक ऐतिहासिक धरोहर गुमनामी में खो जाएगी।

रामाकांत महतो का मनाया गया शहादत दिवस

विभूतिपुर/समस्तीपुर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी शाखा -बोरिया की ओर से बोरिया पंचायत के पूर्व मुखिया रामाकांत महतो के शहादत दिवस उनके स्मारक स्थल पर मनाया गया। सर्वप्रथम उनकी प्रतिमा पर फूलमाला और पुष्पांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात बोरिया शाखा सचिव सुनील कुमार की अध्यक्षता में एक सभा हुई। सभा को सीपीआई (एम) राज्य सचिव मंडल सदस्य सह माकपा विधायक दल के नेता अजय कुमार, जिला सचिव मंडल सदस्य महेश कुमार, विभूतिपुर दक्षिण लोकल कमेटी सचिव मिथिलेश कुमार सिंह, जिला कमेटी सदस्य सिया प्रसाद यादव, शशिकांत झा, लोकल कमेटी सदस्य क्रांति कुमार, जागेश्वर महतो, लूटन राय, बोरिया पंचायत के पूर्व मुखिया जितेंद्र प्रसाद सिंह आदि ने संबोधित किया वक्ताओं ने शहीद मुखिया रामाकांत महतो के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं निर्वाचन आयोग के द्वारा गहन मतदाता पुनरीक्षण के नाम पर गरीबों का नाम मतदाता सूची से काटने के खिलाफ 09 जुलाई के भारत बंद में शामिल होने का आह्वान किया।मौके पर उनकी पत्नी तथा पूर्व पंचायत समिति सदस्या अनिता देवी, उनके पिता देवनन्दन महतो, पुत्र अमरकांत कुमार, अरविन्द कुमार, मोहनपुर शाखा सचिव चंद्रभूषण प्रसाद वर्मा, डी वाई एफ आई अंचल अध्यक्ष बबलू कुमार, किसान सभा के नेता रामजी महतो, अनिल कुमार, पवन कुमार, ब्रह्मदेव महतो, राम सुहावन महतो, योगेन्द्र शर्मा, नाथो राय सहित बड़ी संख्या में आम जनता उपस्थित थे।

उप निर्वाचन आयुक्त ने की गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त संजय कुमार की अध्यक्षता में जिले में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रगति की समीक्षा हेतु जिला निर्वाचन पदाधिकारी तथा सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के साथ शनिवार को समाहरणालय सभागार में बैठक की गई। बैठक में सभी ईआरओ से विधानसभा वार कार्य योजना तथा अद्यतन प्रगति की जानकारी प्राप्त की गई। बैठक का संचालन जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह-जिलाधिकारी ने की। बैठक में सभी ईआरओ ने क्रमवार रूप से अपने अपने विधानसभा क्षेत्र में वोटर की संख्या, बूथ की संख्या, बीएलओ की संख्या सहित प्रपत्र के डिस्ट्रीब्यूशन, कलेक्शन एवं अपलोडिंग तथा प्रतिदिन की प्लानिंग की जानकारी दी। ईआरओ ने बूथवार अतिरिक्त कर्मियों के रूप में वोलंटियर्स की तैनाती तथा स्वयं एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा कैंप मोड में की जा रही प्रभावी मॉनिटरिंग प्रणाली से भी अवगत कराया। साथ ही प्रखंड में अपलोडिंग कार्य में गति लाने हेतु वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध रखने, अतिरिक्त कार्यपालक सहायक की प्रतिनियुक्ति करने तथा कार्य आवंटित कर अपलोडिंग एवं फार्म संग्रहण के कार्य में लगातार हो रही प्रगति से अवगत कराया।उप निर्वाचन आयुक्त ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति पर संतोष प्रकट किया।

उन्होंने प्रपत्र के कलेक्शन पर फोकस करने तथा टेक्निकल टीम गठित कर सहायता लेने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही फॉर्म भरने की ऑनलाइन प्रणाली का व्यापक प्रचार प्रसार करने को कहा।बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन तथा निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के रूप में उप विकास आयुक्त श्रेष्ठ अनुपम, अनुमंडल पदाधिकारी पश्चिमी श्रेयाश्री, अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी अमित कुमार, डीआरडीए डायरेक्टर संजय कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला भू अर्जन पदाधिकारी सहित अन्य निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उपस्थित थे।

वोटबंदी की साजिश के खिलाफ मताधिकार बचाओ अभियान शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।भाकपा-माले और इंडिया गठबंधन के राज्यव्यापी आह्वान के तहत विशेष मतदाता पुनरीक्षण ,जो वोटबंदी की साजिश है, के खिलाफ मुजफ्फरपुर में भी शहर से गांव तक मताधिकार बचाओ-लोकतंत्र बचाओ अभियान चलाया जायेगा। इसके तहत पूरे जुलाई में गांव-मुहल्लों में आमलोगों की बैठक, सघन जनसंपर्क व पर्चा वितरण, प्रचार व नुक्कड़ सभा, प्रभात फेरी व प्रतिवाद मार्च निकाले जायेंगे। 9जुलाई को भाकपा-माले कार्यकर्ता व समर्थक शहर और प्रखंडों में आम हड़ताल के दौरान सभी ट्रेड यूनियनों, किसान संगठनों, स्कीम वर्कर्स संगठनों तथा छात्र-नौजवान संगठनों के वोटबंदी के खिलाफ झंडा-बैनर के साथ सड़कों पर उतरेंगे और चक्का जाम करेंगे। भाकपा-माले जिला कमिटी की बैठक में वोटबंदी के खिलाफ जन आंदोलन की योजना बनाई गई। बैठक दिवान रोड स्थित किरणश्री भवन के सभागार में संपन्न हुई। बैठक में पार्टी जिला सचिव कृष्णमोहन, ट्रेडयूनियन ऐक्टू के जिला सचिव मनोज यादव, महिला संगठन ऐपवा की जिला सचिव रानी प्रसाद, खेत मजदूर सभा के राज्य सचिव शत्रुघ्न सहनी, किसान महासभा के नेता जितेन्द्र यादव, इंकलाबी नौजवान सभा के राष्ट्रीय महासचिव आफताब आलम, पार्टी के बोचहां प्रखंड सचिव रामबालक सहनी, बंदरा प्रखंड सचिव रामबली मेहता, सकरा प्रखंड सचिव राजेश रंजन, पारू प्रखंड प्रभारी वीरबहादुर सहनी, खेत मजदूर सभा के जिला अध्यक्ष होरिल राय, जिला सचिव रामनंदन पासवान, किसान महासभा के जिला सचिव विन्देश्वर साह, मनरेगा मजदूर सभा के नेता वीरेन्द्र पासवान, रसोईया संघ के जिला सहसचिव संजय दास, नौजवान सभा के जिला अध्यक्ष विवेक कुमार, जिला सचिव मुकेश कुमार पासवान, दीपक कुमार, इंसाफ मंच के नेता असलम रहमानी सहित कई कार्यकर्ता शामिल थे।बैठक में यह कहा गया कि मतदाता पुनरीक्षण विशेष अभियान की आड़ में गरीब, मजदूर, युवा, महिलाएं और अल्पसंख्यकों को मतदाता सूची से बाहर करने की साजिश है। यह विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान वास्तव में गरीबों की वोटबंदी है।

जिन कागजातों की मांग की जा रही है, वे राज्य के अधिकांश गरीबों, मजदूरों और प्रवासी वर्ग के पास उपलब्ध नहीं हैं, ऐसे में उनसे कागजात देने की उम्मीद करना अन्यायपूर्ण है। एक समय चुनाव आयोग ने मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने का अभियान चलाया था, और आज उसी आधार कार्ड को स्वीकृत दस्तावेज के रूप में नहीं माना जा रहा है। मनरेगा जॉब कार्ड, मनरेगा मस्टर रोल, जाति प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेजों को अमान्य करार देना गरीबों और ग्रामीणों को सामूहिक रूप से वंचित करने की साजिश है। आयोग द्वारा घोषित 11 दस्तावेजों में से 3 तो बिहार में लागू ही नहीं हैं। इससे यह सवाल उठता है कि चुनाव आयोग किसके इशारे पर काम कर रहा है ?माले नेताओं ने भाजपा-जदयू की एनडीए सरकार पर भी तीखा हमला करते हुए पूछा कि बीजेपी और जदयू इस जनविरोधी प्रक्रिया का समर्थन क्यों कर रहे हैं ? उन्होंने यह भी सवाल किया कि अपने को दलितों का नेता कहने वाले श्री जीतनराम मांझी और श्री चिराग पासवान गरीबों की वोटबंदी पर चुप क्यों हैं, जबकि सबसे बड़ा हमला इन्हीं समुदायों के वोटिंग अधिकार पर हो रहा है ?उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण अभियान के 10दिन बीत जाने के बावजूद अभी तक महज 7 प्रतिशत मतदाताओं का ही फॉर्म भरा जा सका है। इस रफ्तार से करोड़ों मतदाता प्रपत्र भरने से वंचित रह जाएंगे और उनका नाम मतदाता सूची से काट दिया जाएगा। माले ने जोर देते हुए कहा है कि वोटबंदी की इस पूरी प्रक्रिया को तत्काल वापस लिया जाए। और आगामी विधानसभा चुनाव पुरानी मतदाता सूची के आधार पर कराए जाएं। वोटबंदी पर रोक लगाने के सवाल पर 9जुलाई को मजदूर-किसानों की आम हड़ताल का समर्थन करते हुए इंडिया गठबंधन के आह्वान पर राज्यव्यापी चक्का जाम किया जायेगा।

नेपाल सीमा पर बड़ी कार्रवाई, दो संदिग्धों के पास से 46.97 लाख बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी भारत-नेपाल सीमा पर तैनात 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) जयनगर की सतर्कता एक बार फिर सामने आई है। रविवार, 6 जुलाई 2025 को एसएसबी और बिहार पुलिस, मधवापुर के संयुक्त विशेष अभियान के तहत 46,97,160 की भारी मात्रा में भारतीय मुद्रा के साथ दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया।यह कार्रवाई बीओपी मधवापुर के अंतर्गत सीमा स्तम्भ संख्या 295/5 से लगभग 600 मीटर भारत की ओर की गई। एसएसबी के उप कमांडेंट (प्रचालन) श्री विवेक ओझा के गुप्त सूचना तंत्र के आधार पर यह संयुक्त अभियान प्रातः लगभग 5 बजे शुरू किया गया था। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान मधवापुर थाना क्षेत्र के निवासी सुनील ठाकुर (उम्र 53 वर्ष) और संजय ठाकुर के रूप में की गई है। दोनों के पास से 46,97,160 की भारतीय मुद्रा के अलावा दो साधारण मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तो और जब्त सामग्री को आवश्यक कानूनी कार्रवाई हेतु मधवापुर थाना को सुपुर्द कर दिया गया है। इस सफलता पर 48वीं वाहिनी के कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी ने अभियान में शामिल सुरक्षाबलों की सराहना की और कहा कि, ह्लभारत-नेपाल सीमा पर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए सशस्त्र सीमा बल पूरी मुस्तैदी और कटिबद्धता के साथ तैनात है। भविष्य में भी इस प्रकार की संयुक्त कार्रवाइया निरंतर जारी रहेंगी।यह कार्रवाई सीमा सुरक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है और इससे तस्करी एवं अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश की उम्मीद की जा रही है।

सीमा पर फिर फेल हुआ तस्करी का मंसूबा, नेपाली शराब के साथ एक गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के खिलाफ सशस्त्र सीमा बल की चौकसी एक बार फिर रंग लाई है। 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के एफ समवाय अंतर्गत बीओपी बिहारी के सतर्क जवानों ने बिहार पुलिस, मधवापुर के सहयोग से 6 जुलाई 2025 की सुबह लगभग 6 बजे एक संयुक्त नाका चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान एक बड़ी तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए नेपाली शराब की भारी खेप और एक वाहन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया।यह कार्रवाई सीमा स्तम्भ संख्या 293/1 के समीप, नो-मैन्स-लैंड से लगभग 1.5 मीटर भारत की ओर (निकट गांव बिहारी) की गई। यहां नेपाल से अवैध रूप से लाई जा रही नेपाली शराब मारुति बलेनो कार में भरकर लाई जा रही थी। तलाशी के दौरान जवानों ने गौरव ब्रांड की 300' की कुल 1350 बोतल नेपाली सोफी शराब बरामद की।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सुंदर लाल यादव, पिता झ उदेश यादव, उम्र झ लगभग 19 वर्ष, निवासी झ ग्राम भरंटोल, पोस्ट झ रघौली, थाना झ बिस्फी, जिला झ मधुबनी (बिहार) के रूप में हुई है। जब्त की गई शराब और वाहन के साथ आरोपी को आगे की विधिक कार्रवाई हेतु थाना मधवापुर के हवाले किए जाने की प्रक्रिया जारी है। इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए 48वीं वाहिनी के कमांडेंट गोविंद सिंह भंडारी ने इस अभियान में शामिल जवानों की सराहना की और कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए सशस्त्र सीमा बल सदैव सतर्क, कर्तव्यनिष्ठ एवं प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसी कार्रवाइयाँ पूरी निष्ठा एवं दृढ़ता से जारी रहेंगी।

उप निर्वाचन आयुक्त ने किया विशेष गहन पुनरीक्षण प्रगति की समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के उप निर्वाचन आयुक्त संजय कुमार की अध्यक्षता में दरभंगा एवं मधुबनी जिले में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रगति की समीक्षा के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी, दरभंगा एवं मधुबनी तथा दोनों जिला के सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के साथ दरभंगा, समाहरणालय स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर सभागार में बैठक हुई। उक्त बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी, मधुबनी आनन्द शर्मा एवं मधुबनी जिले के अन्य अधिकारी ऑनलाइन जुड़े हुए थे। उप निर्वाचन आयुक्त द्वारा बैठक में सभी ईआरओ से विधानसभावार कार्य योजना तथा अद्यतन प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त किये। बैठक का संचालन जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी कौशल कुमार द्वारा किया गया। बैठक में सभी ईआरओ ने क्रमवार रूप से अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में वोटर की संख्या, बुथ की संख्या, बी.एल.ओ की संख्या सहित प्रपत्र के डिस्ट्रीब्यूशन, कलेक्शन एवं अपलोडिंग तथा प्रतिदिन की प्लानिंग की जानकारी दी। बुथवार अतिरिक्त कर्मियों के रूप में वोलंटियर्स की तैनाती तथा स्वयं एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा कैंप मोड में की जा रही प्रभावी मॉनिटरिंग प्रणाली से भी अवगत कराया।इसके साथ ही प्रखंड में अपलोडिंग कार्य में गति लाने हेतु वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध रखने, अतिरिक्त कार्यपालक सहायक की प्रतिनियुक्ति करने तथा कार्य आवंटित कर अपलोडिंग एवं फार्म संग्रहण के कार्य में लगातार हो रही प्रगति से अवगत कराया।उप निर्वाचन आयुक्त ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति पर संतोष प्रकट किया और दोनों जिला निर्वाचन अधिकारियों को धन्यवाद दिया।बैठक के दौरान उप निर्वाचन आयुक्त द्वारा जिले के उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन बीएलओ यथा - 79-गौड़ाबौराम विधानसभा क्षेत्र के बी.एल.ओ दिलीप कुमार, 85-बहादुरपुर विधानसभा क्षेत्र के बी.एल.ओ अरविंद कुमार पासवान एवं 80-बेनीपुर विधानसभा क्षेत्र के बी.एल.ओ हरेराम साफी को सम्मानित किया गया। बैठक के उपरांत समाहरणालय परिसर से जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री कौशल कुमार ने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण ,2025 व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रचार रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। बैठक में नगर आयुक्त राकेश कुमार गुप्ता, अपर समाहर्त्ता मनोज कुमार, अपर समाहर्त्ता सलीम अख्तर, जिला बंदोबस्त पदाधिकारी मनोज कुमार, उप निदेशक, जन-सम्पर्क सत्येन्द्र प्रसाद, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुरेश कुमार के साथ-साथ दोनों जिले के बीसों विधानसभा के ईआरओ आदि उपस्थित थे।

बिहार में पहली बार होगा ऐसा आयोजन, देशभर से आएंगे प्रतिनिधि, ट्रक परिचालन की समस्याओं पर होगी चर्चा

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

जिला मोटर व्यवसायी संघ, समस्तीपुर के आयोजन एवं बिहार ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के मार्गदर्शन में आगामी 20 जुलाई को ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस का राज्यस्तरीय प्रतिनिधि सम्मेलन समस्तीपुर के वृंदावन गार्डन में होने जा रहा है। सम्मेलन में ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, सभी प्रदेशों के प्रतिनिधि के साथ-साथ बिहार के सभी जिलों के प्रतिनिधि भी भाग लेंगें। इसकी तैयारियों की समीक्षा को लेकर बिहार ट्रक ऑनर्स एसोसिएशन के प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक प्रदेश अध्यक्ष भानु शेखर प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में रविवार को शहर के मोहनपुर नक्कूस्थान स्थित एक निजी रेस्टोरेंट के मीटिंग हॉल में की गई। जहां, प्रदेश कार्यकारिणी के साथ-साथ अन्य जिलों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। वहीं, मौके पर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया के जिला मोटर व्यवसायी संघ के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह के प्रयास के बदौलत बिहार में पहली बार समस्तीपुर जिले में 20 जुलाई को पूरे भारतवर्ष के मोटर एसोसिएशन का सम्मेलन होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि देश के अन्य प्रदेशों में प्रत्येक वर्ष इस तरह का सम्मेलन आयोजित होते रहता है। इसको देखते हुए राज्य में भी इस तरह का सम्मेलन करने का विचार किया गया और राज्य में पहली बार यह सम्मेलन करने का गौरव समस्तीपुर जिले को प्राप्त हुआ है। ट्रकों के परिचालन में आ रही समस्याओं को सम्मेलन के माध्यम से उठाया जाएगा और उसके निराकरण का प्रयास किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि राज्य में मोटर वाहन परिचालन से संबंधित समस्याओं से सरकार को अवगत कराने को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ एक प्रतिनिधिमंडल बिहार के मुख्यमंत्री से भी मुलाकात करेंगी और उसको लेकर प्रयास किए जा रहे हैं।

महिला आयुष चिकित्सक को फोन पर धमकी, सिविल सर्जन से की शिकायत

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिंघिया खुर्द में पदस्थापित महिला आयुष चिकित्सक डॉ. निति प्रभा ने सिविल सर्जन को आवेदन देकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र समस्तीपुर में तैनात स्वास्थ्य प्रशिक्षक राजीव रंजन पर फोन पर बार-बार धमकी देने का आरोप लगाया है। डॉ. प्रभा ने आवेदन में बताया है कि राजीव रंजन द्वारा दो अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कॉल कर उन्हें धमकाया जाता है कि यदि एएनएम या अन्य कर्मियों से समय पर कार्य लिया गया या विलंब से आने की शिकायत उच्चाधिकारियों तक पहुंचाई गई तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। चिकित्सिका का आरोप है कि राजीव रंजन उन्हें स्थानांतरण या प्रतिनियुक्ति कराने की भी धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह एक महिला आयुष चिकित्सक हैं और लगातार मिल रही धमकियों से मानसिक रूप से परेशान हो चुकी हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि भविष्य में उनके साथ या स्वास्थ्य केंद्र परिसर में कोई अप्रिय घटना घटती है तो इसके लिए स्वास्थ्य प्रशिक्षक राजीव रंजन जिम्मेदार होंगे। भयमुक्त माहौल में काम करने को लेकर उन्होंने सिविल सर्जन से इस मामले में आवश्यक कार्रवाई करने की गुहार लगायी है। इस पूरे मामले को लेकर बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ (गोप गुट) के जिला सचिव अजय कुमार ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जांच में यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं, सिविल सर्जन डॉ एसकी चौधरी ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी और जांच उपरांत दोषी पाए जाने पर आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ने किया विकास मित्रों के साथ संवाद

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।मंत्री, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, जनक राम ने विकास मित्रों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में 432 विकास मित्रों के साथ सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी उपस्थित हुए। मंत्री द्वारा सभी विकास मित्रों द्वारा किए जा रहे कार्यों तथा कार्य में आ रही बाधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की गई तथा समस्याओं के निदान हेतु उचित मार्गदर्शन दिया गया । मंत्री द्वारा मतदाता पुनरीक्षण कार्य की भी समीक्षा की गई तथा मतदाता के सत्यापन हेतु 2003 की मतदाता सूची का अधिक से अधिक प्रयोग करने के लिए कहा गया। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति परिवार के सदस्यों का शत प्रतिशत सत्यापन के लिए विकास रजिस्टर-2.0 की पारिवारिक सूची का प्रयोग करने की जानकारी दी गई। विकास मित्रों द्वारा भी डॉ अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत अपने पंचायत में किए गए कार्यों की जानकारी दी गई। जिला अतिथि गृह में माननीय मंत्री की अध्यक्षता में जिला कल्याण पदाधिकारी, अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी एवं सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक की गई जिसमें योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों का भी मंत्री द्वारा भ्रमण कर निरीक्षण किया गया।

अब तैलिक समाज ने भी राजनीति में मांगी हिस्सेदारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। रविवार को मुजफ्फरपुर जिला तैलिक साहू सभा की राजनीतिक चिंतक बैठक अघोरिया चौक स्थित जिला कार्यालय सभागार में आयोजित की गई। चिंतन बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में 11विधानसभा वाले मुजफ्फरपुर जिले से तेली समाज से दो विधायक बने इसके लिए व्यापक स्तर पर रणनीति बनाई जाएगी।उन्होंने कहा कि अगस्त में तेली समाज मुजफ्फरपुर में एक बड़ा राजनीतिक सम्मेलन करेगा। जिले में 4 विधानसभा में महागठबंधन तथा एन डी ए का मजबूत उम्मीदवार तेली समाज का है। बिहार प्रदेश तैलिक साहू सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष साहू भूपाल भारती ने कहा कि बिहार में तेली समाज की आबादी 40 लाख से अधिक है। अब तक माना जाता था कि यह समाज एनडीए का वोट बैंक है, लेकिन नए राजनीतिक परिवेश में यह समाज किसी दल विशेष का वोट बैंक नहीं है। जहां सम्मान मिलेगा ,वही मतदान किया जाएगा।उन्होंने कहा कि महागठबंधन की तरफ से सम्मान जनक सीट मिलता हैं तो यह समाज एक मुस्त राजद तथा उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बार साहेबगंज से राजद अतिपिछड़ा समाज को अपना उम्मीदवार बनाएगी तो पूरा जिला का तेली समाज उसके पक्ष में मतदान करेगा। चिंतन बैठक को चंद्रिका प्रसाद साहू, शिवशंकर प्रसाद साह (मेयर पति) पूर्व मेयर सुरेश कुमार, डॉ राज कुमार साह, आमोद कुमार, डॉ ओम प्रकाश (जिला पार्षद) प्रेम कुमार गुप्ता (जिला पार्षद) हिमांशु गुप्ता (जिला पार्षद) मदन प्रसाद पूर्व जिला पार्षद, कारी साह शशि कुमार गुप्ता, गणेश प्रसाद साह जितेंद्र कुमार साह, रामेश्वर साह, बी के प्रसाद, अमरेंद्र कुमार अमर, सहित एक दर्जन से अधिक वक्ताओं ने अपने संबोधन में तेली समाज की एकता के सहारे राजनीतिक भागीदारी का आह्वान किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यकारी अध्यक्ष नागेंद्र प्रसाद साह ने किया।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक निशान एक विधान व एक प्रधान का नारा दिया था : प्रो आदित्य नारायण

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जनसंघ के संस्थापक डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी का जयंती समारोह भाजपा जिला अध्यक्ष प्रो आदित्य नारायण चौधरी मन्ना के निवास स्थान पर आयोजित हुआ। जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम सभी कार्यकताओं ने डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रो आदित्य नारायण चौधरी मन्ना ने कहा की भारतीय जनसंघ श्रद्धेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की वैचारिक क्रांति का ऐसा प्रतिफल था जो कालांतर में नवीन रूप लेकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में परिणत हुआ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी कश्मीर को अनुच्छेद 370 के तहत विशेष राज्य का दर्जा देने के कट्टर आलोचक थे और ह्यएक निशान, एक विधान और एक प्रधानह्ण नारा देकर देश की अखंडता की अलख जगाई थी। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्श हमें सदैव राष्ट्रप्रथम के पथ की दिशा दिखाते रहेंगे। आजाद भारत के इतिहास में डॉ मुखर्जी एक ऐसे नाम हैं, जिनके लिए देश की एकता और अखंडता से बढ़कर कुछ भी नहीं था। उत्तर में कश्मीर से लेकर पूर्व में बंगाल तक, उन्होंने देश की इंच-इंच भूमि के लिए संघर्ष किया और जम्मू-कश्मीर से दो प्रधान, दो विधान, दो निशान समाप्त करने के संघर्ष में शहीद तक हो गए। जनसंघ की स्थापना से उन्होंने एक ऐसा राजनीतिक विकल्प दिया, जिसके मूल में भारतीयता थी। महान विचारक, हम सब के प्रेरणापुंज व सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के सच्चे उपासक श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को उनकी जयंती पर नमन करता हूँ। इस अवसर पर जिला महामंत्री संतोष पोद्दार, जिला उपाध्यक्ष राजेश रंजन,जिला मीडिया प्रभारी मुकुंद चौधरी, जिला प्रवक्ता राकेश रोशन चौधरी बिट्टू,युवा मोर्चा उपाध्यक्ष मुकेश महासेठ, सौरभ शांडिल्य, भागिरथ चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मोहर्रम मेले में उमड़ी भीड़, सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात

प्रात : किरण संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा) पुरैनी प्रखंड में विभिन्न जगह आयोजित होने वाले मुहर्रम मेला के दशमी तिथि को दर्जनों गांव से निशान के साथ ढोल नगरे की आवाज में अपने चिन्हित जगहों जुलूस पहुंचा। जहां पर अखाड़ेधारि के सदस्यों ने घंटों तक कला कौशल का प्रदर्शन किया। इस जुलूस एवं मेले के दौरान जगह जगह मजिस्ट्रेट एवं स्वास्थ्य कर्मी की उपस्थिति देखी गई। इस दौरान जुलूस में शामिल मुस्लिम धर्मावलंबियों ने आ अली आ हुसैन का जमकर गगनभेदी नारा लगाया। इस दौरान मोहर्रम का मेला कई गांवों में आयोजित किया गया नरदह, बाघवादियरा, डुमरैल, सपरदह, औराय, चंदा, भटौनी सहित अन्य जगहों के मेले में दोपहर से ही ढोल ताशा के साथ अखाड़े धारी जुलूस के शक्ल में पहुंचे और एक से बढ़कर एक करतब का प्रदर्शन किया। बता दें कि कि यह त्योहार इमाम हुसैन और उनके साथियों की कर्बला के मैदान में हुई शहादत की याद में मनाया जाता है। इस महीने को शोक और गम के महीने के रूप में मनाया जाता है। यह सब्र, कुबार्नी और ईमानदारी का प्रतीक माना जाता है।

डॉ श्यामा प्रसाद के विचारधारा राष्ट्र सेवा व सामाजिक उत्थान के लिए प्रेरित करता है : संजय सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

अलीनगर(दरभंगा)।अलीनगर विधानसभा के तारडीह पश्चिमी मंडल में शनिवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई। शेरपुर ग्राम स्थित मां दुर्गा स्थान के प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष पंकज कुमार कंठ ने की। इस अवसर पर भाजपा संगठनात्मक जिला दरभंगा पूर्वी जिला महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह शामिल हुए। मौके पर सभी ने डॉ मुखर्जी की तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।मौके पर जिला महामंत्री श्री सिंह ने कहां कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक महान शिक्षाविद् राजनीतिक चिंतक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे। उन्होंने कहा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे के खिलाफ आवाज उठाई थी और एक देश में दो प्रधान, दो विधान, दो निशान नहीं चलेंगे का नारा दिया था। उन्होंने जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने की मांग की थी,जो राज्य को विशेष दर्जा देता था।उनकी विचारधारा और आदर्श राष्ट्र सेवा और सामाजिक उत्थान के लिए प्रेरित करते हैं।उन्होंने आगे कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की विरासत हमें राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रेरित करती है।उन्होंने आगे कहां डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर हम उनके योगदान को याद करते हैं और उनकी विचारधारा को आत्मसात करने का संकल्प लेते हैं। मौके पर जिला उपाध्यक्ष सुधा देवी,शिला देवी, ब्रजेश झा,प्रेम शंकर झा,नित्यानंद झा,रणधीर सिंह, अयोध्यालाल चौधरी,रामदत्त पासवान,बलराम सिंह,चंदन सिंह,शंभु कुमार चौधरी,भूप नारायण सिंह,पंकज पंडित,राहुल पासवान आदि दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर जिला परिषद सदस्य मुखिया संघ के साथ कि बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिले के सभी विधान सभा क्षेत्रों में मतदाता सूची के सत्यापन हेतु चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य 2025 को सुगमता पूर्वक संपन्न कराने को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी - सह-जिलाधिकारी मुंगेर अरविंद कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय संवाद कक्ष में जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जिप सदस्य, मुखिया संघ अध्यक्ष एवं सभी प्रखंड प्रमुख के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को सुगमता पूर्वक संपन्न कराने तथा संबंधित जनप्रतिनिधि के क्षेत्र के शत प्रतिशत मतदाताओं का गणना प्रपत्र फॉर्म भराने हेतु सहयोग की अपील की गयी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी ने कहा कि इस कार्य में बीएलओ सहित अन्य कर्मियों के साथ साथ आप सभी जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी अत्यंत ही महत्वपूर्ण एवं अपेक्षित है। बीएलओ अपने अपने क्षेत्र में घर घर जाकर फॉर्म दे तो रहे हैं, परन्तु उन्हें उस क्षेत्र की समुचित जानकारी के अभाव में थोड़ी विलंब हो रही है, जिसका प्रभाव फॉर्म वितरण कर उसे भराने पर पड़ रहा है। इस लिए आप सभी से अपील है कि, चुंकि आप अपने क्षेत्र के जन प्रतिनिधि हैं और अपने क्षेत्र के लगभग सभी घरों एवं मतदाताओं को जानते हैं। इस लिए इसमें आप स्वयं तथा अपने अपने कार्यकताओं के माध्यम से सभी बीएलओ को मतदाताओं के घरों तक गणना प्रपत्र फॉर्म उपलब्ध कराने में सहयोग करें। साथ ही सभी मतदाताओं को इसके लिए अपने स्तर से भी जागरूक एवं प्रोत्साहित करें कि वे अपने क्षेत्र के बीएलओ से मिलकर फॉर्म भरें अथवा ३३स्त्र२:// श्ङ्गी१२ॣ.ङ्ग५.ल्ल इस पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन भी आवेदन कर सकते हैं। पूर्व में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गणना प्रपत्र फॉर्म के साथ संबंधित दस्तावेज के संकलन का भी निर्देश था, जिसे अब तत्काल बदल कर पहले फॉर्म भर कर उपलब्ध कराने तथा एक सप्ताह के अंदर संबंधित सभी दस्तावेज संकलित करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं, ताकि फॉर्म भर कर उसे संबंधित एप पर अपलोड किया जा सके। इस लिए अब पहले ऑफलाइन मोड में सिर्फ फॉर्म भरकर जमा कराने में अपना पूर्ण सहयोग दें। इससे कार्य काफी सुगमता से संपन्न हो सकेगा और शत प्रतिशत मतदाताओं को इसका लाभ भी मिलेगा।

मोहर्रम को लेकर हवेली खड़गपुर में फ्लैग मार्च, प्रशासन पूरी तरह रहा सतर्क

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर// हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। मोहर्रम पर्व को लेकर प्रशासनिक सतर्कता अपने चरम पर रहा है। शनिवार को क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से एक विशाल फ्लैग मार्च का आयोजन किया गया। इस फ्लैग मार्च का नेतृत्व एसडीओ हवेली खड़गपुर, डीएसपी हवेली खड़गपुर, थानाध्यक्ष, तथा हवेली खड़गपुर के अंचलाधिकारी कर रहे थे।फ्लैग मार्च का कारवां हवेली खड़गपुर मुख्यालय से प्रारंभ होकर गंगटा थाना, शामपुर थाना, खाजेचक सहित अन्य संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस बल वाहनों और मोटरसाइकिलों के माध्यम से पूरे क्षेत्र में गश्त करता नजर आया। प्रशासन की मुस्तैदी और चौकसी हर मोड़ पर दिखाई दी। सुरक्षा बलों का यह मार्च पूरी तरह अनुशासित रहा। अधिकारी संवेदनशील स्थानों पर खुद मौजूद रहकर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण करते रहे। आम जनता से शांति बनाए रखने और किसी भी तरह की अफवाह से दूर रहने की अपील की गई। अनुमंडल प्रशासन द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि मोहर्रम का पर्व शांति, भाईचारा और सौहार्द का प्रतीक है। इसे सभी समुदायों को मिल-जुलकर मनाना चाहिए। किसी प्रकार की समस्या होने पर आम लोग नजदीकी थाना या प्रशासन से संपर्क करें।

ऐतिहासिक किला का उपरी हिस्सा रविवार को एकाएक ढह गया, कई यात्री बाल बाल बचें

सोमवार से मरम्मती का किया जाएगा काम : जिला प्रशासन

प्रात : किरण संवाददाता

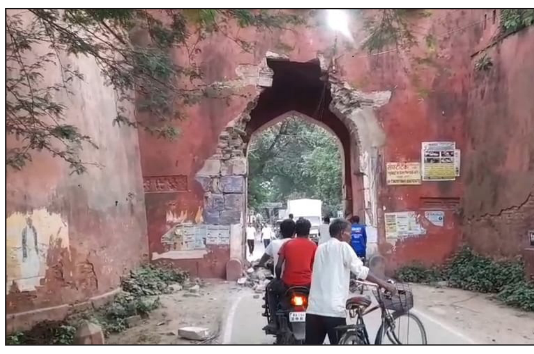

मुंगेर/बरियारपुर (मुंगेर)।। मुंगेर का ऐतिहासिक किला उत्तरी गेट जो काफी जर्जर स्थिति में आ गया है रविवार को एकाएक उसका ऊपरी भाग ढहा गया। आने जाने वाले यात्री बाल बचे गए।इस सम्बन्ध में जिला प्रशासन ने कहा कि सोमवार से मरम्मती का कार्य शुरू किया जाएगा। :सोमवार सेमुंगेर का ऐतिहासिक किला सिर्फ एक किला ही नहीं बल्कि मुंगेर की एक पहचान है। इस किला में आज भी जीवन बसता है। जिला प्रशासन के सारे आला अधिकार के आवास घर, जेल न्यायालय और घर बना आज भी लोग यहां रहते है। कहा जाए तो पहले यहां से ही शासन चलता था आज भी मुंगेर के शासन का मुख्य केंद्र बिंदु मुंगेर किला है। इस किला का इतिहास काफी पुराना है महाभारत काल से लेकर मीरकासिम तक इस किला से अपना राज्य पाठ चलाया करते थे। 1934 में भूकंप के बाद इस क्षतिग्रस्त किला का पुनः जीर्णोद्धार कराया गया था एक बार पुनः इस किला का उत्तरी गेट जो पूरी तरह जर्जर हो गया था एकाएक उसका ऊपरी भाग ढह गया। जिसमें आने जाने वाले लोग बाल बाल बचे। जानकारी के अनुसार सड़क निर्माण के दौरान बड़े वहां इस किला से होकर गुजर रहे थे। और उन्हीं वाहनों से ठोकर लगते लगते गेट पूरी तरह जर्जर हो चुका था। हालांकि जब इसके निर्माण के सरकार ने राशि भी मुहैया करवा दी थी पर कार्य में देरी के कारण गेट का ऊपरी भाग ढह गया। हालांकि मुंगेर सदर एसडीओ ने बताया कि कल सोमवार से गेट के मरम्मती के लिए कार्य शुरू करवा दिया जाएगा। लोगों ने बताया कि यह किला मुंगेर की पहचान है इसे बचाइए रखा सभी की जिम्मेदारी है। पर अब यह किला जर्जर हों चुका है। जिसका उत्तर गेट का ऊपरी भाग ढह चुका है।

अलौली में विभिन्न चौक चौराहे पर हाई मास्ट लाइट लगने पर किया हर्ष व्यक्त, पहल रंग लाई

- विभिन्न चौक चौराहे पर पावरफुल सीसीटीवी कैमरा लगाने एवं शौचालय का निर्माण करने की किया मांग : किरण देव यादव

प्रात : किरण संवाददाता

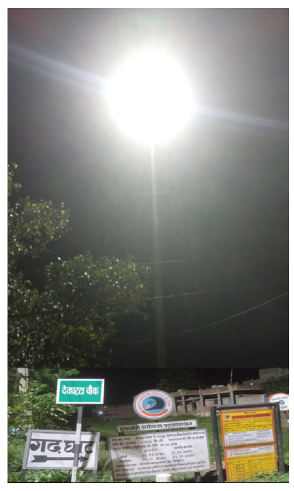

खगड़िया। अलौली में विभिन्न चौक चौराहे पर हाई मास्ट लाइट लगने पर हर्ष व्यक्त किया है तथा खुशियों का इजहार किया। उक्त आशय की जानकारी देश बचाओ अभियान खरकिया मिशन के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने देते हुए कहा कि अलौली के विभिन्न चौक चौराहे पर हाय मास्ट लाइट लगाई गई है जिसके लिए देश बचाओ अभियान का पहला रंग लाया। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष का जीत है। बिगत दिनों इसके लिए मजबूत पहल किया गया था समाचार पत्रों में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित हुई थी। खबर भी, असर भी, पैनी नजर भी, कहावत चरितार्थ हुआ। श्री यादव ने कहा कि हाईलाइट तेज प्रकाश से चौक जगमगाने पर अंधेरा से निजात मिला। सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष समाजसेवी किरण देव यादव ने ग्रामीणों को हार्दिक बधाई दिया है तथा विभाग को साधुवाद दिया है। श्री यादव ने कहा कि आठ स्थलों पर हाई मास्ट लाइट लगाई गई है हालांकि अन्य चौक अंबेडकर आवासीय कॉलेज निकट एवं सरपंच चौक पर लगाने की मांग किया है। समाजसेवी किरण देव यादव ने विभिन्न चौक चौराहे पर पावरफुल सीसीटीवी कैमरा एवं सामूहिक व दिव्यांग शौचालय निर्माण करने की मांग जिलाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों से किया है ताकि अपराधिक गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सके एवं व्यस्ततम चौक चौराहे पर महिला पुरुषों को सुविधा मिल सके।

मोहर्रम के दशमी पर हवेली खड़गपुर में शांतिपूर्ण जुलूस, छः अखाड़ों ने लिया भाग

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर/ हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। मोहर्रम के दशमी के अवसर पर रविवार को क्षेत्र में शांति और भाईचारे के माहौल में जुलूस निकाला गया। जुलूस सुबह 6:00 बजे से आरंभ हुआ और दोपहर 12:00 बजे शांतिपूर्वक संपन्न हो गया।अनुमंडल प्रशासन ने बताया कि इस बार कुल छः अखाड़ों से मुश्लीम समाज के लोगों ने जुलूस में भाग लिया हैं। अखाड़ा प्रदर्शन में युवाओं ने पारंपरिक करतब, लाठी, तलवारबाजी व कलाबाजी का प्रदर्शन कर लोगों को मोहित कर दिया। जगह-जगह स्थानीय लोगों ने जुलूस में शामिल प्रतिभागियों के स्वागत हेतु पानी व शरबत की व्यवस्था की थी।जुलूस के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सुरक्षा के पुख़्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे पूरे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रही। एसडीओ, डीएसपी सहित स्थानीय थाना प्रभारी और बड़ी संख्या में पुलिस बल लगातार निगरानी में लगे रहे। जुलूस का समापन हुसैनी चौक के पास हुआ, जहां पर परंपरागत ढंग से मातम मनाया गया और हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी को याद किया गया। अनुमंडल प्रशासन और जनता की आपसी सहयोग से इस बार का मोहर्रम जुलूस शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

बैजनाथपुर में मेडिकल स्टोर पर छापेमारी, नशा युक्त टैबलेट जब्त

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिले के बैजनाथपुर थाना क्षेत्र स्थित बैजनाथपुर चौक पर एक मेडिकल स्टोर में शनिवार देर शाम गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा छापेमारी की गई। बैजनाथपुर थानाध्यक्ष चंद्रजीत प्रभाकर ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि पपलेश मेडिकल स्टोर में अवैध रूप से नशा युक्त टैबलेट की बिक्री की जा रही है। इसी आधार पर पुलिस बल के साथ छापेमारी की गई। छापेमारी की सूचना ड्रग इंस्पेक्टर को भी दी गई, जो मौके पर पहुंचकर गहन जांच में जुट गए। निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टोर से नशा युक्त टैबलेट बरामद की गई जिसे जप्त कर लिया गया। ड्रग इंस्पेक्टर ने मेडिकल स्टोर संचालक से दवाओं के बिल की मांग की, लेकिन बिल प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इस पर ड्रग विभाग द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

महदेवा मध्य विधालय बरियारपुर के खेल मैदान में खिलाड़ियों का लगेगा मेला

प्रात : किरण संवाददाता

बरियारपुर (मुंगेर)। बिहार सरकार के खेल एवम क्रिड़ा विभाग द्वारा प्रतिभागियों के चयन के लिए महदेवा मध्य विद्यालय के फुटवाल मैदान में बरियारपुर शिक्षा अंचल के प्रतिभागियों के चयन के लिए 11 सी आर सी के 34 अधिनस्थ प्राथमिक बिद्यालय के 32 माध्यमिक विद्यालय एवम 11 उच्च बिद्यालय के छात्र/छात्राओं के प्रतिभागियों का चयन किया जायेगा। जिनमें सभी बिद्यालयों के शारिरिक शिक्षक उपस्थिति रहे। इस आशय के जानकारी प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी स्वेता कुमारी बरियारपुर के निर्देश पर सभी आयोजन होना सुनिश्चित किया गया है।

जिले के सभी प्रखंडों में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित अभियान का लगातार किया जा रहा प्रचार

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय! 03 जुलाई को विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 अभियान हेतु लखीसराय जिले के सभी प्रखंडों में प्रचार प्रसार के लिए प्रचार रथ को जिला पदाधिकारी मिथिलेश मिश्र के द्वारा प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। प्रचार रथ द्वारा लखीसराय जिले के सभी प्रखंडों में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित अभियान का लगातार प्रचार किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 हेतु 25 जून से 27 जुलाई तक का समय निर्धारित किया गया है। इस गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हो ताकि वह अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो और मतदाता सूची में नाम जोड़ना यह हटाने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहे। बिहार है तैयार -घर -घर दस्तक देने आ रहा है चुनाव आयोग,के मिशन को लेकर लखीसराय जिला प्रशासन एक्टिव मोड में है!

सीएनजी और पीकअप में आमने-सामने हुई भिड़ंत सीएनजी पर सवार दो लोगों की मौत, सात लोग जख्मी

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिले के सौरबाजार थाना क्षेत्र के चकला गांव के समीप शनिवार देर रात को सीएनजी और पीकअप में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। जिसमें सीएनजी पर सवार दो लोगों की मौत हो गई और सात लोग जख्मी हो गए। सभी जख्मी का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सौरबाजार में चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही पहुंची सौरबाजार थाना पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। मृतक के परिजनों ने बताया कि शनिवार की देर संध्या को खगड़िया जिले के बेलदौर थाना अंतर्गत वोविल फुलवरिया गांव से दर्जनो की संख्या में सीएनजी से सहरसा रेलवे स्टेशन जा रहा था। उसी दौरान सौरबाजार-सोनवषार्राज मुख्य मार्ग स्थित चकला गांव के पास रात के करीब 12 बजे सीएनजी और पीकअप की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जिसमें सीएनजी पर सवार सभी लोग जख्मी हो गए, स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना सौरबाजार थाना पुलिस को दी। सौरबाजार पुलिस ने सदर-बल के साथ घटनास्थल पहुंचकर घटना की तहकीकात करते हुए सभी जख्मी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सौरबाजार में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने इलाज के दौरान दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृत की पहचान खगड़िया जिले के बेलदौर थाना अंतर्गत वोविल फुलवरिया वार्ड नंबर 7 निवासी कैसो राम के करीब 40 वर्षीय पुत्र जमार राम और रघुनंदन राम के करीब 35 वर्षीय पुत्र विजय राम के रूप में हुई है। वही सौरबाजार पुलिस नें घटनास्थल से सीएनजी और पीकअप को जप्त कर थाना लाया। साथ ही दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सहरसा भेज दिया।

मुहर्रम बना सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक, हिन्दू-मुस्लिमों ने मिलकर पेश की गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिले में इस बार मुहर्रम का पर्व सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे की एक अनूठी मिसाल बनकर सामने आया। जिले के कई इलाकों में हिन्दू समुदाय के लोगों ने न केवल ताजिया बनाने में भाग लिया, बल्कि जुलूस निकालने और इमाम हुसैन की शहादत पर मातम मनाने में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और आज भी कई गांवों में इसे पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ निभाया जा रहा है। यह दशार्ता है कि सहरसा में धर्म की सीमाएं नहीं, बल्कि इंसानियत और आपसी प्रेम की दीवारें मजबूत है। सहरसा के मीर टोला, अली नगर, मछली बाजार, बनगांव पूर्वी, बरियाही, नरियार, लतहा, रहुआमणि, नौलक्खा आदि क्षेत्रों में हिन्दू परिवारों द्वारा ताजिया तैयार किए गए और मुहर्रम के जुलूसों में शामिल हुए। कई स्थानों पर तो पीढ़ियों से यह परंपरा कायम है, जहां हिन्दू परिवार मुसलमानों के साथ मिलकर यह पर्व मनाते आ रहे हैं। रविवार को जब विभिन्न इलाकों के ताजिया जुलूस रणखेत पहुंचे, तो वहां ताजिया मिलान का दृश्य एकता और सांस्कृतिक समरसता का जीवंत प्रमाण बन गया। रणखेत पर सभी समुदायों के लोगों ने मिलकर लड़वारी खेली, और एक-दूसरे के साथ गले मिलकर गंगा-जमुनी तहजीब की भावना को जीवित रखा। सहरसा में देखा गया यह नजारा उन ताकतों को सीधी चुनौती देता है जो धर्म के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश करते हैं। यहां हिन्दू-मुस्लिम समुदाय एक-दूसरे के पर्वों में भाग लेते हैं। जहां होली में मुसलमानों के घर पुआ और पकवान बनते हैं, वहीं मुहर्रम में हिन्दू युवक, बुजुर्ग और बच्चे ताजिया और जुलूस का हिस्सा बनते हैं। कुछ गांवों में यह परंपरा पुराने सांप्रदायिक समझौतों और वादों पर आधारित है, जहां हिन्दू-मुस्लिम परिवारों ने साथ मिलकर मुहर्रम मनाने की प्रतिज्ञा की थी। यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सद्भाव और सामाजिक समरसता की जड़ें मजबूत करने का प्रतीक बन गया है। जब देश के कई हिस्सों में धार्मिक आधार पर तनाव की खबरें आती हैं, तब सहरसा जैसे जिलों से ऐसी मिसालें उम्मीद और इंसानियत की रौशनी बनकर सामने आती हैं। मुहर्रम जैसे अवसर पर धर्म की सीमाएं मिटाकर एक-दूसरे के पर्व में सहभागी बनना भारतीय संस्कृति की सबसे सुंदर तस्वीर है।

मुहर्रम को लेकर सहरसा पुलिस अलर्ट, एसडीपीओ के नेतृत्व में किया गया फ्लैग मार्च

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा मुहर्रम पर्व को लेकर सहरसा में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से शनिवार शाम एसडीपीओ आलोक कुमार ने स्वयं कमान संभाली। करीब शाम 6 बजे शहर के प्रमुख इलाकों से एक भव्य फ्लैग मार्च निकाला गया। यह फ्लैग मार्च थाना चौक से प्रारंभ होकर शंकर चौक, दहलान चौक, गांधी पथ, कुंवर सिंह चौक होते हुए नया बाजार तक पहुंचा और अंत में पुलिस लाइन में समाप्त हुआ। मार्च में एसडीपीओ आलोक कुमार के साथ यातायात डीएसपी, स्थानीय थाना प्रभारी व सैकड़ों पुलिसकर्मी एवं अधिकारी मौजूद रहे। खास ट्रेनिंग प्राप्त जवानों की सशक्त उपस्थिति और तेज सायरनों की गूंज ने शहरवासियों को सुरक्षा का संदेश दिया। एसडीपीओ आलोक कुमार ने स्पष्ट कहा बिना लाइसेंस के किसी भी ताजिया जुलूस को अनुमति नहीं दी जाएगी, और जुलूस में डीजे बजाने की अनुमति भी नहीं है। पुलिस हर गतिविधि पर नजर रखेगी और शांति भंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बाबा राज राजेश्वर स्थान 300 वर्ष से भी अधिक पुराना धार्मिक स्थल है : राज सिंह

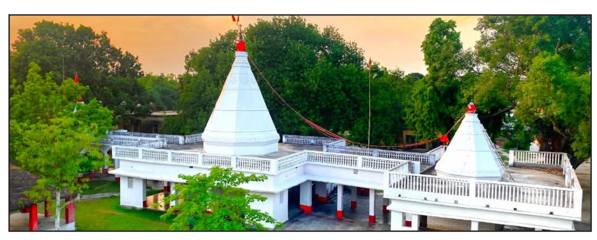

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा नगर पंचायत नवहट्टा के शाहिडीह वार्ड नं. 14 स्थित बाबा राज राजेश्वर स्थान को लेकर हाल के दिनों में कुछ भ्रम और रुकावटें उत्पन्न की जा रही हैं। इस विषय पर वक्तव्य जारी करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता राज सिंह ने कहा बाबा राज राजेश्वर स्थान शाहिडीह कोई नया स्थल नहीं, बल्कि यह मंदिर तीन सौ वर्षों से भी अधिक पुराना है, जिसका प्रमाण सरकारी दस्तावेजों में भी दर्ज है। यह स्थल सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत का हिस्सा है। सावन के अवसर पर होने वाला दो दिवसीय श्रावणी महोत्सव स्थानीय जनता की आस्था और परंपरा से जुड़ा आयोजन है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए इसे बाधित करने की कोशिश कर रहे है। स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह आयोजन किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि ग्रामवासियों और मंदिर कमिटी के सहयोग से श्रद्धा और समर्पण के साथ किया जाता है। राज सिंह ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों से आग्रह किया है कि वे सत्य को समझें और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करें, ताकि सनातन परंपरा को मजबूती मिल सके और धार्मिक सौहार्द बना रहे।

लोजपा आर के प्रधान कार्यालय तारापुर में रामविलास पासवान का मनाया गया समारोह पूर्वक जयंती

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिले के तारापुर लोजपा आर के प्रधान कार्यालय में देश के दूसरे अम्बेडकर गरीब शोषित वंचितों को मुख्य धारा में लाने वाले लोजपा के संस्थापक पदम् भूषण पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. रामविलास पासवान की 79 वीं जयंती धूम धाम से मनाया गया वहीं उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी जिसकी अध्यक्षता तारापुर प्रखंड अध्यक्ष जयराम मण्डल के द्वारा किया गया जहाँ मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मिथलेश कुमार सिंह प्रदेश महासचिव दुर्गेश कुमार सिंह, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष अंटूश राणा जिलाध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि प्रमोद पासवान आईटी सेल जिलाध्यक्ष रोहित सिंह छात्र जिलाध्यक्ष नितेश कुमार लोजपा नेता छोटु मण्डल टेटिया बम्बर प्रखंड अध्यक्ष मनोज सिंह असरगंज प्रखंड अध्यक्ष उदय पासवान संग्रामपुर प्रखंड अध्यक्ष जीवन सिंह खरगपुर प्रखंड अध्यक्ष ज्योतिष पासवान राजेश पासवान असरगंज प्रखंड अध्यक्ष मनिजर पासवान प्रधान महासचिव पंकज पासवान नगर अध्यक्ष विशाल आनंद प्रखंड अध्यक्ष मनीराम पासवान धनंजय पासवान हीरालाल चौधरी बासुकी यादय संजय सिंह नकुल पासवान संजय सिंह संजय पासवान नकुल पासवान दर्वेश पासवान आदि मौजूद थे

प्रशांत किशोर के सहरसा आगमन पर कार्यकताओं ने किया बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा बिहार में संपूर्ण क्रांति और व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से शुरू की गई बिहार बदलाव यात्रा के तहत जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर एक दिवसीय दौरे पर 13 जुलाई को सहरसा आ रहें है। आगमन को लेकर रविवार को आयोजित बैठक जिला कार्यलय सहरसा में हुई जहां संगठन के वरीय पदाधिकारी और कार्यकर्त्ता मौजूद रहे। बैठक में जिला अध्यक्ष नवल किशोर सिंह ने बताया सहरसा की धरती पर प्रशांत किशोर का भव्य स्वागत किया जाएगा। बिहार में व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से निकले प्रशांत किशोर का 13 जुलाई को जिले के कोने-कोने से भरपूर सहयोग मिलेगा। इस बैठक में जिला अध्यक्ष नवल किशोर सिंह, महासचिव इरफान खान, जिला युवा अध्यक्ष अनिल कुमार महतो, जिला किसान अध्यक्ष नौशाद आलम, जिला अभियान समिति संयोजक प्रभात कुमार स्थाना, क्षेत्रीय युवा प्रभारी सोहन झा, प्रमंडल चुनाव अभियान समिति सदस्य विमल कांत झा, अनुमंडल प्रवक्ता मो वसीम जिला उपाध्यक्ष श्रवण कुमार, सहरसा सदर अनुमंडल अध्यक्ष कुमार मौलेश सिंह, महिला अध्यक्ष नीलू देवी, उपाध्यक्ष योगेंद्र झा।

सम्पादकीय

इस गुरुवार को गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर आईए जानें शिष्य के जीवन में गुरु का महत्व....

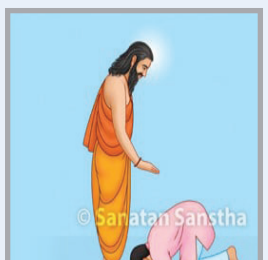

गुरु कौन हैं ? जो शिष्य का अज्ञान नष्ट कर, उसकी आध्यात्मिक उन्नति हेतु जो साधना बताते हैं तथा उससे वह करवाते हैं एवं अनुभूति भी प्रदान करते हैं, उन्हें गुरु कहते हैं । गुरु का ध्यान शिष्य के ऐहिक सुख की ओर नहीं होता (क्योंकि वह प्रारब्धानुसार होता है), केवल उसकी आध्यात्मिक उन्नति की ओर रहता है । वर्तमान जन्म में छोटी-छोटी बातों के लिए भी प्रत्येक व्यक्ति किसी अन्य से अर्थात शिक्षक, डॉक्टर, वकील इत्यादि से मार्गदर्शन लेता है ।ऐसी स्थिति में जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति देनेवाले गुरु का महत्त्व कितना होगा, इसकी कल्पना कर पाना भी असंभव है ।

वास्तव में ईश्वर और गुरु में हम भेद ही नहीं कर सकते ।ईश्वर निर्गुण रूप हैं, तो गुरु ईश्वर के सगुण रूप हैं ।गुरु हमारा हाथ पकडकर हमसे प्रत्यक्ष साधना करवाकर लेते है ।संत कबीर गुरु का महत्त्व बताते हुए कहते हैं,गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पाय ।
बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोविंद दियो बताय ॥
अर्थ : इस दोहे से तात्पर्य है कि गुरु और भगवान दोनों ही मेरे सम्मुख खडे हैं, परंतु ईश्वर ने गुरु को जानने का मार्ग दिखा दिया है ।कहने का भाव यह है कि जब आपके समक्ष गुरु और ईश्वर दोनों विद्यमान हों, तो पहले गुरु के चरणों में अपना शीश झुकाना चाहिए, क्योंकि गुरु ने ही हमें भगवान के पास पहुंचने का ज्ञान प्रदान किया है ।
हमारे यहां कहा गया है,गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु गुरु देवो महेश्वर ।
गुरु साक्षात परम ब्रह्मा तस्मै श्री गुरुवे नमः ॥
इस श्लोक में गुरु की महिमा को मण्डित किया गया कि गुरु यदि मिल जाएं, तो जीवन में भगवान को पाना सरल हो जाता है और गुरु के रूप में साक्षात ईश्वर की प्राप्ति हो जाती है ।
श्री शंकराचार्यजीने कहा है, ज्ञानदान करनेवाले सद्गुरु को जो शोभा दे, ऐसी उचित उपमा इस त्रिभुवन में कहीं भी नहीं है ।यद्यपि उन्हें पारस की उपमा दी जाए, तो वह भी अपर्याप्त होगी; क्योंकि पारस लोहे को सुवर्णत्व तो दे सकता है; परंतु उसे पारसत्व नहीं दे सकता ।समर्थ रामदासस्वामीजी ने भी दासबोध में (दशक १, समास ४, पंक्ति १६ में) कहा है, पारस के स्पर्श से लोहा सोना बन जाता है; परंतु सोना अपने स्पर्श से लोहे को सोना नहीं बना सकता; परंतु गुरु शिष्य को गुरुपद प्राप्त करवाते हैं ।इसलिए पारस की उपमा भी गुरु के लिए अपर्याप्त है ।इसलिए जीवन में गुरु का होना आवश्यक है ।
गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुदेवो महेश्वरः ।
गुरुरेव परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥ ३२ ॥गुरु स्वयं ही ब्रह्मा, श्रीविष्णु तथा महेश्वर हैं ।वे ही परब्रह्म हैं ।ऐसे श्री गुरु को मैं नमस्कार करता हूं ।शिष्य के जीवन में गुरु का महत्त्व क्या है ?शिष्य के जीवन में गुरु का महत्त्व अनन्यसाधारण है !ध्यानमूलं गुरोर्मूर्तिः पूजामूलं गुरोः पदम् ।मन्त्रमूलं गुरोवार्क्यं मोक्षमूलं गुरोः कृपा ॥ ८६ ॥अर्थ : ध्यान का आश्रयस्थान गुरुमूर्ति है ।पूजा का मूलस्थान गुरुचरण, मन्त्र का उगमस्थान गुरुवाक्य एवं मोक्ष का मूल आधार गुरु की कृपा है ।श्री शंकराचार्यजी ने कहा है, ह्यज्ञानदान करनेवाले सद्गुरु को जो शोभा दे, ऐसी उचित उपमा इस त्रिभुवन में कहीं भी नहीं है ।यद्यपि उन्हें पारस की उपमा दी जाए, तो वह भी अपर्याप्त होगी; क्योंकि पारस लोहे को सुवर्णत्व तो दे सकता है; परंतु उसे पारसत्व नहीं दे सकता ।समर्थ रामदासस्वामीजी ने भी दासबोध में (दशक १, समास ४, पंक्ति १६ में) कहा है, पारस के स्पर्श से लोहा सोना बन जाता है; परंतु सोना अपने स्पर्श से लोहे को सोना नहीं बना सकता; परंतु गुरु शिष्य को गुरुपद प्राप्त करवाते हैं ।इसलिए पारस की उपमा भी गुरु के लिए अपर्याप्त है ।गुरु हमारे प्रारब्ध भोगने की क्षमता कैसे बढाते हैं ?

नोटबंदी के बाद अब वोटबंदी लोकतंत्र के मूल पर प्रहार

बिहार विधानसभा चुनाव के पूर्व चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची मैं संशोधन के लिए जो नियम लागू किए हैं।उसके बाद एक बार फिर 2016 की नोटबंदी चर्चा में आ गई है।नोटबंदी ने देश को जिस आर्थिक अस्थिरता और अव्यवस्था में झोंका था।उसकी गूंज आज भी गरीबों और मध्यम वर्ग की स्मृतियों में ताजा है। उस समय सरकार ने कहा था, नोटबंदी, काला धन और भ्रष्टाचार खत्म करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। नोटबंदी हुई लोगों को वर्षों तक इसका खामयिजा भुगतना पड़ा। नोटबंदी का कोई नतीजा नहीं निकला।जितने नोट प्रचलन में थे, वह सब वापस आ गए।ना काला धन कम हुआ, नाही भ्रष्टाचार खत्म हुआ। उल्टे भ्रष्टाचार बढ़ गया, काला धन भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ता जा रहा है।स्विस बैंक में तीन गुना ज्यादा काला धन जमा है। नतीजा? जीरो बटा सन्नाटा रहा। अब उसी तर्ज पर बिहार में मतदाता सूची पुनर्निरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसको देखकर यह कहने में कोई हिचक नहीं रहा है।देश मैं जिस तरह से नोटबंदी लागू की गई थी। अब वोटबंदी के रूप में फिर एक बार उसी तरह की कार्यवाही सामने आ गई है।मतदाता के अधिकार को बनाए रखने के लिए अपने जन्म से लेकर माता-पिता के जन्म के कागज एकत्रित करना पड़ रहे हैं।मां बाप ने गलती करी,उनका जन्म प्रमाण पत्र नहीं बना।लाखों माता-पिता स्कूल पढ़ने भी नहीं गए। 2003 के पहले और बाद का जन्म प्रमाण पत्र कहीं से नहीं मिल रहा है।अब उन्के बच्चों को मत के अधिकार से वंचित किया जा रहा है।पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव द्वारा इस मुद्दे को जिस आक्रामकता से उठाया गया है।वह सिर्फ एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं है।बल्कि लोकतंत्र की रक्षा तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा का बिगुल पप्पू यादव ने बिहार में बजा दिया है। चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट से कथित फर्जी मतदाताओं को हटाने के नाम पर नागरिकों से ऐसे दस्तावेजों की मांग की जा रही है।

डिप्रेशन में आत्महत्या के विचार

अंकित श्रीवास्तव

डिप्रेशन एक गंभीर मानसिक विकार है, जो व्यक्ति की सोच, भावनाओं और व्यवहार को बुरी तरह प्रभावित करता है। जब यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो व्यक्ति के मन में निराशा, असहायता और आत्मग्लानि की भावना गहराने लगती है। कई बार यह मानसिक पीड़ा इतनी तीव्र हो जाती है कि व्यक्ति को जीवन बोझ लगने लगता है, और तब उसके मन में आत्महत्या जैसे खतरनाक विचार जन्म लेने लगते हैं। आत्महत्या के विचार डिप्रेशन के सबसे खतरनाक लक्षणों में से एक हैं।

जब व्यक्ति यह महसूस करता है कि उसकी समस्याओं का कोई हल नहीं है, वह अकेला है, उसकी कोई परवाह नहीं करता, या वह दूसरों के लिए बोझ बन चुका है—तब ये विचार और भी मजबूत हो जाते हैं। कई बार व्यक्ति बाहर से सामान्य दिखाई देता है, लेकिन अंदर ही अंदर वह तीव्र मानसिक संघर्ष से जूझ रहा होता है। ऐसे में वह मौत को शांति या मुक्ति का रास्ता समझने लगता है। डिप्रेशन में आत्महत्या के विचार आने का मतलब यह नहीं कि व्यक्ति मरना चाहता है, बल्कि वह उस मानसिक और भावनात्मक दर्द से छुटकारा पाना चाहता है, जिससे वह लगातार जूझ रहा है।इसलिए इस स्थिति में भावनात्मक समर्थन, समझदारी और पेशेवर सहायता अत्यंत आवश्यक हो जाती है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सहायता, साइकोथेरेपी, दवाओं और परिवार के सहयोग से व्यक्ति इस अंधेरे से बाहर निकल सकता है। जरूरी है कि हम आत्महत्या जैसे विचारों को शर्म या कमजोरी न समझें, बल्कि इसे एक मानसिक संकट मानते हुए उचित सहायता प्रदान करें। डिप्रेशन एक इलाज योग्य बीमारी है, और समय रहते सहायता मिलने से जीवन को एक नई दिशा दी जा सकती है।

15वें दलाई लामा के चयन पर भारत का मिला साथ

तिब्बत के मामले में विदेशी प्रभाव या दखलंदाजी तुलनात्मक रूप से बहुत ही सीमित समय के लिए रही थी इस शोध पत्र में उनके स्वायित्व व चीन के अमानवीय व्यवहार जो भगवान बुद्ध के शांति के मार्ग पर चलने के लिए तिब्बत शरणार्थी शिविरों जो भारत में अपने देश की आजादी के लिए संघर्षरत है उस पर विश्व पटल पर मानवाधिकार हनन के लिए बहुत ही मुश्किल लेकिन उनकी आजादी की मांग करें क्योंकि इससे मानवता की रक्षा होती है

संजय गोस्वामी
लेखक

तिब्बत हमेशा अपनी आजादी के लिए लगभग 70सालों से चीन के चंगुल से अपने आप को छुड़ाने की गुहार विश्व पटल पर लगा रहा है दुनिया में आज कोई ऐसा देश खोजना मुश्किल है, जिस पर इतिहास के किसी दौर में किसी विदेशी ताकत का प्रभाव या अधिपत्य न रहा हो. तिब्बत के मामले में विदेशी प्रभाव या दखलंदाजी तुलनात्मक रूप से बहुत ही सीमित समय के लिए रही थी इस शोध पत्र में उनके स्वायित्व व चीन के अमानवीय व्यवहार जो भगवान बुद्ध के शांति के मार्ग पर चलने के लिए तिब्बत शरणार्थी शिविरों जो भारत में अपने देश की आजादी के लिए संघर्षरत है उस पर विश्व पटल पर मानवाधिकार हनन के लिए बहुत ही मुश्किल लेकिन उनकी आजादी की मांग करें क्योंकि इससे मानवता की रक्षा होती है. हिमालय के उत्तर में स्थित तिब्बत 12 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ और अशांति से भरा एक कटा हुआ इलाका है. इसका इतिहास कई तरह के झटकों और परेशानियों से भरा हुआ है. 1013 ई0 में नेपाल से धर्मपाल तथा अन्य बौद्ध विद्वान तिब्बत गए। 1042 ई0 में दीपंकर श्रीज्ञान अतिशा तिब्बत पहुँचे और बौद्ध धर्म का प्रचार किया। शाक्यवंशियों का शासनकाल 1207 ई0 में प्रांरभ हुआ। मंगोलों का अंत 1720 ई0 में चीन के माँछु प्रशासन द्वारा हुआ। तत्कालीन साम्राज्यवादी अंग्रेंजों ने, जो दक्षिण पूर्व एशिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करने में सफलता प्राप्त करते जा रहे थे, यहाँ भी अपनी सत्ता स्थापित करनी चाही, पर 1788-1792 ई0 के गुरखों के युद्ध के कारण उनके पैर यहाँ नहीं जम सके। परिणाम स्वरूप 19 वीं शताब्दी तक तिब्बत ने अपनी स्वतंत्र सत्ता स्थिर रखी यद्यपि इसी बीच लद्दाख पर कश्मीर के शासक ने तथा सिक्किम पर अंग्रेंजों ने आधिपत्य जमा लिया। अंग्रेंजों ने अपनी व्यापारिक चौकियों की स्थापना के लिये कई असफल प्रयत्न किया। इतिहास के मुताबिक तिब्बत को दक्षिण में नेपाल से भी कई बार युद्ध करना पड़ा और नेपाल ने इसको हराया। नेपाल और तिब्बत की सन्धि के मुताबिक तिब्बत को हर साल नेपाल को ५००० नेपाली रुपये हरजाना भरना पड़ा। इससे आजित होकर नेपाल से युद्ध करने के लिये चीन से मदद माँगी चीन के मदद से उसने नेपाल से छुटकारा तो पा लिया लेकिन इसके बाद 1906-07 ई0 में तिब्बत पर चीन ने अपना अधिकार कर लिया और याटुंग ग्याड्से एवं गरटोक में अपनी चौकियाँ स्थापित की। 1912 ई0 में चीन से मांछु शासन अंत होने के साथ तिब्बत ने अपने को पुनः स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया। सन 1913-14 में चीन, भारत एवं तिब्बत के प्रतिनिधियों की बैठक शिमला में हुई जिसमें इस विशाल पठारी राज्य को भी भागों में विभाजित कर दिया गयाः 23 मई, 1951 को तिब्बत ने चीन के इस विवादित समझौते पर साइन किए थे. 13वीं शातब्दी में तिब्बत, मंगोल साम्राज्य का हिस्सा था और जीत के बाद से इसे हमेशा स्वायत्तता हासिल रही. इस सरकार की विस्तारवादी नीतियों के चलते 1950 में चीन ने हजारों सैनिकों के साथ तिब्बत पर हमला कर दिया। करीब 8 महीनों तक तिब्बत पर चीन का कब्जा चलता रहा। आखिरकार तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने 17 बिंदुओं वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।इस समझौते के बाद तिब्बत आधिकारिक तौर पर चीन का हिस्सा बन मुख्यतः बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत सुदूर इलाके को संसार की छत के नाम से भी जाना जाता है. चीन में तिब्बत का दर्जा एक स्वायत्तशासी क्षेत्र के तौर पर है.चीन का कहना है कि इस इलाके पर सदियों से उसकी संप्रभुता रही है जबकि बहुत से तिब्बती लोग अपनी वफादारी अपने निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के प्रति रखते हैं.दलाई लामा को उनके अनुयायी एक जीवित ईश्वर के तौर पर देखते हैं तो चीन उन्हें एक अलगाववादी खतरा मानता है.तिब्बत का इतिहास बेहद उथल-पुथल भरा रहा है.

कभी वो एक खुदमुख़्तार इलाके के तौर पर रहा तो कभी मंगोलिया और चीन के ताकतवर राजवंशों ने उस पर हुकूमत की. लेकिन साल 1950 में चीन ने इस इलाके पर अपना झंडा लहराने के लिए हजारों की संख्या में सैनिक भेज दिए. तिब्बत के कुछ इलाकों को स्वायत्तशासी क्षेत्र में बदल दिया गया और बाकी इलाकों को इससे लगने वाले चीनी प्रांतों में मिला दिया गया.लेकिन साल 1959 में चीन के खिलाफ हुए एक नाकाम विद्रोह के बाद 14वें दलाई लामा को तिब्बत छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी जहां उन्होंने निर्वासित सरकार का गठन किया. साठ और सत्तर के दशक में चीन की सांस्कृतिक क्रांति के दौरान तिब्बत के ज्यादातर बौद्ध विहारों को नष्ट कर दिया गया. माना जाता है कि दमन और सैनिक शासन के दौरान हजारों तिब्बतियों की जाने गई थीं.चीन और तिब्बत के बीच विवाद, तिब्बत की कानूनी स्थिति को लेकर है. चीन कहता है कि तिब्बत तेरहवीं शताब्दी के मध्य से चीन का हिस्सा रहा है लेकिन तिब्बतियों का कहना है कि तिब्बत कई शताब्दियों तक एक स्वतन्त्र राज्य था और चीन का उसपर निरंतर अधिकार नहीं रहा. मंगोल राजा कुबलई खान ने युआन राजवंश की स्थापना की थी और तिब्बत ही नहीं बल्कि चीन, वियतनाम और कोरिया तक अपने राज्य का विस्तार किया था. फिर सत्रहवीं शताब्दी में चीन के चिंग राजवंश के तिब्बत के साथ संबंध बने. 260 साल के रिश्तों के बाद चिंग सेना ने तिब्बत पर अधिकार कर लिया.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग तकनीकी बनाम उन्नत अपडेट तेजी से परिष्कृत होते साइबर हमले व धोखाधड़ी

साइबर क्राइम के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जो बैंक अकाउंट साइबर क्राइम से बहुत आगे बढ़कर अबव्हाट्सएप मेल, फेसबुक, इंस्टाग्राम सहित अनेकों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच गए है, तो इधर किसी लिंक पर क्लिक किया उधर आप साइबर क्राइम का शिकार हुए, जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही है, जिसका संज्ञान लेकर अब यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स भी चौकन्ने हो गए हैं

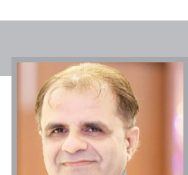

किशन सनमुखदास भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के आधुनिक प्रौद्योगिकी के बढ़ते क्रम में साइबर क्राइम के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जो बैंक अकाउंट साइबर क्राइम से बहुत आगे बढ़कर अबव्हाट्सएप मेल, फेसबुक, इंस्टाग्राम सहित अनेकों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच गए है, तो इधर किसी लिंक पर क्लिक किया उधर आप साइबर क्राइम का शिकार हुए, जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही है, जिसका संज्ञान लेकर अब यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स भी चौकन्ने हो गए हैं, थोड़ा सा भी डाउट हुआ या ब्रिच ऑफ टर्म एंड कंडीशन हुए, तो तुरंत वह मीडिया प्लेटफॉर्म लॉक कर दिया जाता है ।अभी अनेकों लोगों के व्हाट्सएप फेसबुक इंस्टाग्राम अकाउंट लॉक कर दिए गए हैं जिस पर ब्रिच आफ टर्म्स एंड कंडीशंस लिखकर आ रहे हैं ।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र इस आर्टिकल के माध्यम से पूरी दुनियाँ के मीडिया प्लेटफॉर्म्स के उपयोगकताओं से अपील करना चाहता हूं कि अपने इंस्ट्रूमेंट का आति सावधानी से उपयोग करें, जिसके बारे में नीचे पैराग्राफ में चर्चा की गई है ।हमारा वहमीडिया प्लेटफॉर्म भी बंद कर दिया जा सकता है, जिसमें हमारे बहुमूल्य डाटा या ग्रुप होते हैं,नया नंबर लेकर के वह प्लैटफॉर्म तो चालू किया जा सकता है परंतु उसके सारे डेटा उड़ जाते हैं,, इसलिए हमें साइबर क्राइम वालों को कोई मौका नहीं देना है और बहुत ही सावधानी के साथ अपने इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करना है ।चूँकि पूरे विश्व के लिए साइबर अपराधों से जुड़ी कुल लागत और जोखिम का लगातार बढ़नां एक चुनौती है तथा उससे निपटने तात्कालिक अपडेट की आवश्यकता बढ़ गई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग तकनीकी बनाम उन्नत अपडेट तेजी से परिष्कृत होते साइबर क्राइम व धोखाधड़ी होने की संभावना है।
साथियों बात अगर हम वर्तमान समय में साइबर क्राइम के मामले तेजी से बढ़ाने की करें तो, कई ऐसे मामले सामने आए हैं,जिसमें नकली पुलिस, सीबीआई ऑफिसर बनकर लोगों को डिजिटल अरेस्ट किया गया और लाखों रुपये ठग लिए गए, इंटरनेट पर स्टोर जानकारी को एक्सेस करके ठग, लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। हालांकि,जिन लोगों के पास इंटरनेट नहीं है उनको भी ठग अपना शिकार बना ले रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि बिना इंटरनेट के उनके पास हमारी जानकारी कैसे है ?आज के दौर में अगर हम खुद को सुरक्षित नहीं रखते तो हम साइबर ठगी के शिकार हो सकते हैं,हम इससे बचने के लिए अगर ईमेल या किसी ऑनलाइन सर्विस का यूज कर रहे हैं तो कोशिश करें कि उसका पासवर्ड काफी मजबूत हो, गलती से भी अपने नाम, मोबाइल नम्बर या डेट ऑफ वर्थ को पासवर्ड न रखें, कोशिश करें कि हमेशाटू-फैक्टरऑथोटिकेशन का इस्तेमाल करें,अगर हमको कोई अनजान मेल या मैसेज आता है और उसमंक कोई लिंक दिया गया है तो गलती से भी उसको खोलने की कोशिश न करें, अपने फोन को हमेशा अपडेट रखें,अगर कोई सिक्योरिटी फीचर अपडेट आता है तो उसको जरूर करें, इससे हमारा फोन सुरक्षित रहता है ।अगर हम इंटरनेट यूज नहीं करते हैं तो भी ठग आराम से हमको शिकार बना सकते हैं,दरअसल, इसके लिए वे हमारे डेटा को दूसरी जगह से उठाते हैं, इसमें वे सोशल साइट्स, अस्पताल, दुकान या फिर सरकारी ऑफिस आदि जगहों से डेटा लीक करते हैं या फिर किसी तरह निकालते हैं, फिर इस डेटा का इस्तेमाल करके हमारे साथ ठगी के लिए करते हैं, कई लोगों का डेटा उनके किसी रिलेटिव के फोन से भी निकाल लिया जाता है।जो बेहद गंभीर बात है।
साथियों बात अगर हम आरबी आई की रिपोर्ट में वित्तवर्ष 2024-25 में धोखाधड़ी के मामले घटनें परंतु धोखाधड़ी की रकम तीन गुना बढ़ने की करें तो, धोखाधड़ी के अधिकांश मामले डिजिटल भुगतान से जुड़े हैं आरबीआई की 2024-25 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार बैंकों से जुड़े धोखाधड़ी के कुल 23, 953 मामले सामने आए, जो 2023-24 की तुलना में 34 प्रतिशत कम रहे ।किंतु2024-25 में 36,014 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई और यह रकम उससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब 3 गुना अधिक रही ।इसके दो मुख्य कारण रहे। पहला, उससे पिछले वित्त वर्ष में 18,674 करोड़ रुपये के 122 मामलों को धोखाधड़ी की श्रेणी से हटा दिया गया और दोबारा जांच के बाद इस वित्त वर्ष में फिर से उनकी शिकायत की गई। दूसरा, उच्चतम न्यायालय के 27 मार्च, 2023 के फैसले का अनुपालन सुनिश्चित किया गया। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में 1 लाख रुपये और उससे अधिक की धोखाधड़ी के मामले शामिल किए गए हैं। इसमें वे मामले भी हो सकते हैं, जिनमें धोखाधड़ी कई साल पहले हुई थी मगर शिकायत इस साल दर्ज कराई गई थी। केंद्रीय बैंक के आंकड़े बताते हैं कि पिछले वित्त वर्ष में धोखाधड़ी के सबसे ज्यादा मामले निजी क्षेत्र के बैंकों ने आए। उन बैंकों में धोखाधड़ी के 14,233 मामले सामने आए हैं, जो बैंकिंग क्षेत्र में कुल धोखाधड़ी के 59.4 प्रतिशत हैं ।सरकारी बैंकों की तुलना में ये बहुत अधिक हैं। सरकारी बैंकों में धोखाधड़ी के केवल 6,935 मामले आए,जो कुल मामलों के 29 प्रतिशत ही रहे ।किंतुसरकारी बैंकों में 25,667 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई, जो इस तरह के मामलों में शामिल रकम की कुल 71.3 प्रतिशत है।

गुरु-शक्ति और स्वर्णाकर्षण भैरव की दिव्यता का संगम है - गुरु पूर्णिमा

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

गुरु पूर्णिमा भारतवर्ष की आत्मा से जुड़ा एक ऐसा पर्व है, जिसकी गूंज केवल मंदिरों और आश्रमों तक सीमित नहीं रहता है, बल्कि हर साधक, हर शिष्य और हर आत्मा के भीतर गुंजायमान होता है। यह केवल एक तिथि नहीं, एक अनुभूति है- जब ज्ञान का सूर्य गुरु रूप में उदय होता है और अज्ञानता का तिमिर नष्ट हो जाता है।

गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है, क्योंकि यह महर्षि वेदव्यास के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने चारों वेदों, ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद का विभाजन कर उन्हें संरचित किया था। महाभारत, ब्रह्मसूत्र, 18 पुराण और भगवद गीता जैसे ग्रंथ उनकी ही देन है। महर्षि वेदव्यास न केवल एक ऋषि थे, बल्कि वे भारतीय संस्कृति के शिल्पकार भी थे ।गुरु पूर्णिमा केवल महर्षि वेदव्यास की स्मृति नहीं है, बल्कि ज्ञान परंपरा की नींव रखने वालों की श्रद्धा का प्रतीक भी है। इस दिन हमलोग केवल उन्हें नहीं, बल्कि सभी गुरुओं को नमन करते हैं जिन्होंने हमें आत्मा से परमात्मा की ओर ले जाने वाला मार्ग दिखाया है।

गुरू का वास्तविक अर्थ होता है- गु का अर्थ है अंधकार, और रु का अर्थ है प्रकाश। इस प्रकार गुरु वह होता है जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश देता है। इसलिए कहा जाता है कि - गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु गुरु देवो महेश्वरः, गुरु साक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ।गुरु का स्थान केवल शैक्षणिक व्यवस्था में नहीं है, बल्कि चेतना के हर स्तर पर होता है। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है ।गुरु और शिष्य का संबंध केवल शरीर या विचारों तक सीमित नहीं होता है। यह आत्मा का आत्मा से जुड़ाव होता है। एक सच्चा गुरु, शिष्य को, उसके सत्य स्वरूप से मिलवाता है। शिष्य का भी धर्म है कि वह गुरु के प्रति, तन-मन-धन से समर्पित हो। गुरु से प्रश्न करें, जिज्ञासा करें और विनम्रता से उत्तर प्राप्त करे। गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं-

तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया। उपदेक्ष्यन्ति ते ज्ञानं ज्ञानिनस्तत्त्वदर्शिनः ।।गुरु केवल ज्ञान नहीं देता है, वह शिष्य का संपूर्ण रूपांतरण करता है। वह जीवन की गुत्थियों को सुलझाता है, मोह-माया के जाल से बाहर निकालता है और आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है। ह्लगुरु वही है जो शिष्य को उसके स्वरूप से मिला दे ।ह्व ऐसा गुरु जीवन के मार्गदर्शक के साथ-साथ आत्मा के पथप्रदर्शक भी होते हैं ।स्वर्णाकर्षण भैरव तत्व का और गुरु पूर्णिमा का दिव्य संगम भी है गुरु पूर्णिमा। भैरव का अर्थ है- भय को हरने वाला। वे शिव के रौद्र रूप हैं और साधक को जीवन की असुरक्षा, भय, दुर्घटना, शत्रुता, तंत्र-मंत्र बाधा, ग्रहदोष आदि से मुक्त करते हैं। स्वर्णाकर्षण भैरव पीले वर्ण के होते हैं, धन कलश धारण किए रहते हैं, भैरवी गोद में स्थित रहती है, गुरु ग्रह के प्रतीक हैं और तांत्रिक, मंत्रिक और भौतिक बलों के रक्षक भी हैं। गुरु पूर्णिमा पर इनकी उपासना से न केवल आध्यात्मिक बल की प्राप्ति होता है, बल्कि आर्थिक समृद्धि, ग्रह शांति और भयमुक्ति भी मिलता है।

यह दिन केवल पूजन का नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का भी है। हमलोगों को यह देखना होता है कि हमलोग अपने जीवन में गुरु के मार्गदर्शन का कितना पालन कर रहे हैं। गुरु पूर्णिमा वह द्वार होता है जिससे आत्मिक यात्रा आरंभ होता है। यह दिवस शिष्य को प्रेरित करता है कि वह सांसारिकता से ऊपर उठकर आत्म-ज्ञान की ओर अग्रसर हो ।गुरुजी के प्रवचनों में एक बात विशेष रहती है कि प्रणाम केवल औपचारिकता नहीं, आत्मा का समर्पण होता है। पहले ईश्वर या गुरु के गुरु को प्रणाम किया जाता है, फिर गुरु को उसके बाद फिर माता-पिता और परिवारजन को किया जाता है। इसलिए गुरु का कहना होता है कि प्रणाम शिष्टाचार नहीं, साधना है- ह्लजो झुकना जानता है, वही ऊँचाइयों को छू सकता है ।शास्त्रों में रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने कहा है कि वंदे बोधमयं नित्यं गुरु शंकर रूपिणम्। कबीरदास ने कहा है कि गुरु गोविंद दोउ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय ॥।उपनिषदों में कहा गया है कि ह्लआचार्यवान् पुरुषो वेद- जो गुरु से दीक्षित है, वही सत्य को जान सकता है। यह है गुरु की महत्ता। लेकिन आधुनिक युग में जीवन की गति इतनी तेज हो गई है कि व्यक्ति दिशाहीन हो गया है। गुरु एक नैतिक मार्गदर्शक बनते जा रहे हैं। चाहे वह शिक्षा हो, अध्यात्म, योग, कला, तकनीक या जीवन मूल्य- हर क्षेत्र में गुरु अनिवार्य है ।गुरु पूर्णिमा की रात मानसिक स्थिरता के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। चंद्रमा का प्रभाव मानस पर अधिक होता है, जिससे ध्यान और साधना में गहराई आता है।

अध्यात्मिक ऊर्जा ग्रहण करने के लिए यह सर्वोत्तम दिन होता है ।गुरु परंपरा के प्रेरक में भगवान श्रीराम के गुरु वशिष्ठ ऋषि थे, श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनि मुनि थे, शिव के गुरु दक्षिणामूर्ति थे, हनुमान के गुरु सूर्यदेव थे, संत एकनाथ के गुरु गुरु जनार्दन स्वामी और संत ज्ञानेश्वर के गुरु उनके अपने भाई निवृत्तिनाथ थे ।मान्यता है कि गुरु पूर्णिमा का उत्सव प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण कर गुरु या उनके चित्र के समक्ष दीप जलाकर पुष्प अर्पित कर गुरु मंत्र या ध्यान कराना चाहिए ।

अदालत का आया ऐतिहासिक फैसला, पहली बार महिला शराब कारोबारी को मिली पांच साल की सजा

प्रात : किरण संवाददाता

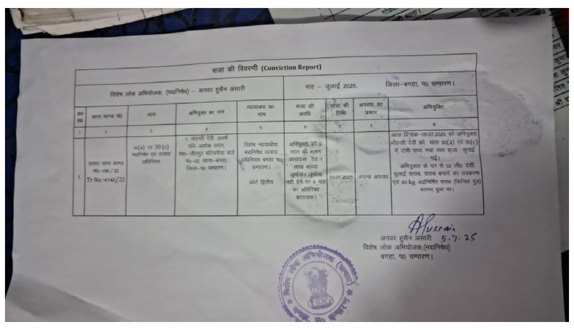

बगहा। बिहार में शराबबंदी कानून के तहत स्पेशल कोर्ट द्वारा एक और सख्त कार्यवाही हुआ है। जिसमें महिला शराब कारोबारी को 5 साल सश्रम कारावास समेत एक लाख जुमार्ना देने का फैसला आया है। दरअसल नेपाल और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित बगहा पुलिस जिला में पहली बार किसी आरोपी महिला शराब कारोबारी को न्यायालय ने दोषी करार देते हुए बड़ी सजा सुनाई है।यह ऐतिहासिक फैसला विशेष न्यायाधीश मद्यनिषेध उत्पाद राजीव कुमार द्विवेदी द्वारा लिया गया। मामला बगहा थाना क्षेत्र अंतर्गत जीतपुर मटियरिया गाँव निवासी मोहनती देवी (35) पति अशोक उरांव से जुड़ा है। जिसपर वर्ष 2022 में टाउन थाना कांड संख्या 156/22 के तहत महिला के विरुद्ध मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30( ) और 30( ) में मुकदमा दर्ज हुआ था।उत्पाद पुलिस द्वारा की गई छापेमारी में आरोपी महिला के पास से 32 लीटर चुलाई देशी शराब,80 किलो अर्द्धनिर्मित शराब और शराब बनाने के उपकरण बरामद किए गए थे। मामले की सुनवाई ट्रायल नंबर 4142/22 के तहत विशेष न्यायालय बगहा में हुई। जिसकी जानकारी एसपीपी अनवर हुसैन अंसारी नें दिया है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दोषी महिला को बगहा जेल भेज दिया गया। बता दें कि बगहा एडीजे 2 विशेष न्यायाधीश राजीव कुमार द्विवेदी के न्यायालय ने शनिवार को मोहनती देवी को दोषी करार देते हुए 5 साल सश्रम कारावास और एक लाख रुपये जुमार्ना की सजा सुनाई है। जुमार्ना नहीं भरने की स्थिति में अतिरिक्त 6 महीने की सजा भुगतनी होगी।

1.40 करोड़ से बनने जा रहा एयरकंडिशन टाउन हॉल जिला मुख्यालय की शान और पहचान, निविदा जारी:गरिमा

- उम्दा रिपेयरिंग, नया छप्पर, फाल्स सीलिंग और फ्लोरिंग की निविदा पर 19 जुलाई तक हो सकती है दावेदारी
- नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति द्वारा 21 जुलाई को खोला जाएगा निविदा के फाइनेंशियल बीड

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि वर्षों से बदहाल महारानी जानकी कुंवर नगर भवन का वातानुकूलित स्वरूप में जीर्णोद्धार की निविदा जारी कर दी गई है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि करीब 1,40,46,144 रुपए की लागत वाली नगर निगम की इस योजना की जारी निविदा के आधार पर कायार्देश प्राप्त करने के लिए चालू माह की 19 तारीख तक इच्छुक संवेदक दावेदारी कर सकेंगे। वही 21 जुलाई को सशक्त स्थायी सशक्त समिति की बैठक में निविदा का तकनीकी और उसके बाद आवश्यकता अनुसार फाइनेंशियल बीड खोला जाएगा। महापौर ने बताया कि वर्षों से बदहाल और उपेक्षित महारानी जानकी कुंवर नगर भवन के नव निर्माण के बाद जिला मुख्यालय के बाद यह जिला मुख्यालय की शान और महत्वपूर्ण पहचान के रूप में जाना जाएगा। इस बाबत महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर निगम बोर्ड द्वारा स्वीकृत टाउन हॉल के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण की योजना पूरी होने के बाद जिला मुख्यालय का यह विशाल वातानुकूलित टाउन हॉल बहुत मामूली सरकारी शुल्क के आधार आम जनता के लिए उपलब्ध कराया जाना शुरू कर दिया जाएगा। महापौर ने बताया कि स्वीकृत योजना के अनुसार पूरा नगर भवन वातानुलित बन जाने के साथ इस पूरी बिल्डिंग की उच्च गुणवत्ता के साथ रिपेयरिंग की जाएगी। वही फाल्स सीलिंग लगाने के साथ पुराना डैमेज एसबेस्टस हटाकर नया एसबेस्टस लगाया जाएगा। इसके साथ ही सभी चौखट दरवाजा नया लगाने के साथ आकर्षक स्वरूप में नए फ्लोरिंग अर्थात फर्श का भी निर्माण कराया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

घर में घुसकर बकरी को उठा ले गया तेंदुआ,दहशत से ग्रामीण कर रहे रतजग्गा

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व से भटककर बगहा के गुदगुदी पंचायत में पहुंचा तेंदुआ ग्रामीणों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। बीते तीन दिनों से यह तेंदुआ लगातार अपना ठिकाना बदल रहा है। शुक्रवार रात संतपुर बलुहवा गांव में तेंदुए ने एक घर में बंधी बकरी को शिकार बना लिया। पीड़ित महिला ने बताया कि शाम को वह बकरियों को खेत से चरा कर लाई थी और उन्हें घर के अंदर बांधकर दरवाजा बंद कर दिया था। लेकिन थोड़ी देर बाद बकरियों के मिमियाने की आवाज सुनकर जब वह बाहर निकली तो देखा कि तेंदुआ एक बकरी को जबड़े में दबाकर भाग रहा है। तेंदुए को देखकर महिला सहम गई। हालांकि उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग जमा हो गए और वन विभाग को सूचना दी गई। वनकर्मी मौके पर पहुंचे और रातभर गांव में पहरेदारी करते रहे। फिलहाल वन विभाग की टीम तेंदुए को ट्रैक करने की कोशिशों में जुटी है। बतादें, तेंदुए की इस हरकत के बाद से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं। बच्चे और बुजुर्गों को लेकर लोग बेहद चिंतित हैं। वहीं वन विभाग के अधिकारी और कर्मी लगातार रातभर पहरा दे रहे हैं। वन विभाग का कहना है कि जब तक तेंदुए की सही स्थिति स्पष्ट नहीं हो जाती,तब तक सभी ग्रामीण सतर्क रहें।

ताजिया जुलूस को पहले आगे ले जाने को लेकर दो पूजा समितियों के बीच विवाद के बाद मारपीट

छपरा कार्यालय। मांझी थाना क्षेत्र अंतर्गत मटियार गांव में ताजिया जुलूस के दौरान उस समय अफरातफरी मच गई जब ताजिया जुलूस के दो समितियों के बीच झड़प हो गई. उस दौरान एक दूसरे पर पथराव भी शुरू हो गया और देखते ही देखते कई लोग जख्मी हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जिनमें दो लोगों को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र से बेहतर चिकित्सा के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है. गंभीर रूप से जख्मी में मांझी थाना क्षेत्र के इमादपुर गांव निवासी ताज मोहम्मद अंसारी का पुत्र अमजद अली तथा हिदायत हुसैन का पुत्र चांद मोहम्मद शामिल है. 17 साल में उपचार के दौरान दोनों जख्मी ने बताया कि वे लोग ताजिया जुलूस में शामिल थे, तभी दूसरे ताजिया जुलूस में शामिल फिरोज, इम्तियाज व अल्ताफ सहित अन्य ने मारपीट के बाद पत्थर बरसाने शुरू कर दिया. जिससे उन लोगों का सिर फट गया है. उस दौरान जुलूस के साथ मौजूद पुलिसकर्मियों के द्वारा थाना अध्यक्ष को सूचना दी गई. जिसके बाद मांझी थाना अध्यक्ष दल बल के साथ मौके पर पहुंचे मामला को शांत कराया. उन्होंने बताया कि फिलहाल स्थिति सामान्य है. ताजिया जुलूस को पहले आगे ले जाने को लेकर दो पूजा समितियों के बीच विवाद के बाद मारपीट हुई है.

कायस्थ परिवार की कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

छपरा कार्यालय। चित्रांश परिवार को जोड़ने की संकल्प को लेकर संस्कृति,संगठन एवं स्वाभिमान का प्रतीक कायस्थ परिवार ने आम सभा की बैठक कर यह साबित कर ही दिया कि अपने समाज को कौन कहे सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यो के प्रति संवेदनशील एवं समर्पित है।मात्र तीन वर्षों की अवधि में कायस्थ परिवार नामक संस्था यहां चर्चा का केंद्र बिंदु बन गया है जहां इसके कार्यकताओं,सदस्यों एवं पदाधिकारियों में एक समर्पण भाव का बोध दिखता है। रविवार को शहर के भगवान बाजार स्थित आशीर्वाद मार्केट कम्प्लेक्स के सभागार में मुख्य संयोजक डॉ. अभिजीत कुमार श्रीवास्तव के संयोजकत्व में कायस्थ परिवार का विधिवत रूप से कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया । जिसमें संस्थापक सदस्य राजेश कुमार सिंगर उर्फ मिंटू को अध्यक्ष,डॉ.विद्या भूषण श्रीवास्तव को कार्यकारी अध्यक्ष,अनिलेश्वर माधव उर्फ टुन्ना जी एवं कमल किशोर सहाय को उपाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया वहीं अजय कुमार सहाय को महासचिव।

जंगल सफारी बंद के बावजूद पर्यटकों से गुलजार रहता है वाल्मीकिनगर पर्यटक स्थल

बगहा। वीटीआर परिक्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से देसी विदेशी सैलानियों के लिए एक आकर्षक डिस्टिनेशन बना हुआ है। यहां प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में पर्यटक पहुंच रहे है। इन्हें जल,जंगल और पहाड़ की खूबसूरती खूब भा रही है बतादें, छुट्टियां मनाने के लिए पर्यटक शनिवार से ही वाल्मीकिनगर पहुंचने लगते हैं। पर्यटक सबसे पहले माता नरदेवी का दर्शन करते हैं। मंदिर के मुख्य द्वार पर रविवार की सुबह शैक्षणिक भ्रमण पर आने वाले छात्र-छात्राओं सहित सरकारी कार्यालय में कार्यरत कर्मियों के भीड़ से मेला जैसा माहौल बना हुआ रहता है।बताते चलें कि जंगल सफारी मानसून सत्र में अक्टूबर नवंबर तक के लिए बंद कर दिया गया है,बावजूद इसके पर्यटकों से वीटीआर का पर्यटन डिस्टिनेशन गुलजार रहता है। वाल्मीकिनगर भ्रमण पर आने वाले गोरखपुर के शुक्ला परिवार एवं मुजफ्फरपुर से आए उमेश कुमार निषाद,उषा निषाद एवं मनीष कुमार निषाद ने बताया कि इस मानसूनी मौसम में ऐसी जगह पर आने के बाद मन को शांति और दिल को सुकून मिलता है। वाल्मीकिनगर के बारे में हमलोग सुना करते थे। लेकिन जंगल सफारी नहीं कर पाना हमारे लिए अफसोस का विषय है। हमें नहीं पता था कि पर्यटन सत्र की समाप्ति के बाद जंगल सफारी की सेवा भी बंद हो जाती है। इसके लिए हम आगामी फरवरी महीने में वाल्मीकिनगर फिर से जरूर आएंगे।

मानसून की पहली बरसात में गोरखपुर बगहा एनएच 727 मुख्य सड़क मार्ग तालाब में हुआ तब्दील

यात्रियों के जान जोखिम में डालकर चालक वाहन चलाने पर मजबूर

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। मानसून की पहली बरसात में ही गोरखपुर बगहा को जोड़ने वाली मुख्य सड़क एनएच 727 तालाब में तब्दील हो गई है। नतीजतन दैनिक यात्रियों समेत इस रूट से बगहा और गोरखपुर जाने वाले वाहन सवार चालकों और यात्रियों की जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूरी है । दरअसल एनएच 727 पर मदनपुर पनियहवा के बीच तकरीबन 7 किलोमीटर तक सड़क निर्माण वर्षों से अधूरा है एक तो वीटीआर प्रशासन की अड़ंगा तो वहीं एनएच की अनदेखी के कारण यह सड़क निर्माण की बाट जोह रहा है। हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले साल सड़क मार्ग से यात्रा के दौरान इसपर वैकल्पिक सड़क बनाने का निर्देश भी दिया है,बावजूद इसके प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मदनपुर देवी स्थान में पूजा अर्चना करने और वाल्मीकि टाइगर रिजर्व भ्रमण करने यूपी और नेपाल समेत बिहार के कई हिस्सों से आने जाने वाले श्रद्धालुओं और सैलानियों को खासा परेशानी होती है। तो वहीं ओवर लोड वाहनों को भी गड्ढे और पानी के बीच फस जाने पर ट्रैफिक जाम की समस्याओं से जूझना पड़ता है। बताया जा रहा है की उतर प्रदेश और नेपाल समेत बिहार को जोड़ने वाली इस सड़क में गड्ढों का कलंक आपको छह से सात किमी की राह में 60 जगह गड्ढे हैं,जो गिने और नापे हुए हैं। ये गड्ढे छह किमी की राह के काली सड़क के बदले कलंक हैं। यह सड़क उत्तर प्रदेश और बिहार के साथ साथ वाल्मीकिनगर व नेपाल को जोड़ने के लिए प्रमुख मार्ग है। लेकिन बगहा के मदनपुर पनियहवा के बीच मुख्य सड़क की बदहाली सिस्टम पर कालिख जैसा है।

मुहर्रम जुलूस को कारण बताकर ठप की बिजली आपूति, पानी के लिए तरसते दिखे लोग

प्रात : किरण संवाददाता

नगरा सारण। मुहर्रम जुलूस के चलते प्रखंड के अलग-अलग मोहल्लों के तकरीबन 20 हजार घरों की बिजली शनिवार रात्रि एवं रविवार दोपहर से बिजली देर शाम तक गुल रही। बिजली कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि ऊंचे ताजिये के तार में छूने का खतरा होने के चलते सुरक्षा के मद्देनजर विद्युत आपूर्ति बंद की गयी थी। शनिवार की रात प्रखंड से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक कई जुलूस निकाले गये, इनमें कई ताजिये की ऊंचाई काफी थी। इतने ऊंचे ताजिये होने के कारण बिजली विभाग ने हादसा रोकने के लिए पहले ही प्रखंड के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित कर दी थी। बिजली नहीं होने से पानी के लिए लोग काफी परेशान दिखे। इस दौरान सबसे ज्यादा परेशानी मुख्य रूप से नगरा चौक, नगरा बाजार,पटेढा रोड, कादीपुर, नगरा मोहल्ला, नगरा खैरा रोड आदि इलाकों में रही, जहां जुलूस को लेकर सुरक्षा के मद्देनजर विद्युत सप्लाई बंद की गयी थी। इसके बाद सबसे ज्यादा ताजिया निकलने से नगरा क्षेत्र और खैरा थाना क्षेत्र में परेशानी रही। भीषण गमी से बचने को ले ग्रामीण इधर-उधर भटकते रहे तो कोइ हाथ पंख के सहारे तो कई छत पर समय गुजारने को विवश बने रहे।

शहादत की याद और इंसानियत का संदेश देता है मोहर्रम का मातमी जुलूस

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। इस्लामिक नववर्ष के पहले महीने मोहर्रम की 10वीं तारीख (यौमे आशूरा) के अवसर पर शनिवार को शहर में शिया समुदाय द्वारा पारंपरिक ताजिया का मातमी जुलूस निकाला गया। यह जुलूस करबला में इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत की याद में निकाला जाता है, जो अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, सत्य और इंसानियत की रक्षा का प्रतीक माना जाता है। शहर के दहियावां स्थित करबला से प्रारंभ हुआ यह मातमी जुलूस मोहम्मद चौक, नारायण चौक, थाना चौक, करीमचक, खनुआ आदि मार्गों से गुजरते हुए पुनः करबला पहुंचा, जहां मुस्लिम परंपराओं के अनुसार ताजिया को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जुलूस में बड़ी संख्या में शिया समुदाय के श्रद्धालु शामिल हुए, जिन्होंने ह्लया हुसैनह्व की सदा के साथ मातम किया, नौहे पढ़े और अलम उठाकर अपनी श्रद्धा अर्पित की। ताजिया, इमाम हुसैन की दरगाह का प्रतीकात्मक स्वरूप होता है, जिसे कलाकार विशेष आकर्षक रूप में तैयार करते हैं। श्रद्धालु पूरे श्रद्धा भाव से ताजिया को अपने कंधों पर उठाकर गली-गली से गुजारते हैं। इस दौरान शहर में गमगीन माहौल व्याप्त रहता है, और लोग इमाम हुसैन की कुबार्नी को याद कर भाव-विह्वल हो जाते हैं। मोहर्रम का यह मातमी जुलूस न केवल धार्मिक परंपरा का निर्वहन है, बल्कि यह एक सामाजिक-सांस्कृतिक संदेश भी देता है। यह भारत की गंगा-जमुनी तहजीब का सजीव उदाहरण है, जहां विभिन्न समुदायों के लोग मिलकर सहयोग करते हैं और मानवता, भाईचारे व सहिष्णुता का संदेश देते हैं। इस जुलूस का मुख्य उद्देश्य करबला की उस ऐतिहासिक घटना को याद करना है, जिसमें इमाम हुसैन ने अत्याचार और अन्याय के खिलाफ अपनी जान देकर भी झुकने से इनकार किया। यह जुलूस समाज को यह सिखाता है कि सत्य, न्याय और धर्म की रक्षा के लिए सब्र, बलिदान और हिम्मत आवश्यक हैं।

विश्व हिंदू परिषद ने मंदिरों में चलाया सफाई अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद धर्म प्रसार जिला प्रमुख अरुण पुरोहित ने विभिन्न मंदिरों में सामूहिक सफाई अभियान चलाया। श्रावण मास में सभी मंदिरों में भक्तों की संख्या अधिक होती है इसको ध्यान में रखते हुए विशेष सफाई अभियान मां कामाख्या देवी मंदिर सलेमपुर पोखरा दर्शन नगर से प्रारंभ किया गया। सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर सांडा ढाला मंदिर सफाई कर संपन्न हुआ। अरुण पुरोहित धर्म प्रचारक ने समस्त सनातन धर्मावलंबियों से आग्रह किया कि गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आप भी अपने घर के आसपास के मंदिर में सामूहिक सफाईअभियान चलाएं। विश्व हिंदू परिषद लगातार इस अभियान को जारी रखेगा। स्वच्छता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा स्वच्छता में ही भगवान का वास होता है। मंदिरों को साफ सुथरा रखना भी पूजा है। बहुत जल्द ही सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर सांडा ढाला का होगा जिर्णोद्धार। इस अवसर पर अजय कुमार गुप्ता, चंद्र मोहन प्रसाद ,स्वामी नाथ, प्रेम कुमार विकास कुमार भोला जी, संजय पुरोहित,राजेश गुप्ता, अजय कुमार सिंह पूर्व बजरंग दल ,राजकुमार सिंह, राजेश डाबर, लायंस सुधाकर प्रसाद विकी ,राजू गुप्ता, रमेश मिश्रा लायंस प्रवीण कुमार, मंदिर के पुजारी शहीद दर्जनों लोगों ने कर सेवा के द्वारा सफाई अभियान में सम्मिलित हुए अरुण पुरोहित ने स्वच्छता के प्रति सबों को शपथ दिलाई हम सभी प्लास्टिक का उपयोग नही करेंगे और दूसरे को नहीं करने के जागरूक करेंगे

नाकाब पोश अपराधियों ने हार्डवेयर व्यवसायी पर 8 माह के अंदर दूसरी बार चलाई गोली, बाल बाल बचे

एकमा। मांझी बरौली पथ के हंसराजपुर राम-जानकी मन्दिर के समीप शिवांगी ट्रेडर्स के संचालक स्वर्गीय नागेश्वर सिंह के पुत्र शेखर सिंह पर नकाबपोश अपराधियों ने सुबह के 8:30 बजे दो गोली फायर कर आसानी से फरार हो गए । दुकान के संचालक बाल बाल बच गए। लेकिन दुकान के संचालक सहित व्यवसायी यो में भय का माहौल व्याप्त है। घटना कि जानकारी मिलते ही एसडीपीओ राजकुमार एवं थाना अध्यक्ष उदय कुमार ने दल बल के साथ पहुंचकर जांच पड़ताल करते हुए दुकान के संचालक से गहन पूछताछ किया। इसके पश्चात आस पास लगी सीसी कैमरे का फुटेज खंगाल रही हैं पुलिस। इस संबंध में दुकान के संचालक शेखर सिंह ने बताया कि हम सुबह 8:30 बजे अपनी दुकान खोलकर साफ-सफाई कर कुर्सी पर बैठे हुए थे। इसी दौरान उत्तर दिशा से हथियार से लैस नकाबपोश दो अपराधी एक बाइक पर सवार होकर आए और अंधाधुंध दो गोली फायर करते हुए दक्षिण दिशा होते हुए पश्चिम की नहर सड़क कि ओर भाग गए । बाइक चला रहा अपराधी हेमलेट लगाया हुआ था । वही पीछे बैठा अपराधी मुंह बांधे हुए था मुंह पीछे बैठा अपराधी अपनी मुंह बांधे हुए था । ओर मुझ पर दो गोलियां फायर कर दिया लेकिन दोनों गोली मुझे लगी नहीं और अपराधी नहर सड़क पड़कर भृगु प्रभा विद्यालय होते हुए पश्चिम दिशा की ओर फरार हो गए । हेमलेट पहने अपराधी ने भिगु प्रभा विद्यालय के समीप नहर पानी अपनी हेमलेट निकाल कर पानी में फेंक कर उसी रास्ते से पश्चिम दिशा कि ओर निकल पड़े । घटना स्थल से पुलिस ने एक गोली का खोखा बरामद किया पुलिस ने दुकान के आसपास लगी सीसी कैमरे कि फुटेज खंगाल रही है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि जल्द ही अपराधियों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आठ माह के अंदर दूसरी बार घटना को लेकर लोगों में चर्चा का विषय।

पूर्व केंद्रीय मंत्री व समाजवादी नेता स्व. रामबहादुर सिंह के भगिना मानवेंद्र सिंह भाजपा में शामिल

- मांझी पश्चिमी मंडल के नचाप में भाजपा की बूथ सशक्तिकरण बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

एकमा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत एकमा विधानसभा क्षेत्र के मांझी पश्चिमी मंडल अंतर्गत रिद्धि सिद्धि सेंट्रल स्कूल नचाप में मंडलीय बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष आदित्य कुमार दुबे ने की। जबकि संचालन विभूति नारायण तिवारी ने किया। बैठक के प्रभारी भाजपा जिला उपाध्यक्ष चैतेंद्रनाथ सिंह ने कहा कि हर बूथ को मजबूत बनाना ही पार्टी का मुख्य लक्ष्य है और इसके लिए सभी कार्यकताओं को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए रणनीति साझा की। इस अवसर पर एकमा विधानसभा के संयोजक बलवंत सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह, भाजपा नेता जितेंद्र मिश्रा, चंद्रशेखर सिंह, पूर्व मुखिया शंभु प्रसाद, मजेश पाठक, शैलेश प्रसाद, शशि रंजन सिंह, वीरेश कुमार मिश्रा, निरोज सिंह, संतोष राम, सुरेंद्र सिंह, अजय मांझी, धन्नजय सिंह, आलोक कुमार सिंह, पंकज कुमार सिंह, वैभव तिवारी, शिवनाथ बिंद, मंटू सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के दौरान भाजपा की नीतियों और कार्यशैली से प्रभावित होकर कुमार मानवेंद्र सिंह राहुल ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उन्हें पार्टी का प्रतीक चिह्न (पट्टा) पहनाकर भाजपा जिला उपाध्यक्ष चैतन्य नाथ सिंह, विधानसभा संयोजक बलवंत सिंह और पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह ने पार्टी में शामिल कराया। मानवेंद्र सिंह का परिवार राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़ा रहा है और वे पूर्व केंद्रीय मंत्री व समाजवादी नेता स्व. रामबहादुर सिंह के भगिना भी हैं। उनके भाजपा में शामिल होने से पार्टी को एकमा विधानसभा क्षेत्र में मजबूती मिलने की उम्मीद जताई गई है।

शहीदे आजम हुसैन ने अपने 72 साथियों के साथ कुबार्नी दी,पर सत्य का दामन नही छोड़ा

बनियापुर ।बनियापुर,सहाजितपुर थाना क्षेत्र मे इमामे हुसैन की शहादत योमे आसुरा (मोहर्रम)शांति सद्भावपूर्ण माहौल मे सम्पन्न हों गया,जहा पूरे क्षेत्र मे सभी गावों मे चुस्त दरुस्त प्रशासनिक व्यवस्था मे दिशा निर्देश के आलोक मे पर्व मनाया गया ।बनियापुर ,पैगम्बरपुर सहाजितपुर मनोपाली सर्मी धनगररहा डूंगूरपट्टी चेतन छपरा मिस्कारी टोला तवकल टोला हरपुर नेमत टोला सतुआ आदि संभी गावों मे पारम्परिक तौर पर अपने रूट के अनुसार ताजिया का जुलुस निकाल कर आखरा तक लाया गया ।वही इमामे हुसैन (र) की शहादत को पूरे दुनिया मे असत्य पर सत्य की विजय बताया गया, शहीदे आजम हजरत इमामे हुसैन ने अपने 72 साथियो के साथ मैदाने करबाला मे यजीद कै 22 हजार फौजे से लड़ाई लर कर शहादत मंजूर किया पर यजीद जैसे भ्रष्ट के सामने वैयत नही की ।मौके पर अकीदतमन्दो ने शांतिपूर्ण जुलुस के साथ बनियापुर, बड़ा चौक पैगबरपुर पर बारह गाव के आकर्षक ताजिया,सिफल आखरा मे पहुंचा था, जहा भारी संख्या मे धर्मावलम्बी महिला पुरुष बच्चे पहुंच मेला मे खरीदारी किया ।जहा बहुत बड़ी आखरा मे अलग अलग गांवो के खिलाड़ियों ने अपना खेल का प्रदर्शन किया ।वही जद यु जिलाध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू ने मौके पर कहा कि इमाम हुसैन ने करबाला के मैदान मे सत्य के लिए अपना सर्वस्व कुमार अपनी कुबार्नी दी,मैने जिले भर के मुसलमानो से अमन शांति और मजहबे इस्लाम के अनुरूप मुहर्रम शरीफ मनाए ।मौके पैगम्बरपुर मे बारह गाव की ताजिया पहुंची शांतिपूर्वक मुहर्रम मनाया गया।

याचिका समिति के अध्यक्ष ने विश्वविद्यालय अधिनियम संबंधी अनुरोध पत्र सौंपा महामहिम सह कुलाधिपति को

छपर सदर। बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम के आलोक में विश्वविद्यालय के लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक स्वरूप को प्रभावी एवं पारदर्शी बनाये जाने के संबंध में बिहार विधान परिषद के सदस्य सह याचिका समिति अध्यक्ष डॉ संजीव कुमार सिंह ने महामहिम राज्यपाल सह कुलाधिपति को अनुरोध सौंपा है। उन्होंने अपने अनुरोध पत्र के माध्यम से महामहिम से निवेदन किया है कि विश्वविद्यालय के सुगम संचावन हेतु बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानों के अधीन सीनेट सभा तथा सिंडीकेट सभा के साथ-साथ अन्य कई महत्वपूर्ण अधिनियमित एवं परिनियमित समितियों की बैठक से संबंधित कार्यवाही का ऑफलाइन अंकण तो होता है लेकिन वर्तमान अत्याधुनिक तकनीक काल में पूरे कार्यवाही का डिजिटल रिकार्डिंग नहीं कराये जाने से कोई प्रामाणिकता तथा पारदर्शिता नहीं रह जाती है। अक्सर सभा / समितियों के सदस्यों द्वारा छात्रहित, शिक्षक -शिक्षकेतर हित अथवा संस्थाहित में उठाये गये प्रश्नों / सुझावों को विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जानबूझकर नहीं किया जाता है जो सर्वया अनुचित है। उन्होंने लिखा है कि कार्यवाही का अंकन सही रूप से नहीं किया जाना अथवा कार्यवाही पुस्तिका में छेड़-छाड़ किया जाना गैर जमानतीय अपराध की श्रेणी में आता है। अतः ऐसी स्थिति में अधिनियमित-परिनियमित सभा । समितियों की बैठक की डिजिटल रेकॉर्डिंग एवम ऑडियो वीडियो सिस्टम से कराये जाने हेतु एक सुस्पष्ट निर्देश सभी विश्वः विद्यालयों को दिया जाना अपेक्षित है। इसके साथ ही आपके(महामहिम) संज्ञान में यह लाया जाना उचित प्रतीत होता है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों और इसके क्रियान्वयन / अनुश्रवण हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर किन्हीं सक्षम प्राध्यापक को निर्देशक शैक्षणिक तथा स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रमों के विकास, कार्यान्वयन एवं प्रबन्धन हेतु निदेशक स्व वित्तपोषित पाठ्यक्रम के पद पर प्रयोगात्मक रूप से प्रतिनियुक्त करने की कृपा की जाए।

फुलेरा काली स्थान पर आयोजित अखंड अष्टयाम में शामिल हुए विधायक श्रीकांत यादव, सर्व समाज के सुख-शांति व समृद्धि की कामना की

प्रात : किरण संवाददाता

एकमा। प्रखंड क्षेत्र के सेन्दुआर गांव स्थित फुलेरा काली स्थान पर आयोजित 24 घंटे के अखंड अष्टयाम का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान के कार्यक्रम में एकमा विधायक श्रीकांत यादव ने शिरकत की। धार्मिक वातावरण में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में विधायक ने पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर राजद नेता सुभाष यादव, अवधेश यादव, जितेंद्र यादव, अहमद अली नेताजी, जाकिर अंसारी, अनिल कुमार, जगमोहन प्रसाद, मनोज कुमार प्रसाद, अनिल यादव समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजकों ने विधायक श्रीकांत यादव का गर्मजोशी से स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में विधायक श्रीकांत यादव ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। इससे लोगों को अपनी परंपराओं से जुड़ने और आध्यात्मिक शांति प्राप्त करने का अवसर मिलता है। इस पूरे धार्मिक अनुष्ठान के कार्यक्रम के सफल आयोजन में क्षेत्र के लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। इस प्रकार श्रद्धा व भक्ति के माहौल में अखंड अष्टयाम का समापन हुआ।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव समापन पर सनातन महाकुंभ में शामिल हुए मंत्री डॉ. प्रेम कुमार

पटना हवाई अडडे पर जगतगुरू रामभद्राचार्य जी व बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री का किया स्वागत

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी।पटना स्थित ऐतिहासिक गांधी मैदान में श्री राम कर्मभूमि न्यास एवं अखिल विश्व परशुराम महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव समापन समारोह एवं सनातन महाकुंभ कार्यक्रम में बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ० प्रेम कुमार ने भाग लिया है। इसके साथ ही उन्होंने जगतगुरु रामभद्राचार्य जी महाराज का आशीर्वाद लिया एवं बिहार की पावन धरा पर बागेश्वरधाम पीठ के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी का पटना हवाई अड्डे पर स्वागत अभिनंदन किया है।

इस आयोजन के सफलता के लिए पूर्व मंत्री भारत सरकार संस्थापक न्यासी,श्री राम कर्मभूमि न्यास कार्यक्रम संरक्षक अश्विनी कुमार चौबे जी को बधाई दी है। मंत्री डॉ० प्रेम कुमार ने अपने संदेश में कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से सनातन संस्कृति, भारतीय जीवन मूल्यों एवं शाश्वत विचारधाराओं का प्रचार-प्रसार होता है। यह महाकुंभ भारतीय संस्कृति की उस अद्भुत मिशाल को प्रस्तुत करता है, जो भौतिकता की दौड़ में लगे विश्व को शास्त्र और शस्त्र, दोनों के संतुलन का संदेश देता है।

मंत्री ने कहा कि आज जब दुनिया आर्थिक व सामरिक शक्ति के प्रदर्शन में लगी है, भारत एक ऐसी सांस्कृतिक और बौद्धिक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है जिसने अपने ज्ञान, विज्ञान, अर्थशास्त्र, गणित, चिकित्सा, व्याकरण और कला से पूरे विश्व को समृद्ध किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री भारत की सांस्कृतिक धरोहर को विश्वपटल पर पुनर्स्थापित करने के कार्य में निरंतर प्रयासरत हैं।

डॉ० प्रेम कुमार ने कहा कि भगवान परशुराम सामाजिक समरसता, शक्ति और सेवा के प्रतीक हैं। आज का यह महाकुंभ एक ऐसा मंच है, जो विश्व में शांति, समरसता और परहित के मूल्यों को बढ़ावा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने ह्लवसुधैव कुटुंबकम्ह्व, ह्लसर्वे भवन्तु सुखिनःह्व, ह्लनर में नारायणह्व जैसे सनातन सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर बल दिया है।

उन्होंने कहा कि भारत कभी भोगवादी नहीं रहा बल्कि त्याग, तपस्या, सेवा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का ध्वजवाहक रहा है। हम संकट की हर घड़ी–चाहे कोविड हो, युद्ध, भूकंप या बाढ़–हर जगह मानवता के साथ खड़े रहे हैं, और आगे भी रहेंगे।इस कार्यक्रम के समापन पर मंत्री ने आयोजन समिति, संतजनों एवं श्रद्धालुओं को धन्यवाद एवं साधुवाद देते हुए इस प्रयास को भारतीय संस्कृति की गौरवगाथा का जीवंत उदाहरण बताया।

कोईलवर में मुहर्रम के अवसर पर निकाला गया ताजिया जुलूस

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। रविवार को मुहर्रम के अवसर पर कोईलवर नगर पंचायत क्षेत्र में धार्मिक आस्था और भाईचारे का प्रतीक ताजिया जुलूस निकाला गया। यह जुलूस पूरे क्षेत्र में अमन-चैन और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। जुलूस को लेकर स्थानीय प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इस बार मुहर्रम के मौके पर दो अलग-अलग ताजिया जुलूस निकाले गए। पहला जुलूस मियां चौक कोइलवर से जबकि दूसरा सुरौंधा कॉलोनी कोइलवर से प्रारंभ हुआ। दोनों जुलूस नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों से होकर गुजरे।

मियां चौक से निकले जुलूस ने कपिलदेव चौक, थाना चौक और मुख्य बाजार होते हुए पुनः मियां चौक पर जाकर ताजिया का पहलाम किया।

वहीं सुरौंधा कॉलोनी से प्रारंभ हुआ जुलूस भी निर्धारित मार्गों से होता हुआ वापसी में उसी स्थान पर समाप्त हुआ। पूरे जुलूस के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तमचंद्र, अपर थानाध्यक्ष सुभाष मंडल स्वयं अपने दल-बल के साथ मुस्तैद रहे। पुलिस बल की तैनाती प्रमुख चौक-चौराहों, मार्गों और संवेदनशील स्थलों पर की गई थी ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। जुलूस में शामिल ताजिया कमेटी के सदस्य पारंपरिक लिबास में थे और उनके हाथों में धार्मिक झंडे के साथ-साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भी लहरा रहा था। इससे यह संदेश दिया गया कि मजहब से ऊपर देश की एकता और अखंडता सर्वोपरि है।

कर्बला के शहीदों के नाम ताज़िया का मातमी जुलूस

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। मुहर्रम की 10 तारीख है, यानि यौमे आशूरा का दिन है। आज कर्बला के शहीदों के नाम ताज़िया का मातमी जुलूस आरा शहर में सुबह 9 बजे, महादेवा महाजन टोली नं1 स्थित डिप्टी शेर अली के इमामबाड़ा से स्व अहमद हुसैन की तरफ से शहर में निकाला गया। यह जुलूस महादेवा रोड, धर्मन चौक, टाउन थाना, नाला मोड़, पुरानी पुलीस लाइन होते हुए छोटी कर्बला मौला बाग में जाकर समाप्त हुआ। यह जुलूस निकलने की परम्परा लगभग 200 वर्ष पुरानी है। इसमें कर्बला मे हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत को याद करके नौहा पढ़ा जाता है और मातम किया जाता है। शिया समाज के लोग विशेषकर काला वस्त्र पहनकर इस शोकपूर्ण घटना की याद में मातम, नौहा करते हुए शोक मनाते है।सभी समुदाय के लोग भी इस शोकपूर्ण घटना की याद में जुलूस के साथ शामिल रहते हुए अपना भरपूर सहयोग करते हैं। इस जुलूस मे सैयद वारिस बिलग्रामी, सैयद रेयाज हुसैन, सैयद अली हुसैन, सैयद हसनैन, सैयद नासिर हुसैन ने नौहा पढ़ा। सैयद रेयाज हुसैन ने नौहा पढ़ा जिसकी पंक्तियाँ इस प्रकार हैं:-

जुलूस में मौलाना अलमदार हुसैन, सैयद आबिद बिलग्रामी, सैयद काज़िम हुसैन, प्रोफ्ट सैयद एजाज हुसैन, मौलाना हसन अब्बास, सैयद आबिद हुसैन, सैयद अकील हैदर, कमर बिलग्रामी, शादाब हुसैन, नासिर हसन, सैयद यावर हुसैन, सैयद अबरार हैदर, कमर हैदर, गुड्डु अंसारी, लड्डन अंसारी, आदि अन्य लोग शामिल थे। जुलूस में ह्लसर्व-धर्म हुसैनी एकता समाजह्व की तरफ से ओम प्रकाश ह्लमुन्नाह्व, महफूजआलम, वीर बहादुर आदि का इसके संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रशासन की ओर से जुलूस की देख रेख में अच्छी व्यवस्था रखी गई। मिडिया कर्मी बन्धुओं द्वारा इसकी लाईव कवरिंग लगातार की गई, जो कि प्रशंसनीय है।

रक्सौल में जल की विकट समस्या, पानी की किल्लत

उठ रहा बिजली बिल, मिल रहा चौतरफा मार

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। रक्सौल में पानी के लिए हाहाकार मच गया है, लोग काफी परेशान हो गए हैं। शहरी क्षेत्र में भू-जल स्तर काफी नीचे चला गया है, कई चापाकल कल सुख गए हैं तो कई नलकूप बंद पड़े हैं। दिन भर मोटर चलाने के बावजूद पानी नहीं निकल रहा है, यदि निकला भी तो आधे घंटा में मुश्किल से एक बाल्टी, रात में थोड़ी-बहुत पानी निकल रहा है। पैसे वाले लोग 60 से 80 हजार से अधिक की लागत से समरसेबुल लगा रहें हैं, इस स्थिति में आम लोग काफी बेचैन है, अब ऐसे में शहर में हाहाकार मचा हुआ है। वही मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना नल-जल की स्थिति काफी जर्जर है। अब ऐसे में जब लोगों के सामने गंभीर जल समस्या है तो इस स्थिति में नल-जल योजना को आम आदमी तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक हो गया है, ताकि लोग इस समस्या से थोड़ा बच सकें। गौरतलब है कि एक तो जल समस्या और दूसरी तरफ पानी के लिए ज्यादा मोटर चलाने के कारण विद्युत बिल राशि काफी अधिक आ रहा है। इस दो-तरफा मार से आम जनजीवन काफी परेशान हैं।

डीसी ने कार्यालय परिसर में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया

आरा। जिलाधिकारी भोजपुर तनय सुल्तानिया द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 के अंतर्गत कोईलवर प्रखंड कार्यालय परिसर में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया। इसके उपरांत उन्होंने कायम नगर मध्य विद्यालय स्थित मतदान केंद्रों का भी निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सभी बीएलओ एवं संबंधित पदाधिकारियों को बीएलओ के साथ अधिकतम संख्या में वॉलंटियर्स को टैग कर घर-घर जाकर गणना प्रपत्र) का वितरण एवं संग्रहण शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने का निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्थानीय नागरिकों से भी बातचीत की एवं विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में फीडबैक लिया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, बीपीआरओ सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

समाज की जड़ताओं पर करारा प्रहार करनेवाले महान समाज सुधारक का नाम है बाबू जगजीवन राम

गया जी।बाबू जगजीवन राम एक ऐसे महान समाज सुधारक, स्वतंत्रता सेनानी एवं राजनेता का नाम है जिन्होंने आजादी के पहले और बाद में भारतीय समाज के शोषित, दलित एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है। बाबूजी ने छुआछूत और जातिवाद के खिलाफ उल्लेखनीय कार्य किया। वे मानते थे कि इंसान इंसान के बीच भेदभाव नहीं, बल्कि हर किसी को बराबरी का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने न केवल सामाजिक भेदभाव को खत्म करने की दिशा में कार्य किया, बल्कि कृषि मंत्री रहते हुए भारत में हरित क्रांति को आगे बढ़ाया ताकि देश अन्न उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बन सके। यह बातें जगजीवन महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो.(डॉ.) सत्येंद्र प्रजापति ने बाबू जगजीवन राम की 39 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर कही है।

प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) सत्येंद्र प्रजापति के निर्देश पर जगजीवन महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें हिंदी विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार ने कहा कि बाबू जगजीवन राम एक ऐसे जुझारू व्यक्ति थे जिन्होंने जीवन की विषमताओं को झेलते हुए शिक्षा प्राप्त की। बाबूजी भारत के पहले कैबिनेट में मंत्री तो थे ही, साथ ही कई अन्य अहम मंत्रालयों जैसे- रक्षा, कृषि, रेलवे, श्रम आदि का कुशल नेतृत्व भी किया। उनका प्रसिद्ध वाक्य--जाति जन्म से नहीं कर्म से होती है, समाज की जड़ताओं पर करारा प्रहार है। जगजीवन महाविद्यालय, गया में बाबू जगजीवन राम के चित्र पर माल्यार्पण एवं कार्यक्रम के अवसर पर डॉ. रणधीर कुमार, सुमित कुमार सिंह, नीतीश कुमार, अबरार, राम अवतार दास, सुरेंद्र चौरसिया, बादामी आदि उपस्थित थे।

जन सुराज का सभा विफल,बिहार की जनता को ठगने का काम कर रहे प्रशांत किशोर : जितेंद्र पटेल

अरवल। शहर तेलपा में जन सुराज के द्वारा आयोजित सभा को विफल बताते हुए जनता दल यू के प्रदेश सचिव जितेंद्र पटेल ने कहा कि प्रशांत किशोर कभी नेता नहीं हो सकते हैं।वे जनता को दिग्भ्रमित करने का काम कर रहे हैं।बिहार की जनता जानती है कि बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में कितना काम हुआ है। प्रशांत किशोर एक व्यापारी है और बिहार के लोगों के साथ राजनीति नहीं बल्कि व्यापार करने आए हैं।चुनाव लड़ाने के नाम पर 25-25 हजार रुपए लोगों से लेकर ठगी कर रहे हैं। उन्हें बिहार की नहीं बल्कि व्यापार की चिंता है।जन सुराज एक राजनैतिक दल की तरह नहीं बल्कि एक कंपनी की तरह काम कर रही है। उसमें राजनैतिक कार्यकर्ता नहीं बल्कि कर्मचारी की संख्या ज्यादा है जो वेतन लेकर दुकान चला रहे हैं। जदयू नेता जितेंद्र पटेल ने कहा कि बिहार में सुशासन की सरकार है और फिर एक बार नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी। शहर तेलपा में आयोजित जन सुराज की सभा पर जदयू प्रदेश सचिव जितेंद्र पटेल ने कहा कि प्रशांत किशोर बिहार में अफसरशाही की बात करते और लेकिन खुद अपनी ही पार्टी में अफसरशाही चलते है। प्रशांत किशोर ने सभा में मंच पर बैठे नेताओं का संबोधन में नाम तक न लेकर अपने ही पार्टी के नेताओं का अपमान किया है। प्रशांत किशोर गलत बातों को बता कर सता पाना चाहते है लेकिन बिहार की जनता उनके झांसे में नहीं आने वाली है।बिहार के लोग विकास चाहते है और वह विकास सिर्फ एनडीए की सरकार ही के सकती है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी किसान के बिहार प्रदेश अध्यक्ष बने आशुतोष सिंह

गजरार गौरक्षणी वार्ड नंबर 13 सासाराम के रहने वाले आशुतोष सिंह को पुनः दुबारा बिहार प्रदेश अध्यक्ष किसान बनाए गये आशुतोष सिंह,राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी दिल्ली कार्यालय से राष्ट्रीय सचिव सह बिहार पर्यवेक्षक सच्चिदानंद सिंह ने पत्र जारी कर बताया कि गजरारह गौरक्षणी सासाराम के आशुतोष सिंह पुनः दोबारा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी किसान के बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनाए गये,यह पत्र दिल्ली कार्यालय से जारी किया गया है आशुतोष सिंह सासाराम विधानसभा क्षेत्र से 2020 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सिंबल चुनाव चिन्ह से चुनाव भी लड़ चुके हैं तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के रोहतास जिला अध्यक्ष भी रह चुके हैं साथ में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बिहार प्रदेश के उपाध्यक्ष के साथ-साथ बिहार प्रदेश मुख्य प्रवक्ता भी बनाए जा चुके हैं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी किसान के बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनने पर सासाराम रोहतास सहित पूरे बिहार के लोग राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता हर्ष व्यक्त किए हैं इस मौके पर नियुक्त किसान प्रदेश अध्यक्ष बिहार आशुतोष सिंह ने कहा कि जिस तरह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री सह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत पवार जी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सह राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल जी ने मुझ पर विश्वास करके किसान के प्रदेश अध्यक्ष बनाये है मैं बिहार में पार्टी को बहुत ही मजबूत करने का काम करूंगा मेरा मुख्य उद्देश्य आम जनता किसानों के हित में काम करना और किसानों के आवाज बनकर सरकार तक बात पहुंचाना है ।

कोइलवर में 95 दिव्यांगों एवं वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण मिला

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की दो प्रमुख योजनाओं एडीप तथा राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत एलिम्को के कोइलवर स्थित आसरा केंद्र द्वारा दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में पूर्व-चिन्हित 95 लाभार्थियों जिनमें दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण प्रदान किये गए। शिविर में आये 95 जरूरतमंदों को व्हीलचेयर,घुटना बैंड,कमर बेल्ट, कान की मशीन,सिल्कल गद्दा सहित अन्य सहायक उपकरण निःशुल्क वितरित किये गए। एलिम्को के उपनिर्देशक शिवम बहादुर सिंह ने बताया कि एलिम्को द्वारा उपलब्ध कराए उच्च गुणवत्ता वाले सहायक उपकरण लाभार्थियों के जीवन में आशाजनकई सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वही कार्यक्रम में पहुँचे मुख्य अतिथि भाजपा नेता राम दिनेश यादव ने कहा कि सहायक उपकरणों का वितरण न केवल सरकार की सबका साथ सबका विकास की भावना को साकार करता है,बल्कि सामाजिक समावेशन और सशक्तिकरण के मार्ग पर एक ठोस कदम भी है।

विश्व शांति के ध्वजवाहक हैं दलाई लामा: प्रोफेसर बलिराज ठाकुर

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। तिब्बत के आध्यात्मिक गुरू दलाई लामा के 90 वें जन्मदिन पर तिब्बत भारत मैत्री संघ भोजपुर के तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन कर दलाई लामा के दीर्घ जीवन की कामना की गई। उक्त अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता भोजपुर जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष व सिनेटर प्रोफेसर बलिराज ठाकुर ने की। मौके पर प्रेम करुणा और शांति विषय पर विचार विमर्श हुआ। विमर्श के केंद्र में दलाई लामा थे। अध्यक्षीय भाषण में प्रोफेसर बलिराज ठाकुर ने कहा कि अशांत विश्व के सामने विश्व शांति की बड़ी चुनौती खड़ी है। ऐसे में दलाई लामा के जीवन और उनके संदेश से शांति का रास्ता निकल सकता है। तिब्बत के आध्यात्मिक गुरू दलाई लामा विश्व शांति के ध्वजवाहक हैं। भोजपुरी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर दिवाकर पांडेय ने कहा कि दलाई लामा को शरण देकर भारत ने सराहनीय कदम उठाया था। कवि समीक्षक जितेंद्र कुमार ने ऐतिहासिक घटनाओं के संदर्भ में दलाई लामा की चर्चा करते हुए सारगर्भित भाषण दिया। संचालन करते हुए तिब्बत भारत मैत्री संघ भोजपुर के जिला अध्यक्ष श्री रामनाथ ठाकुर ने उनके संदेश के अधिक से अधिक प्रचार पर बल दिया। शिक्षक नेता शशिकांत तिवारी, कांग्रेस नेता प्रमोद राय, अधिवक्ता संजय सिंह,महेश्वर सिंह , राम प्रकाश सिंह और लाल बाबू सिंह सहित कई लोगों ने विमर्श में भाग लिया। यशवंत सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

बिहार कुम्हार प्रजापति की बैठक में राजनीतिक भागीदारी पर बल, आगामी विधानसभा को ले तय की गई रणनीति

गयाजी। शहर के दांडीबाग स्थित प्रजापति धर्मशाला में रविवार को बिहार कुम्हार (प्रजापति) समिति के तत्वाधान में आम बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता समिति के जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार ने किया। बैठक में आगामी विधानसभा का चुनाव पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई। इस बैठक में एक स्वर में यह संकल्प लिया गया कि आगामी विधानसभा में प्रजापति समाज उस राजनीतिक पार्टी का समर्थन करेगा जो प्रजापति समाज के बेटा-बेटी को अपना उम्मीदवार बनाएगी। इसमें यह भी संकल्प लिया गया कि बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति के प्रदेश इकाई के मार्गदर्शन में आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में प्रजापति समाज को ही मतदान करेगा। बैठक में पूर्व अध्यक्ष नंदलाल पंडित, संरक्षक द्वारका प्रजापति, संगठन सचिव विपिन कुमार, उपाध्यक्ष बालामृत प्रजापति, धर्मेंद्र कुमार अटल, सूरज चंद्र पाल, रवासिस प्रजापति, सुरेंद्र कुमार सुमन, मोहन प्रसाद, विनोद आदि थे।

आईसीपी प्रबंधक प्रवीन कुमार का मणिपुर स्थानांतरण के उपरांत विदाई समारोह का आयोजन किया गया

प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। आईसीपी रक्सौल के सभागार में एक कार्यक्रम के बीच आईसीपी प्रबंधक प्रवीन कुमार का मणिपुर स्थानांतरण के उपरांत बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही नव आगन्तुक आईसीपी प्रबंधक कुमार राजीव रंजन का स्वागत किया गया। इस दौरान एसएसबी डीआईजी एस सुब्रमण्यम, एसएसबी कार्यवाहक कमांडेंट संजय रावत, डिप्टी कमांडेंट नवीन कुमार, सहायक कस्टम आयुक्त रामानन्द सिंह, नव पदस्थापित आईसीपी प्रबंधक कुमार राजीव रंजन ने आईसीपी प्रबंधक को अंग बस्त्र, बुके व मोमेंटो देकर स्वागत किया तथा उनके कृतित्व व व्यक्तित्व पर चर्चा की। वक्ताओं ने कहा की आईसीपी प्रबंधक प्रवीन कुमार ने उन्होंने सबके साथ आपसी समन्वय स्थापित कर पूरी निष्ठा व ईमानदारी पूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन किया ।उन्होंने आईसीपी के विकास में अहम योगदान दिया।

वक्ताओं ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर आईसीपी कंसल्टेंट प्रभात जाना, श्यामबाबू सिंह, अख्तर सैफी, ध्रुप सिंह, कुन्दन पांडेय, नारायण कुमार, ब्रजेश कुमार, प्रदीप कुमार दास, प्रकाश कुमार, धनंजय सिंह चंदेल सहित कई लोग मौजूद थे ।

एक साल के भीतर एक ही घर के दो बेटे और एक बहन बनी प्रोफेसर

प्रात: किरण संवाददाता

आरा।शहर के हाउसिंग कॉलोनी निवासी नंद जी राम और शकुंतला देवी की कहानी किसी मिसाल से कम नहीं है।दंपती ने कठिन समय में अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दी,जिसका परिणाम आज सामने आया है। ये आज हर किसी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है।दअरसल, खजुरिया निवासी और वर्तमान में हाउसिंग कॉलोनी में रहने वाले नंद जी राम और शकुंतला देवी ने अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने में कभी कोई कमी नहीं होने दी।आज उसका परिणाम है कि इनके दो पुत्र और एक पुत्री असिस्टेंट प्रोफेसर बन गई है। पहले बड़े पुत्र डॉ राकेश रंजन ने बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग द्वारा ली जा रही भौतिकी विषय में सफलता पाई।आज राकेश एसबी कॉलेज में कार्यरत है।वहीं उसके बाद बेटी सुषमा कुमारी ने रसायन शास्त्र विषय में सफलता हासिल की।सुषमा शहर के जगजीवन कॉलेज में पदस्थापित है। अब छोटे बेटे रविकांत कुमार ने हाल ही में जारी राजनीति विज्ञान के परिणाम में जगह बनाई है। रविकांत कुमार रंजन वर्तमान में महाराजा कॉलेज में राजनीति विज्ञान विषय में ही अतिथि शिक्षक है। अब वे स्थाई असिस्टेंट प्रोफेसर बन गए है। घर में एक साल के भीतर दो पुत्र और एक बेटी की सफलता और असिस्टेंट प्रोफेसर बनने से खुशी का माहौल है। गांव में भी इस परिवार की चर्चा हो रही है। मालूम हो नंद जी राम के चार पुत्र और तीन बेटियां है। बडी बेटी उषा कुमारी वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के भोजपुरी विभाग में ही अभी शोध कर रही है। जबकि बड़ा बेटा बिजनेस और एक बेटा इंजिनियर है।वहीं एक बेटी बेंगलुरु में एक बड़ी कंपनी में शादी के बाद जॉब करती है।अपने सभी बेटे और बेटियों की कामयाबी पर नंद जी राम ने कहा कि उन्होंने शिक्षा को ही हमेशा सर्वोपरी माना। बेटे और बेटियों में फर्क नहीं समझा और सभी को एक समान शिक्षा दी। आज सभी के सफल होने पर परिवार में खुशी का माहौल है। वहीं डॉ राकेश कुमार रंजन, डॉ रविकांत कुमार रंजन और बहन सुषमा ने बताया कि जिस विश्वविधालय से उन्होंने पढ़ाई की उसी विश्वविद्यालय में सहायक प्रध्यापक की नौकरी करना उनके लिए काफी गौरव की बात है। उन्होने कहा की उनका लक्ष्य समाज के हर वर्ग के बच्चो की शिक्षित करना है और इसके लिए वे निरंतर प्रयासरत रहेंगे ताकि सभी वर्ग के बच्चो को शिक्षित किया जा सके ।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, सोमवार, 07 जुलाई 2025

साफ सुथरा हो गयाजी अभियान के तहत सभी वार्डों की निकाली गई रैंकिंग

जनभागीदारी से हीं गयाजी को देश का सबसे स्वच्छ शहर संभव : नगर आयुक्त

प्रातः किरण संवाददाता

गयाजी। शहर की मूलभूत सुविधा एवं सफाई को सुदृढ़ करने के लिए नगर निगम गंभीर व प्रतिबद्ध है। यही कारण है कि नगर निगम शहर को सफाई व्यवस्था में अच्छे रैंक दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

इसी क्रम में सफाई को लेकर जून माह में सभी वार्डों की रैंकिंग निकाली गई है। रैंकिंग का उद्देश्य सभी वार्डों में लगे हुए सफाई कर्मी को जागरूक करना है ताकि जिन वार्डों में अच्छा कार्य हो रहा है, उन्हें प्रेरित किया जा सके एवं उनके कार्यों की सहराना हो सके। इसी उद्देश्य से 5 इंडिकेटर्स के माध्यम से इस माह रैंकिंग निकाली गई है। यह सभी इंडिकेटर्स डेटा बेस्ड है एवं इनकी संख्या स्पष्ट है।

यह 5 इंडिकेटर्स हैं

डोर टू डोर दफके माध्यम से कचरा कलेक्शन की स्थिति – जितना ज्यादा दफकोड स्कैन करके कचरा उठाव होगा, उतना ज्यादा अंक प्राप्त। सफाई कर्मियों की बायोमैट्रिक अटेंडेंस की स्थिति – बायोमैट्रिक अटेंडेंस के माध्यम से जितने ज्यादा वार्ड के कर्मी अटेंडेंस लगाएंगे, उतना ज्यादा अंक। वार्डों में कचरा डंप पॉइंट्स की संख्या – वार्डों के सड़कों पर जितने ज्यादा कचरा डंप पॉइंट्स, उतने कम अंक।आम जनों द्वारा प्राप्त स्वच्छ गया ऐप में दर्ज शिकायतों की संख्या – जितनी ज्यादा स्वच्छ गया ऐप एवं कॉल सेंटर में वार्ड से संबंधित आम नागरिकों द्वारा शिकायत प्राप्त होगी, उसके अनुसार कम अंक क्योंकि ये दशार्ता है कि वहां सफाई संतोष जनक नहीं है।वार्डों में स्वच्छता यूजर चार्ज देने वाले घरों की संख्या – वार्डों में घर एवं व्यावसायिक संस्थानों द्वारा यूजर चार्जेज देने का प्रतिशत, जितना ज्यादा प्रतिशत, उतना ज्यादा अंक। इस संबंध में नगर आयुक्त कुमार अनुराग ने बताया कि यह रैंकिंग हर माह निकलेगी एवं साल के अंत तक जो वार्ड इन पैरामीटर्स में अव्वल निकलेंगे, उस वार्ड के सफाई सुपरवाइजर,कर्मी, वार्ड पार्षद, एवं सफाई मित्रों को 26 जनवरी को पुरस्कृत किया जाएगा।

जून माह में वार्ड 09, 38, 07, 11, 31, 18, 19, 17, 37, 12 ने टॉप 10 में अपनी जगह बनाई है।

इसके साथ ही, रैंकिंग के पैरामीटर्स में और भी इंडिकेटर्स को समय के साथ जोड़ा जाएगा जैसे कि कितने वार्डों में असमय गंदगी फैलाने वालों को चिन्हित कर फाइन एवं पेनल्टी लगाया गया है इत्यादि।

स्वच्छ गया ऐप/ ˘८२६.ल्ल के माध्यम से जो शिकायत जनता के माध्यम से प्राप्त होती है, ये दशार्ता है कि वहां के लोग जागरूक हैं, इसलिए इस इंडिकेटर्स में अगले माह से बदलाव किया जाएगा एवं ये देखा जाएगा कि कितनी अधिक संख्यां में शिकायत प्राप्त हुई और कितने का ससमय अनुपालन करा दिया गया है। यह पूरा कार्य गया जी की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिया किया जा रहा है, पर ऐसा देखा जा रहा है कि कुछ व्यक्तियों द्वारा पोर्टल, ऐप एवं कॉल सेंटर पर निजी उद्देश्य से शिकायत दर्ज की जाती है। वैसे शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा एवं वैसे यूजर्स को चिन्हित किया जा रहा है जो शहर की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते है। नगर आयुक्त ने बताया कि सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने लिए वार्ड वार सफाई प्लान बनाया जा रहा है ताकि लक्ष्य के अनुसार काम भी हो सके और उसकी समीक्षा भी की जा सके। गया जी एक पर्यटक नगरी है जिसको साफ सुथरा रखना हम सभी का कर्तव्य है। अगर लोग जागरूक हो एवं गंदगी इधर उधर न फैलाएं, तो शहर की छवि और भी सुधरेगी।

अगर सफाई से संबंधित कोई शिकायत है जैसे कि घर से कचरा का उठाव नहीं हो रहा है इत्यादि तो उसे गया एस डब्लू एम पोर्टल या ऐप पर जरूर दर्ज करें ताकि इसकी निगरानी हो सके और कमी को दूर किया जा सके। आज भी, स्वच्छता सर्वेक्षण के अनुसार, पूरे बिहार राज्य में गया जी शहर नंबर 1 है और बाकी सभी शहरों से सफाई के मामले में अव्वल है। स्मार्ट सिटी न होने के बावजूद, बाकी सभी शहरों से ज्यादा अंक गया जी को प्राप्त हुए हैं। मगर, अब उद्देश्य नेशनल रैंकिंग में गया जी को अव्वल करने का है। जब तक लोग जागरूक नहीं होंगे, तब तक ये मुमकिन नहीं है।

सम्राट अशोक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि होंगे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंत्री डॉ सुनील कुमार कुशवाहा

प्रातः किरण संवाददाता

गया, बिहार । मानपुर स्थित कार्निवल होटल में प्रियदर्शी महान सम्राट अशोक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस गरिमामयी अवसर पर बिहार के लोकप्रिय उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं गया जिले के प्रभारी मंत्री एवं बिहार सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. सुनील कुमार कुशवाहा मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगे।यह आयोजन कुशवाहा समाज के गौरव और एकता का प्रतीक होगा। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में बिहार भर से हजारों की संख्या में कुशवाहा समाज के बंधुओं की उपस्थिति अपेक्षित है। आयोजन के माध्यम से समाज के सभी वर्गों से यह अपील की जा रही है कि वे बड़ी संख्या में पहुंचकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व को मजबूती देने का संकल्प लें।हाल के दिनों में कुछ राजनीतिक दलों विशेषकर राष्ट्रीय जनता दल राजद द्वारा कुशवाहा समाज को दिग्भ्रमित करने का प्रयास किया गया है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि राजद अब केवल एक परिवार की प्राइवेट लिमिटेड पार्टी बनकर रह गई है, जिसका उद्देश्य केवल एक व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाना रह गया है। यदि उनका कुशवाहा समाज के प्रति इतना ही प्रेम है, तो मुख्यमंत्री पद के लिए कुशवाहा समाज के किसी योग्य प्रतिनिधि का नाम आगे करें।समाज के सभी युवाओं, बुद्धिजीवियों और साथियों से विशेष अपील की जाती है कि वे किसी भी प्रकार के प्रलोभन, झूठे वादों , या बताशा के प्रलोभन या भ्रम में न आएं। 2005 के पहले का अराजक और पिछड़ा बिहार हम सबने देखा है-अब समय है एकता, विकास और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का है। कुशवाहा समाज की एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। आइए, 7 जुलाई को अपनी एकता और सम्मान का प्रदर्शन करें और बिहार के सुनहरे भविष्य के लिए एकजुट होकर संकल्प लें। जय बिहार जय नीतीश कुमार जय सम्राट चौधरी ठ.ऊअ.गठबन्धन जिंदाबाद ।

लोजपा रा पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान की 78वीं जयंती के अवसर पर अतरी विधानसभा के बथानी बाजार में धूमधाम से मनाया गया: जिलाअध्यक्ष

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी ।लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक पूर्व केंद्रीय मंत्री पद्म भूषण स्वर्गीय रामविलास पासवान की 78वीं जयंती पर पार्टी के गया जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह अपने तमाम साथियों के साथ अतरी विधानसभा क्षेत्र के बथानी प्रखंड के बथानी बाजार के निकट धर्म बीघा में स्थापित पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान ज की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण अर्पित किए। वहीं जिला अध्यक्ष ने कहा कि आज पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान की 78वीं जयंती के अवसर पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर उनकी जयंती धूमधाम से मना रहे हैं स्वर्गीय रामविलास पासवान जी गरीबो शोषितो वंचितो के मसीहा के नेता थे। उनकी जयंती गया जिला के सभी प्रखंडों में प्रखंड अध्यक्षों के द्वारा मनाई जा रही है। उनकी जयंती पर हम कोटि-कोटि नमन करते हैं और उनके बताए हुए मार्ग पर हम लोग चलने का संकल्प लेते हैं। इस मौके पार्टी के वरिष्ठ नेता रिंकी यादव राजेश यादव बैजनाथ चौधरी योगी पासवान राजू पासवान रंजीत कुमार इरफान खान एवं सभी प्रखंड अध्यक्ष एवं पदाधिकारी कार्यकर्ता साथी उपस्थित रहे हैं।

विपिन तिवारी की अध्यक्षता में ब्राह्मण सेना की हुई बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

गयाजी, बिहार : जिला कार्यालय गयाजी में कार्यकारिणी सदस्यों के संरक्षक विपिन तिवारी की अध्यक्षता में ब्राह्मण सेना की कार्यकारिणी सदस्यों की एक बैठक की गई है। इस बैठक में ब्राह्मण सेना की मजबूती से चहुंओर आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनीतिक जैसे क्षेत्रों में अपनी अच्छाइयों से पहचान के साथ साथ अच्छे समाज की निर्माण करते हुए मजबूत राष्ट्र निर्माण में भागीदारी को लेकर भी विशेष चर्चा की गई है।

गत बैठक की चर्चा करते हुए संगठन को विस्तार करने पर बल दिया गया है। संगठन के अध्यक्ष अजीत तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि हमें पारंपरिक रूप से धार्मिक अनुष्ठानों, यज्ञों, और शिक्षा के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त होती है। इसलिए हम जो भी करें वो समाज हित और देश हित में हो।

वहीं मनोज कुमार त्रिपाठी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम कुछ ऐसा करें कि सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन जाएं।ज्ञात हो कि संगठन का विस्तार करते हुए के डी पाण्डेय जी को संगठन का परामर्श दाता, मनोज त्रिपाठी जी को महामंत्री, धर्मेंद्र कुमार को सचिव तथा डॉ रामानुज महाराज को मीडिया प्रभारी का जिम्मेदारी सौंपा गया है।इस अवसर पर आनन्द प्रियदर्शी, मुरली तिवारी, डॉ आशुतोष तथा अन्य सभी संगठन के लोग उपस्थित रहे।

नगर निगम प्रशासन के अनदेखी से ब्रम्ह सरोवर शो की वस्तु : संजू साव

गया जिला तैलिक साहु सभा के अध्यक्ष संजू साव ने गया के दक्षिण छोर मे पर्यटन के बढावा के लिए लगे ब्रह्म सरोवर में लगे लाइटिंग सिस्टम और झरणा दोनो बंद होने और गया के यातयात व्यवस्था पर नगर निगम प्रशासन और यातयात प्रशासन से पुछे है की सिर्फ एक रोड पर जाम कि स्थिति क्यों नहीं और सभी जगह जाम की समस्या क्यो, नगर निगम प्रशासन और यातयात प्रशासन के द्वारा सिर्फ खानापूर्ति किया जा रहा है।गया शहर के लोगों के मुलभुत सुविधा नहीं दिया जा रहा है। ब्रह्म सरोवर सिर्फ अब देखने कि वस्तु बन गया है। सरकार के द्वारा इस सरोवर के लिए कितने रुपए खर्च किए गये थे। लेकिन आज तक जस का तस सिर्फ सो पीस बनी हुई है।

भाजपा ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती मनाई

अरवल। भाजपा जिला कार्यालय में जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म जयंती के पावन अवसर पर भारत की एकता एवं अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, महान शिक्षाविद जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती पर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में पुष्प अर्पित किया गया।इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने बताया की डॉ मुखर्जी भारत की एकता और अखंडता के लिए जम्मू कश्मीर में दो राष्ट्र,दो निशान,दो प्रधान,का प्रखर एवम् मुखर होकर विरोध किया था,एवम् देश के नागरिकों से आह्वान किया था की भारत देश में एक निशान ,एक प्रधान ही रहेगा। इसकी लड़ाई लड़ते-लड़ते डॉक्टर मुखर्जी अपने प्राणों को राष्ट्र के नाम आहुति दे दी। भारतीय जनता पार्टी उनके सपनों का भारत बनाकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। भारतीय जनता पार्टी देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपने देश भक्तों के सम्मान में कोई कमी कसर नहीं छोड़ना चाहती जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाकर डॉ मुखर्जी के सपनों को साकार किया गया ।यह कार्य देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में संभव हो पाया आज भारत का हर नागरिक जम्मू कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक भारत श्रेष्ठ भारत होने पर गौरवान्वित एवम् आह्लादित महसूस कर रही है।इस अवसर पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य भास्कर कुमार, जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र विश्वकर्मा नगर अध्यक्ष चंदन खत्री सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आज आएंगे डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी

सम्राट अशोक सम्मान समारोह कार्यक्रम में होंगे शामिल

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी ।आगामी 7 जुलाई को गया के मानपुर प्रखंड स्थित एक होटल सभागार में प्रियदर्शी सम्राट अशोक सामान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शामिल होंगे ।इस कार्यक्रम को लेकर भाजपा के जिला मंत्री सह बांकेबाजार प्रखंड के जिला परिषद सदस्य कौशल कुमार वर्मा एवं भाजपा नेता विनय कुशवाहा के साथ भाजपा के कई नेता लोग तैयारी में जुटे हैं ।7 जुलाई को आयोजित सम्मान समारोह को लेकर बीते कई दिनों से जिला परिषद सदस्य सह गुरुआ विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी के रूप में दावेदारी पेश कर रहे कौशल कुमार वर्मा के नेतृत्व में गया जिला ही नहीं बल्कि मगध क्षेत्र के कुशवाहा समाज के लोगों को आमंत्रित करने का काम किया जा रहा है। इस संबंध में जिला परिषद सदस्य कौशल वर्मा ने बताया कि आगामी 7 जुलाई को गया के मानपुर प्रखंड स्थित कार्निवल रिजॉर्ट में प्रियदर्शी सम्राट अशोक समान समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया है ।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं वायु पर्यावरण मंत्री डॉ सुनील कुशवाहा मुख्य रूप से शामिल होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम को लेकर बीते कई दिनों से तैयारी करने में भाजपा के कई कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में मगध प्रमंडल के चार जिले से लोग शामिल होंगे। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि लगभग 10 हजार लोग शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से कुशवाहा समाज में एक संदेश देना चाहते हैं कि कुशवाहा समाज भी एनडीए का एक अंग है जो हमेशा एनडीए को ही वोट करने का काम करता है और आगामी विधानसभा चुनाव में भी एनडीए को ही समर्थन देंगे। वहीं जिला परिषद सदस्य कौशल वर्मा ने मगध प्रमंडल के चार जिले के लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में अवश्य शामिल हो और अपने एकजुटता का परिचय दें ।वही इस मौके पर भाजपा नेता विनय कुशवाहा ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से कुशवाहा समाज को एक संदेश देना चाहते हैं कि जो लोग रास्ते से भटक गए हैं उनको एकजुट करने का प्रयास किया जा रहा है जिससे बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का हाथ मजबूत हो सके ।इस कार्यक्रम को लेकर भाजपा नेता मनोज मेहता, गोरेलाल कुशवाहा, छोटू कुशवाहा, अनिल मेहता के अलावे भाजपा कार्यकर्ता एवं कुशवाहा समाज के लोग जुटे हुए हैं।

मोहर्रम के पवित्र अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता की अद्भुत मिसाल पेश की

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी ।मोहर्रम के पवित्र अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मनीष पंकज अद्भुत मिसाल पेश की। उन्होंने गया जिले के पंचायती अखाड़ा क्षेत्र में एक सेवा शिविर स्टाल लगाकर मोहर्रम में शामिल होने आए ताज़ियादारों, अकीदतमंदों और आम श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है । इस शिविर का उद्घाटन डॉ मनीष पंकज मिश्रा के द्वारा फीता काटकर किया गया स्टाल में आए हुए में लोगों के लिए शीतल पेयजल, शरबत, रुहअफ्जा, बिस्कुट और मिठाइयों की व्यवस्था की गई, ताकि इस अवसर पर आए रोजेदारों एवं अकीदतमंदों को कोई असुविधा न हो ।डॉ. मिश्रा ने कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति में सभी धर्मों, वर्गों और समुदायों का समान सम्मान है। मोहर्रम एक ऐसा अवसर है, जो बलिदान, समर्पण, सहनशीलता और इंसानियत का प्रतीक है। हजरत इमाम हुसैन की शहादत हमें अन्याय के खिलाफ डटे रहने और सच्चाई के रास्ते पर चलने की प्रेरणा देती है। इस्लामिक समाज के इस महान पर्व पर हम सभी को मिल-जुलकर आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को और मजबूत करने की आवश्यकता है ।सेवा शिविर में स्थानीय युवाओं और भाजपा कार्यकताओं की सक्रिय भूमिका देखने को मिली है।

औरंगाबाद के सांसद ने सचई पैक्स अध्यक्ष को किया सम्मानित

कुर्था, अखिल भारतीय मौर्य शिक्षण सह शिक्षा मंच बिहार जिला इकाई जहानाबाद के तत्वावधान में राम ब्रिज प्रसाद सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर औरंगाबाद के सांसद अभय कुशवाहा मौजूद रहे। इस मौके पर कुर्था प्रखंड के सचई पंचायत के पैक्स अध्यक्ष रॉबिंसन कुशवाहा रामवृक्ष प्रसाद उत्कृष्ट नागरिक सम्मान से औरंगाबाद के सांसद अभय कुशवाहा ने सचई पैक्स अध्यक्ष को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर औरंगाबाद के सांसद अभय कुशवाहा ने कहा कि कुशवाहा समाज के युवा जो हाल ही में हुए मैट्रिक इंटर परीक्षा व नीट आई आई टी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही सचई पंचायत के नए पैक्स अध्यक्ष रॉबिंसन कुशवाहा को भी उक्त मंच के बैनर तले सम्मान दी गई। उन्होंने कहा कि रॉबिंसन कुशवाहा कुर्था प्रखंड से कुशवाहा समाज के उभरता सितारा के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहे हैं तथा विगत दिनों हुए पैक्स चुनाव में बेहतर परिणाम हासिल कर अध्यक्ष पद की कुर्सी पर कब्जा जमाया। हालांकि प्रखंड क्षेत्र के राष्ट्रीय लोक मोर्चा के वरिष्ठ नेता पप्पू वर्मा, सदन कुशवाहा, निघवाँ पैक्स अध्यक्ष रवि प्रकाश, नदौरा पंचायत के पूर्व मुखिया रविशंकर कुमार प्रसाद, जदयू के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र कुशवाहा समेत कुशवाहा समाज के कई नेताओं ने रॉबिंसन कुशवाहा को कुशवाहा समाज की ओर से सम्मानित होने पर बधाई दी है।

बारुण के शहीद भगत सिंह खेल मैदान में मशाल खेल प्रतियोगिता में बच्चों की शानदार प्रस्तुति

औरंगाबाद। बारुण प्रखंड स्थित शहीद भगत सिंह खेल मैदान में प्रखंड स्तरीय मशाल खेल प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज अग्रवाल,लेखपाल कुश कुमार, डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रतिक कुमार, नोडल ऑफिसर शशि भूषण लाल सहित प्रखंड के विभिन्न शारीरिक खेल शिक्षकों के द्वारा किया गया । आज के खेल प्रतियोगिता में लंबी कूद, बॉल थ्रो,60 मीटर,100मीटर, 600मीटर,800 मीटर दौड़ प्रतियोगिताएं हुई। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज अग्रवाल ने संबोधन के क्रम में कहा कि खेल मानव जीवन का अहम हिस्सा है। बचपन से यदि खेल के प्रति सम्यक दृष्टि अपना कर विद्यार्थी अध्ययन काल से ही अग्रसर रहे तो वह अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयों को चूम सकते हैं। मशाल खेल प्रतियोगिता के सफल संचालन में शिक्षिका रिया राजवंशी नीरा कुमारी,अनिता कुमारी ने सराहनीय भूमिका निभाई। वहीं शिक्षक राकेश कुमार यादव,संतोष कुमार,तनोज कुमार,रवि रंजन सिंह आदि थे।

हुजूर आने वाले हैं, तैयारियां जोरों पर, एक एक चीजों का रखें ख्याल, अधिकारी ने जाना सूरत-ए-हाल

देवब्रत मंडल

गया । जंक्शन पर विकास कार्यों की गति इतनी तेज हो गई है कि वंदे भारत की तरह नॉन स्टॉपेज। इतनी द्रुत गति से काम होने लगा है, मानो हाई स्पीड ट्रेन। आखिर हो क्यों भी नहीं। हुजूर जो आने वाले हैं।

15 अगस्त को इस बिल्डिंग पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाना है

रविवार को गया जंक्शन पर जारी विकासोन्मुखी कार्यों का सूरत-ए-हाल जानने के लिए पहुंचा तो देखा कि कार्य इतनी तेजी से हो रहा है जैसे कि वंदे भारत ट्रेन जिस तरह नॉन स्टॉप चलती है। यहां रहे एक व्यक्ति ने बताया कि 15 अगस्त को इसी भवन के ऊपर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया जाना है। ये व्यक्ति कार्यों की मोनेटरिंग कर रहे थे। काम में लगे लोगों को निर्देश दे रहे थे कि जल्दी जल्दी काम निबटाओ।

पीएम के आने की सूचना मिलते ही सभी अलर्ट मोड में आ गए हैं

रेलवे के एक पदाधिकारी रविवार को गया जंक्शन पर आए हुए थे जो यहां चल रहे विकास के कार्यों की समीक्षा की है। रेल सूत्रों ने बताया कि हो सकता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निकट समय में गया जी आने वाले हैं। चर्चा है कि जुलाई के अंतिम सप्ताह में शायद वे यहां आएंगे। इसको लेकर भी तैयारियां यहां जोरो पर है। हालांकि रेल के पदाधिकारियों द्वारा पीएम के निकट समय में गया जी आने की पुष्टि नहीं करते हैं।

प्लेटफॉर्म नंबर 1 सी का फर्श और शेड बनकर तैयार

गया जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 सी पर यात्री शेड लग चुका है और इसके फर्श भी बनकर तैयार हो गया है। अब इस प्लेटफॉर्म के सटे स्थान पर कंक्रीट से फर्श बनाने की तैयारी चल रही है। यहां जमीन को समतलीकरण के साथ कंक्रीट से ढलाई की जा रही है ताकि वंदे भारत सहित अन्य ट्रेनें जब इस प्लेटफॉर्म आती है या यहां से खुलती है तो यात्रियों को सुविधाजनक रास्ता मिले।

कुछ पुराने स्ट्रक्चर को तोड़ा जाना है बाकी

प्लेटफॉर्म संख्या 1/3 के ठीक सटे पाथ-वे बन रहा है। इसी से सटे कुछ पुराने बिल्डिंग हैं। जिसमें ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन का कार्यालय है। लाल कुलियों के आराम करने वाला एक कमरा भी है। इसके अलावा कुछ और कमरे हैं। जिसे तोड़ा जाना बाकी है। रेलवे सूत्रों ने बताया कि इसे भी जल्द तोड़कर समतलीकरण किया जाना है।

समय से सारे काम हो जाते हैं तो पीएम कर सकते हैं उद्घाटन

जिस द्रुत गति से कार्य हो रहे हैं, उसे देखकर लगता है कि अगस्त महीने के अंत तक इस भवन का निर्माण कार्य पूरा करा लिया जाएगा। इसके पीछे जो कारण बताए जा रहे हैं, उसके पीछे पितृपक्ष मेला 2025 है। संभावना जताई जा रही है इस भवन के साथ साथ डेल्हा साइड में बन रहे कई कार्यालयों के बिल्डिंग का शुभारंभ पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों से होना है। इसको लेकर कार्य की गति तेज कर दी गई। दिन रात यहां कार्य हो रहे हैं।

देव शयनी एकादशी के मौके पर विष्णु धाम में विशेष पूजा अर्चना की गई

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले का महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल विष्णु धाम के प्रांगण में देव शयनी एकादशी के मौके पर विशेष पूजा अर्चना की गई। पुण्यदायिनी बटाने एवं मोक्षदायिनी पुनपुन के पावन संगम तट पर अवस्थित विष्णु धाम सनातनी परंपरा का महान तीर्थ स्थल है। जहां सभी पर्वों में सर्वोत्तम एवं सभी एकादशी में महानतम देव शयनी एकादशी के मौके पर विष्णु धाम के वर्तमान महंत बालकांड ब्रह्मचारी जी के नेतृत्व में विष्णु धाम एवं सभी अन्य मंदिरों में पंचोपचार विधि से विशेष पूजा की गई। तत्पश्चात देव शनि एकादशी के बारे में बताया गया कि आज से भगवान विष्णु चार माह के लिए क्षीरसागर में विश्राम करने के लिए चले जाते हैं। इस चार माह में जो वैष्णव परंपरा के मानने वाले लोग हैं उनके लिए कुछ कठोर नियमों का पालन करना होता है। उन्होंने यह भी बताया कि आज के दिन जो श्रद्धालु विष्णु धाम में दर्शन पूजा पाठ करता है उसे अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है । जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने विष्णु धाम का अवलोकन करते हुए बताया कि हरि शयनी एकादशी पर जो भी भक्त भगवान विष्णु की पूजा अर्चना करते हैं उन पर भगवान विष्णु विशेष रूप से भक्तों की प्रार्थनाओं को स्वीकार करते हैं।

डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी जंयती पर माड़नपुर महादलित टोला सलम एरिया में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन

● बच्चों को किताब, कॉपी, कलम देकर जन्मदिन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई :डॉ. मनीष पंकज मिश्रा

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।आज महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, भारत सरकार के पूर्व मंत्री और भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा के नेतृत्व में माड़नपुर महादलित टोला सलम एरिया में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. मिश्रा ने उनके चित्र पर माला एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके योगदान को याद किया। एवं बच्चों को किताब कॉपी कलम देकर जन्मदिन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का जीवन एक प्रेरणास्त्रोत है, जिन्होंने न केवल एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में देश की सेवा की, बल्कि एक प्रखर शिक्षाविद, विचारक, और राष्ट्रभक्त के रूप में भी अपनी अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने देश के शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाने के लिए भी अथक प्रयास किए। वे महज 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बने और शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी सुधारों की शुरूआत की।स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध सशक्त आवाज उठाई और देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए कई संघर्ष किए। आजादी के बाद, जब भारत की एकता और अखंडता पर प्रश्नचिह्न उठने लगे, तब डॉ. मुखर्जी ने सबसे पहले आवाज उठाई कि ह्लएक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगेह्व। यही कारण था कि उन्होंने कश्मीर के विशेष दर्जे अनुच्छेद 370 के खिलाफ संघर्ष शुरू किया।अपने इसी संघर्ष के दौरान वे गिरफ्तार किए गए और रहस्यमयी परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई। उनके इस बलिदान ने देश में एकता की भावना को और मजबूत किया। उनका यह बलिदान आज भी हमें यह सीख देता है कि जब बात देश की एकता, अखंडता और सम्मान की हो, तब किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

डॉ. मिश्रा ने यह भी कहा कि आज जब भारत प्रगति की राह पर है, तब हमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे महापुरुषों के आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता है। उनका जीवन हमें राष्ट्र प्रथम की भावना सिखाता है। उनके विचार और संघर्ष आज भी भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रवादी विचारधारा के मूल स्तंभ हैं।

इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। इस कार्यक्रम में अन्य गणमान्य लोग, अधिवक्ता, पार्टी कार्यकर्ता एवं युवाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही है। सभी ने एक सुर में यह संकल्प लिया कि डॉ. मुखर्जी के सपनों का भारत बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

नगरा में शांतिपूर्व माहौल में मुहर्रम का अखाड़ा हुआ सम्पन्न

नगरा सारण। इंसानियत के अलमबरदार हजरत ईमाम हुसैन की याद में रविवार को मुहर्रम का अखाड़ा नगरा प्रखंड के विभिन्न इलाकों से निकल कर नगरा कर्बला पहुँचा। प्रखण्ड के नगरा, खैरा, पटेढ़ा, तुजारपुर, खोदाईबाग, अफौर, मानपुर, अर्वा, धूपनगर धोबवल, कादीपुर, नबीगंज, रौजा, मझवलिया आदि इलाकों से तजिया निकाली गई थी। जिसमें तरह-तरह के तजिया लोगो के आकर्षण के केंद्र बना हुआ था। गांजे-बाजे, ढोल-नगाड़े व रौशनी के साथ अखाड़ो को शांति तथा सौहार्दपूर्ण माहौल में पहलाम कराने के लिए जिला पुलिस प्रशासन के अलावा स्थानीय पुलिस मुस्तैद नजर आई। नगरा मार्ग के दोनों ओर सैकड़ो की तादाद में अखाड़ा देखने वाली की भीड़ देर शाम तक लगी रही। वही मझवलिया व कृष्णा चौक से आने वाली बड़ी वाहनों पर रोक लगा दी गई थी।जिससे सवारी वाहन नही चलने से लोगो को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुरक्षा व्यवस्था में नगरा प्रखंड विकास पदाधिकारी,अंचल अधिकारी, नगरा ओपी अध्यक्ष आदि पुलिस बल सक्रिय दिखे।

जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मनी जयंती

डोरीगंज। सदर प्रखण्ड के चिरांद गाँव मे भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष हरेश्वर सिंह के नेतृत्व मे जनसंघ के संस्थापक सदस्य श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती समारोह पूर्वक मनायी गयी । इस अवसर पर सर्व प्रथम सभी आगत अतिथियों ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रधांजली अर्पित की साथ ही उनके द्वारा देश के प्रति किए गए योगदान को याद किया गया । इस अवसर पर मुख्य रुप से वरिष्ठ भाजपा नेता अरविन्द कुमार सिंह , प्रखण्ड भाजपा अध्यक्ष विपिन सिंह , चंदन माझी , विनय कुमार विमल ,चन्द्रमोहन सिंह , सुबास सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

श्री चित्रगुप्त समिति की आम सभा की बैठक संपन्न,लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

छपरा कार्यालय। रविवार को श्री चित्रगुप्त समिति छपरा की आम सभा की बैठक अध्यक्ष नागेन्द्र कुमार वर्मा की अध्यक्षता एवं संरक्षन सदस्य की गरिमामयी उपस्थिति में राज्य सम्पोषित कमर्सियल एकेडमी के सभागार में हुई। जिसमे चित्रगुप्त वंदना के पश्चात गत सभा की कार्यवाही की संपुष्टि की गयी। तत्पश्चात अगामी की चित्रगुप्त पूजा 23 अक्टूबर गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ मनाने और सांस्कृतिक कार्यक्रम आगोजन का निर्णय निर्णय लिया गया तथा प्रीतिभोज 9/11/25 दिन रनिवार को आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। समिति ने संविधान में संसोधन करते हुए संरक्षक मण्डल को कार्यकारणी से अलग करके स्वायतता प्रदान की गयी तथा 5 सदस्यीय संरक्षक मण्डल का गठन करने का निर्णय लिया गया जिसके पश्चात चतुर्थ संरक्षक सुभाषचन्द्र श्रीवास्तव को सर्वसम्मति से मनोनित किया गया तथा पाँचवे संरक्षर मंडल का नाम चयन हेतु अध्यक्ष एवं महासचिव को प्राधिकृत किया गया। संविधान में संसोधन के पश्चात उपाध्यक्ष पद पर सुधांशु भूषण वर्मा । उपकोषाध्यक्ष का पद सृजन करके उक्त पद पर रविश कुमार श्रीवास्तण का मनोनयन किया गया। संविधान संशोधन नागेन्द्र कुमार वर्मा ने पेश किया जिसे सर्वसम्मति से सहमति प्रदान की गई।

डब्लूआईटी में वेबसाईट से मिलेगा डिजिटल ग्रेड कार्ड

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय अंतर्गत डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम महिला प्रौद्योगिकी संस्थान ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 से छात्राओं को वेबसाईट के माध्यम से डिजिटल ग्रेड कार्ड प्रदान करने की सुविधा शुरू कर दी है। संस्थान ने सातवें सेमेस्टर की परीक्षा का परिणाम 05 जुलाई 2025 को अपने आधिकारिक वेब पोर्टल पर ऑनलाइन घोषित कर दिया। यह संस्थान के शैक्षणिक और प्रशासनिक डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। इस पहल पर संस्थान के निदेशक प्रो अजय नाथ झा ने कहा कि इंजीनियरिंग कॉलेज होने के बरकस तकनीकी नवाचार को अपनाना संस्थान की जिम्मेदारी है। डिजिटल ग्रेड , विश्वविद्यालय प्रशासन का दूरदर्शी कदम है, जिससे छात्राओं को पारदर्शिता, त्वरित सूचना और प्रामाणिक दस्तावेजों की प्राप्ति सुनिश्चित हो सकेगी । कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी के अथक प्रयासों और दूर दृष्टि से यह संभव हो सका है। उप कुलसचिव डॉ. प्रियंका राय ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि शैक्षणिक सत्र की नियमितता और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण का श्रेय संस्थान के सभी शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण को जाता है। आशा है भविष्य में संस्थान नए आयामों की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने कहा डिजिटल ग्रेड कार्ड प्रणाली से छात्राओं को ग्रेड कार्ड को सुरक्षित तरीके से सत्यापन, भविष्य में नौकरी या उच्च शिक्षा के लिए समय पर प्रमाण - पत्र की उपलब्धता और दस्तावेजों की वैधता सुलभता से प्राप्त हो सकेगी। इससे समय की बचत और संसाधनों का सस्टेनेबल उपयोग संभव हो

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

● एकमा प्रखंड में जागरूकता सह पोषाहार वितरण कार्यक्रम आयोजित

छपरा कार्यालय। देश को टीबी मुक्त भारत बनाने के उद्देश्य से सारण जिले के एकमा प्रखंड मुख्यालय में विशेष जागरूकता एवं पोषाहार वितरण कार्यक्रम का आयोजन शहर ही नहीं बल्कि बिहार और उत्तर प्रदेश की प्रसिद्ध सामाजिक संस्था ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति के तत्वाधान में प्रखंड मुख्यालय स्थित अलख नारायण सिंह उच्च विद्यालय के परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संस्था प्रमुख डॉ अंजु सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक (बीएचएम) वाहिद अख्तर, एसटीएलएस अमित कुमार सिंह, एसटीएस मनोज कुमार, उच्च विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण भगवान यादव एवं सहायक शिक्षक राजेश कुमार सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से संबोधित किया गया। इस अवसर पर संस्था द्वारा स्थानीय एकमा प्रखंड अंतर्गत गोद लिए गए 20 मरीजों को टीबी रोग के प्रति जागरुक करते हुए पौष्टिक आहार सामग्री का वितरण किया। कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी के प्रति लोगों को जागरुक कर सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित करना। कार्यक्रम में बीएचएम वाहिद अख्तर ने सरकार द्वारा टीबी मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं को विस्तार पूर्वक बताया। जबकि एसटीएस मनोज कुमार ने मरीजों को टीबी जैसी बीमारी से बचने के लिए टीपीटी लेने के लिए प्रोत्साहित करने के दौरान बताया कि शुरूआती स्तर पर सावधानी से इलाज करने से टीबी जैसी बीमारी से बचा जा सकता है। क्योंकि कमजोर शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता घट जाती है, जिस कारण टीबी जैसे संक्रामक रोग आसानी से पनपने लगते हैं। उन्होंने संस्था प्रमुख के द्वारा पोषाहार वितरण कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में यह संदेश दिया गया कि सरकार की योजनाएं, सामाजिक समुदाय तथा सामाजिक संस्थाओं का संयुक्त प्रयास हो तो टीबी से भारत को मुक्त कराया जा सकता है।

ताजिया जुलुस में करतब दिखाने के दौरान ताजिया कमेटी के ही असामाजिक तत्वों के बीच मारपीट में आधा दर्जन से अधिक घायल

प्रात: किरण संवाददाता

संवाददाता। एकमा/मांझी। मांझी थाना क्षेत्र के मटियार गांव में रविवार की सुबह ताजिया जुलूस में करतब दिखाने के दौरान ताजिया कमेटी के ही कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा तलवारबाजी एवं लाठी डंडे से हुई मारपीट में लगभग आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में एक पक्ष के इमादपुर गांव निवासी पांच लोगों क्रमशः चांद मोहम्मद (30), मोहम्मद फुरकान (15), अनिशुर रहमान (17) व अमजद अली (28) व वसीम राजा (27) का एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाकर उपचार कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद एकमा सीएचसी में तैनात डॉ गुंजन कुमार के द्वारा बेहतर चिकित्सा के लिए गंभीर रुप से दो घायलों चांद मोहम्मद व अमजद अली को सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया। चिकित्सा के दौरान चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि लगभग सभी घायलों को सिर पर धारदार हथियार से जख्मी किया गया है। वहीं दूसरे पक्ष के भी कुछ घायलों के द्वारा स्थानीय स्तर पर उपचार कराए जाने की बात बताई जाती है। बताया जाता है कि ताजिया जुलूस के दौरान दो जुलूस के बीच मामूली झड़प हो गई। घटना उस समय हुआ जब दोनों जुलूस आमने-सामने आ रहे थे और ताजिया को आगे-पीछे करने के क्रम में कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच हल्की मारपीट की स्थिति बन गई। घटना की जानकारी मिलते ही मांझी थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस बल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थिति को नियंत्रण में लिया। मौके पर उपस्थित पुलिस अधिकारियों ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराया और आगे किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए गांव में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई। मांझी थानाध्यक्ष अविनाश कुमार झा ने बताया कि स्थिति पूरी तरह से सामान्य है और एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस कैंप कर रही है। पुलिस प्रशासन दोनों पक्षों से लगातार संपर्क में है और शांति-सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

भाजपा ने मनाई जयंती

रिविलगंज। रिविलगंज नगर पंचायत में गुद्ध अवस्थी के आवास पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती नगर अध्यक्ष सत्येंद्र शर्मा की अध्यक्षता में बूथ संख्या 69,70 पर मनाया गया। इस अवसर जिला महामंत्री धर्मेंद्र कुमार साह ने कहा कि डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक भारतीय राजनीतिज्ञ ,बैरिस्टर और शिक्षाविद थे। उनका जन्म 06 जुलाई 1901 को कलकत्ता में पैदा हुआ थे और 23 जून 1953 को उनका निधन हो गया। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे,जो बाद में भारतीय जनता पार्टी का आधार बना। उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के बाद नेहरू सरकार में उद्योग और आपूर्ति मंत्री के रूप में बने थे। प्रखण्ड अध्यक्ष एवं 20 सुत्री अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि मंत्री पद छोड़ कर कहा कि एक देश मे दो विधान और निशान नही चलेगा,एक देश में दो संविधान ,दो प्रधान मंत्री और दो राष्ट्रीय प्रतीक नही हो सकते। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व नगर अध्यक्ष अनुरंजन प्रसाद , पूर्व नगर अध्यक्ष वार्ड पार्षद शम्भू नाथ पांडेय, किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष ददन सिंह, महामंत्री राजेन्द्र सिंह , रमेन्द्र कुमार,व सुधीर सिंह, वार्ड पार्षद गूँजन अवस्थी, जितेश कुमार,, नंदू सिंह, पूर्व पार्षद विजय शंकर सिंह, वार्ड पार्षद जय प्रकाश चौधरी, रेवती रमन गिरी, सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हुए।

मशरक प्रखण्ड स्तरीय मशाल खेल प्रतियोगिता का बीडीओ एवम बीईओ मशरक ने किया उद्धाटन

कबड्डी एवम एथलेटिक्स प्रतियोगिता में सीआरसी के छात्र छात्राओं का उम्दा प्रदर्शन

● उच्च विद्यालय बहुआरा में हो रही चार दिवसीय प्रतियोगिता

प्रात: किरण संवाददाता

मशरक प्रखण्ड स्तरीय मशाल प्रतिभा खोज खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन आयोजन स्थल उच्च विद्यालय बहुआरा के प्रांगण में हुआ। आगत अतिथियों का स्वागत विद्यालय प्रधानाध्यापक अरुण कुमार मिश्रा ने शॉल एवम फुलमाला देकर किया। स्वागत गीत विद्यालय की छात्राओ ने शिक्षिका प्रीति कुमारी एवम खुशबू कुमारी के साथ किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि बीडीओ मशरक पंकज कुमार एवम प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी सुश्री रश्मि प्रकाश ने किया। मौके पर मशरक उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यपक मुकेश कुमार , अवध उच्च विद्यालय चैनपुर के प्रभारी प्रधानाध्यपक प्रवीण कुमार , उच्च विद्यालय बहुआरा के प्रभारी प्रधानाध्यपक अरुण कुमार मिश्र , शिक्षक नेता संतोष कुमार सिंह , मशाल के कबड्डी जिला ट्रेनर कुमार कौशलेंद्र , बीआरसी शिक्षक रहमत अली मंसूरी सहित अन्य थे। समारोह सह प्रतियोगिता का संचालन शारीरिक शिक्षा शिक्षक संजय कुमार सिंह ने किया। 17 सीआरसी से भाग लेने पहुँचे आठ सौ से अधिक छात्र छात्रा खिलाड़ियो को राष्ट्रीय खिलाड़ी दीपशिखा कुमारी ने शपथ दिलाया। खिलाड़ियो को संबोधित करते हुए बीडीओ पंकज कुमार एवम प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी रश्मि प्रकाश ने कहा कि खेल अब स्वास्थ के साथ रोजगार का अवसर भी दे रहा है। मशरक के खिलाड़ी राष्ट्रीय फलक तक अपनी मेधा का परचम लहरा रहे है । बिहार सरकार स्कूली बच्चों के शिक्षा और खेल को लेकर हमेशा प्रतियोगिता एवम सम्मान का आयोजन कर रही है । मशाल प्रतियोगिता से ग्रामीण इलाकों में खेल का अलख जगा है। प्रतियोगिता को तकनीकी अधिकारी के रूप सफल बनाने में शिक्षक मोहन साह , संजीव कुमार , विजय कृष्ण त्रिपाठी, रामशंकर साहनी, आनंद कुमार पटेल, हरेन्द्र कुमार तिवारी, सत्य प्रकाश,शिक्षिका प्रीति कुमारी , शिवानी सिंह , खुशबू कुमारी, नीलम साहू, राष्ट्रीय खिलाड़ी आकाश कुमार, राजा कुमार सिंह , बीरेंद्र कुमार , पम्मू कुमार दूजा कुमारी सहित अन्य शामिल थे। कबड्डी अंडर 14 बालक पहले सेमीफाइनल में सीआरसी उमवि सेमरी ने सीआरसी दुमदुमा 26 - 04 के अंतर से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया । दूसरे सेमीफाइनल में सीआरसी डुमरसन ने बहरौली पांडेय टोला को 28 -02 के अंतर से पराजित फाइनल में जगह बनाया। कबड्डी मैच का संचालन कुमार कौशलेंद्र के देखरेख में हुआ।

परसा मे मोहर्रम पर्व शंतिपूर्ण सम्पन्न

प्रात: किरण संवाददाता

परसा। प्रखंड व नगर पंचायत परसा बाजार के विभिन्न गावो से ताजिया के साथ साथ जुलस व आखाड़े निकाले गए.जिसमे माड़र छोटी हवेली माड़र बड़ी हवेली,परसा पोझी इमामबाड़ा,बहमाड़र इमामबाड़ा चाँदपुरा इमामबाड़ा परसौना इमामबाड़ा श्रीरामपुर इमामबाड़ा अन्याय इमामबाड़ा विशुनपुर इमामबाड़ा आदि जगहों से ताजिया के साथ जुलस व अखाड़े में शबीहे आलम और शबीहे ताबूत निकालकर कर्बला के 72 शहीदों को याद किया गया. मोहर्रम के पहलाम के दिन गाँवो के विभिन्न इमामबारगाह में मजलिस का आयोजन किया गया. माड़र दरगाह एवं परसा थाना परिसर में आखाड़े का आयोजन किया गया.वही हर जुलस व अखाड़े से या हुसैन या हुसैन की सदा आ रही थी हिन्दू मुस्लिम समुदाय के लोगो ने आपसी भाई चारे का पैगाम दिया.अखाड़े में जिला परिषद विनोद राय मुख्य पार्षद मो करमुल्लाह मो आसिफ असलम,विमल प्रसाद नाजिर साईं नबीब हुसैन कासिम अंसारी मो हाकिम मिया सैयद कमर अब्बस,मो सैयद मेहदी सैयद शकील अब्बास, सैयद दिलबर अब्बास, अकबर रिजवी, परवेज हुसैन,निजामुद्दीन, अल्तमश अब्बास, इंतेखाब मेहदी, अरमान हुसैन, इरफान हुसैन, काज़िम हुसैन तथा छोटी हवेली के मेहदी अब्बास, अली अब्बास आदि ने अखाड़े में हजारो की संख्या मे शामिल हुए.वही मोहर्रम का त्यौहार शांति माहौल में सम्पन कराने को लेकर श्रम अधीक्षक सारण देवेंद्र कुमार प्रभाकर स्थानीय थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने अपर थानाध्यक्ष जुली कुमारी अरुण कुमार शीतलाल गुप्ता विनोद कुमार शर्मा दीपक कुमार अजीत लाल गणेश पीएसआई अभिषेक कुमार संतोष कुमार गुप्ता मुकेश कुमार मिश्रा राजू कुमार यादव राजू कुमार सिह प्रमोद कुमार साह इत्यादि पदाधिकारियों ने अपने अपने दल बल के साथ सुबह से ही हर गावो के इमामबाड़ा का दौरा किया.दण्डाधिकारी सह सीओ अनुज कुमार बीडीओ राकेश कुमार नगर ईओ रजनीश कुमार श्रम अधीक्षक सारण देवेंद्र कुमार प्रभाकर सीओ के देख रेख में मोहर्रम तजिया जुलुस का त्यौहार शांति रूप से रविवार को सम्पन हो गया।

विकसित बिहार के निर्माण में आप सभी का सहयोग आवश्यक : चिराग पासवान

राजेन्द्र स्टेडियम के सभागार में लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने विपक्ष पर बोला तीखा हमला, जनता से मांगा सहयोग

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। केंद्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने रविवार को स्थानीय राजेन्द्र स्टेडियम के सभागार में आयोजित ह्यनव-संकल्प महासभाह्ण के तहत एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ह्यमैं बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट की सोच के साथ सारण की ऐतिहासिक धरती पर आया हूं। मेरा लक्ष्य एक ऐसा विकसित बिहार बनाना है, जहां युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर रोजगार के अवसर, महिलाओं को सुरक्षा और राज्य में सुदृढ़ कानून व्यवस्था सुनिश्चित हो। यह कार्य तभी संभव है जब आप सभी का सहयोग और समर्थन प्राप्त हो। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि लोजपा (रामविलास) की सोच केवल चुनावी वादों तक सीमित नहीं, बल्कि बिहार के समग्र विकास की वास्तविक योजना है। जनसभा का भव्य आयोजन और गर्मजोशी से स्वागत जनसभा में जैसे ही केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान मंच पर पहुंचे, वहां उपस्थित पार्टी के सांसदों, वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें मुकुट पहनाकर सम्मानित किया। जनसभा की शुरूआत में उन्होंने अपने पिता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय रामविलास पासवान के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बिहार की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताई अपने उद्बोधन में चिराग पासवान ने कहा, बिहार एक ऐसा राज्य है जिसे विशेष सहयोग की आवश्यकता है। आज भी हमारे छात्रों को हायर एजुकेशन के लिए बाहर जाना पड़ता है, लोगों को रोजगार के लिए पलायन करना पड़ता है। यह स्थिति बदलनी चाहिए, और इसके लिए सोच में बदलाव की जरूरत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह परिवर्तन जनता के समर्थन और जागरूकता से ही संभव है। विपक्ष पर तीखा हमला उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक दल जनता को संविधान के नाम पर गुमराह कर रहे हैं। कांग्रेस जैसी पार्टियों ने ही देश में आपातकाल जैसी स्थिति लाकर संविधान की मूल भावनाओं को आहत किया। आज भी जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। चिराग ने कहा कि विपक्ष उनके खिलाफ दिग्भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन वे किसी भी परिस्थिति से डरने वाले नहीं हैं। डोमिसाइल नीति और रोजगार पर दिया जोर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिहार में कुछ लोग रोजगार देने के नाम पर जमीन हड़पने और डोमिसाइल नीति को खत्म करने का षड्यंत्र कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकता है कि बिहार को डोमिसाइल नीति के माध्यम से यहां के युवाओं को रोजगार मिले और वे अपने ही राज्य में बेहतर भविष्य की कल्पना कर सकें। 243 सीटों पर लड़ने की तैयारी चिराग पासवान ने ऐलान किया कि लोजपा (रामविलास) की तैयारी बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की है। जनता का जो अपार समर्थन और आशीर्वाद मिल रहा है, उससे यह स्पष्ट है कि लोजपा (रामविलास) आने वाले चुनाव में एक मजबूत विकल्प बनकर उभरेगी। भयमुक्त, शिक्षित और आत्मनिर्भर बिहार की अपील उन्होंने कहा कि बिहार की जनता को तय करना है कि आने वाले 5 सालों में बिहार कैसा होगा। यह चुनाव हर परिवार के भविष्य का सवाल है। हमें ऐसा राज्य बनाना है जो भयमुक्त हो, जहां महिलाएं सुरक्षित हों, युवाओं को उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसर मिलें। कार्यकताओं का उत्साहवर्धन अपने संबोधन के अंत में उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा, अब समय आ गया है कि हर कार्यकर्ता चिराग पासवान बनकर बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के संकल्प को आत्मसात करे और इसके लिए तन-मन-धन से जुट जाए। तभी हमारा उद्देश्य और बिहार का पुनर्निर्माण संभव हो सकेगा। इस अवसर पर लोजपा (रामविलास) के सांसदगण, राष्ट्रीय एवं प्रदेश कमेटी के पदाधिकारी, जिला स्तरीय नेता, हजारों की संख्या में कार्यकर्ता व आमजन उपस्थित थे। जनसभा में उमड़ा जनसैलाब इस बात का संकेत था कि जनता राज्य में बदलाव की इच्छुक है और चिराग पासवान के नेतृत्व में उसे एक नया विकल्प दिख रहा है।

42 वीं एथलेटिक्स प्रतियोगिता सफलता पूर्वक संपन्न

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री मंटू सिंह ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

● अमनौर बना एथलेटिक्स का ओवर ऑल चैम्पियन

गरखा बसंत हाई स्कुल के मैदान में चल रहे 42 वीं जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे और अंतिम दिन स्टूडेंट्स क्लब अमनौर को ओवरऑल चैम्पियन घोषित किया गया. वहीं पुरुष, महिला, जूनियर बालक, बालिका, सबजूनियर बालक तथा बालिका में भी अमनौर को ही चैंपियनशिप का खिताब मिला. प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग के 100 मीटर रेस में आदित्य रितिक व प्रियांशु को प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त हुआ, 10 हजार मीटर रेस में धीरज, निशांत व प्रिंस, पांच हजार मीटर रेस में धीरज कुमार, शत्रुघ्न कुमार व निशांत राज, 800 मीटर रेस में शत्रुघ्न, सुरज व मुकुल, 400 मीटर रेस में आदित्य, सुरज व विकास, 200 मीटर में आदित्य, चंदन व यासिर 1500 मीटर रेस में शत्रुध्न, सुरज व नीरज, लॉन्ग जंप मे आदित्य, विशाल व रौशन, डिस्कस थ्रो में वरुण, प्रिंस व सुमन, शॉट पुट में नीतीश, दिव्यांशु व प्रिंस ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्लेस लगाया. महिला कोटि के 100 मीटर रेस में प्रीति, साक्षी व पलक, 10 हजार मीटर रेस में शिवमालती, रीना व सोनाली, 200 मीटर रेस में शिव मालती, प्रीति व मुस्कान, 400 मीटर रेस में रुखसार, सीमा व मीरा, 800 मीटर में साक्षी, सीमा व रुखसार, 1500 मीटर रेस में रुखसार, रीना व अन्नू, पांच हजार मीटर रेस में रीना, रागिनी व मीरा, लॉन्ग जम्प में शिव मालती, प्रीति व नेहा, हाई जम्प में गुंजा, किमी व अनु, जेवलिन थ्रो में पलक, झिलमिल व मीरा ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्लेस लगाया. जूनियर बालक के 60 मीटर रेस में चंदन, कनिष्क और यासिर, 600 मीटर रेस में कणिश, चंदन व गोलू, लॉन्ग जम्प में कणिश, गोलू व यासिर, जेवलिन थ्रो में आयुष, सुरज व आदित्य, शॉट पुट में शुभम, आदित्य व अंकुश ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्लेस लगाया. जूनियर बालिका वर्ग के 60 मीटर रेस में अश्विनी, कोमल व अनु, 600 मीटर रेस में कोमल, निभा व सोनालिका, हाई जम्प में निभा अन्नू व झिलमिल, शॉट पुट में पलक रीमा व श्वेता, जेवलिन थ्रो में रितु, पूजा व खुशी, लॉन्ग जम्प में श्वेता, रागिनी व गगन ने मेडल लगाया. सबजूनियर बालक के 60 मीटर रेस में श्रेया, आसिफ व देव कुमार, 1600 मीटर रेस में क्रिश, आदर्श व आदित्य, लॉन्ग जम्प में आदित्य सौर्या व क्रिश, हाई जम्प में आदित्य, आयुष व आसिफ, शॉट पुट में सौरभ, राजू व आदित्य ने पुरस्कार जीता. सबजूनियर बालिका वर्ग के 60 मीटर रेस में प्रियंका, निशा व सुलेखा, 600 मीटर रेस में प्रियंका, मीरा व पूजा, शॉट पुट में मुस्कान, ऐंजल व पूजा, लंबी कूद में चांदनी, अनीता व मुस्कान, ऊंची कूद में निकिता, सुलेखा व मुस्कान ने बाजी मारी. विजेताओं को सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कृष्ण कुमार उर्फ मंटू सिंह, एथलेटिक्स संघ के जिला सह राज्य अध्यक्ष सह बिहार मदरसा बोर्ड के चेयरमैन सलीम परवेज ने पुरस्कृत कर सम्मानित किया. अतिथियों का स्वागत कार्यकारी अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने किया. जबकि मौके पर आयोजन सचिव नारायण सिंह, महासचिव गजेंद्र सिंह, विद्यालय के संस्थापक प्राचार्य विजय सिंह, प्राचार्य सत्येन्द्र कुमार, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीनिवास सिंह, मंडल अध्यक्ष धनंजय सिंह, कार्यकारी सचिव नीलाभ गुंजन, तकनीकी पदाधिकारी, श्यामदेव सिंह, राजकिशोर तिवारी, संजय कुमार सिंह, अमित सौरभ, मृत्युंजय कुमार, गौरी शंकर, रूप नारायण, रोहित यादव, बाल्मीकि, समीक्षा, रोबिन सिंह, कमलजीत कुमार आदि उपस्थित थे.

तारडीह के ककोढा गांव के बिजली तार से झुलसे लोगों का होगा समुचित इलाज : सांसद

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। तारडीह प्रखंड के ककोढा गांव में तजिया के बिजली तार से टकराने के कारण सैकड़ों लोगों का झुलसना तथा घायल होना दुखद घटना है। इस घटना में घायल सभी लोगों का समुचित इलाज की व्यवस्था की गई है तथा इस घटना में हुई मौत के मृतक के परिजनों को समुचित सरकारी मुआवजा तथा समुचित सहायता प्रदान की जाएगी। स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने रविवार को सबेरे डीएमसीएच पहुंचकर इस घटना में झुलसे सभी घायलों से भेंट करने के बाद उपरोक्त बातें कही। सांसद डा ठाकुर ने डीएमसीएच के सुप्रीटेंडेंट डा शीला साहु तथा अन्य चिकित्सकों व चिकित्सा कर्मियों के साथ इलाज करा रहे हर घायलों से मिलकर घायलों की स्थिति से अवगत हुए तथा उन्हें समुचित इलाज किए जाने का आश्वासन देते हुए कहा कि बिहार की एनडीए सरकार तथा स्वास्थ्य विभाग इस मामले में पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ितों की सेवा व इलाज में तत्पर हैं।सांसद डा ठाकुर ने अस्पताल सुप्रीटेंडेंट को हर घायलों के उचित इलाज तथा देख रेख के प्रति तत्पर रहने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाओं में घायलों एवं उनके परिजनो को किसी भी तरह की परेशानी या लापरवाही की शिकायत मिलने पर दोषी दंडित किए जाएंगे। सांसद डा ठाकुर ने कहा कि रात में घटना की जानकारी मिलने के बाद वे जिला पदाधिकारी घायलों के परिजनों स्थानीय प्रशासन तथा अपने दल व एनडीए कार्यकताओं से सम्पर्क तथा संवाद बनाए हुए थे तथा हर घायलों की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर रहे थे। घटना के मृतक के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना जताते हुए कहा है कि सरकारी मुआवजा तथा अन्य सभा प्रकार की सहायता के लिए हर संभव पहल करेंगी। इस मौके पर सांसद डा ठाकुर के साथ डीएमसीएच पहुंचने वाले भाजपा नेताओं ने प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्णभागवन झा, निभा देवी पार्टी नेता पिंटू झा रजनीश सुंदरम विकास विवेक चौधरी आशुतोष झा पुरुषोत्तम सिंह राहुल झा आदि मौजूद थे।

दी सारण डिस्ट्रिक सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष बने पैक्स अध्यक्ष सह बलेसरा के पूर्व मुखिया केशव सिंह

सहकारिता मंत्री के न्यायालय से 35 वर्षों बाद किसान बैंक के पुर्नगठन का आदेश हुआ पारित

● केशव सिंह के अध्यक्ष पद पर मनोनयन से मांझी के लोगों में खुशी की लहर

प्रात: किरण संवाददाता

मांझी। दि सारण डिस्ट्रिक्ट सेन्ट्रल कॉपरेटिव बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष पद पर मांझी प्रखंड के बलेसरा पंचायत के पूर्व मुखिया सह वर्तमान पैक्स अध्यक्ष केशव सिंह के मनोनयन के बाद क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है तथा उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। बताते चलें कि बीते तीन जुलाई को पटना में रजिस्ट्रार ने केशव सिंह को अध्यक्ष पद के लिए मनोनयन पत्र सौंपा। इससे पहले 15 अप्रैल को बिहार के सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार के न्यायालय द्वारा प्रस्तावित बैंक के पुनर्गठन का आदेश जारी किया गया था तथा 23 मई 2025 को रजिस्ट्रर द्वारा परिवर्तित पैक्स अध्यक्षों की जांच रिपोर्ट सहकारिता विभाग से मांगा गया था जबकि 21 जून 2025 को सहकारिता पदाधिकारी द्वारा जांच पूरी कर लेने के बाद निबंधन सहयोग समिति ।रजिस्ट्रार। को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। ततपश्चात 03 जुलाई 2025 को सहकारिता मंत्री के आदेश पर रजिस्ट्रार द्वारा दि सारण सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक छपरा के लिए पूर्व मुखिया एवम पहले से संचालित कॉपरेटिव बैंक के उपाध्यक्ष केशव सिंह अध्यक्ष पद का मनोनयन पत्र सौंपा। बता दें कि वर्ष 2016 में वकील राय कॉपरेटिव बैंक के अध्यक्ष तथा केशव सिंह उपाध्यक्ष मनोनीत किये गए थे लेकिन 2023 में वकील राय के निधन के बाद केशव सिंह को अध्यक्ष पद का प्रभार स्वतः मिल गया हालाँकि यह मामला सहकारिता मंत्री के न्यायालय में स्थानांतरित हो गया। नव मनोनीत अध्यक्ष केशव सिंह ने बताया कि महाराजगंज के पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह की परिकल्पना तथा भागलपुर ।बांका। के एमएलसी तथा नेशनल सहकारी गृह निर्माण सहयोग समिति बिहार झारखण्ड के अध्यक्ष एवम बिहार राज्य सहकारी हाउसिंग फेडरेशन के चेयरमैन विजय कुमार सिंह का उन्हें सतत सहयोग मिला। हाउसिंग फेडरेशन के उपाध्यक्ष दिनेश सिंह ने भी उनकी इस लंबी लड़ाई में भरपूर सहयोग किया। श्री सिंह ने बताया कि जिले दि सारण डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक लिमिटेड की शाखा का विधिवत उदघाटन सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार करेंगे। उक्त बैंक की शाखा का संचालन शुरू होने के बाद पैक्स अध्यक्षों तथा किसानों को कई प्रकार की सरकारी सुविधाएं प्रदान की जायेंगी।

भाकपा(माले) का वोटबंदी की साजिश के खिलाफ गांव गांव में अभियान चलाएगी : धीरेन्द्र

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। भाकपा(माले) दरभंगा जिला कमिटी की एक दिवसीय बैठक भाकपा(माले) जिला कार्यालय पर जिला सचिव बैद्यनाथ यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत तारडीह प्रखंड के ककोड़ा में बिजली की तार की चपेट में आने से हुई सहित अन्य मृत साथियों को श्रद्धांजलि देकर की गई। बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा(माले) पोलित ब्यूरो सदस्य सह मिथिलांचल प्रभारी धीरेन्द्र झा ने कहा कि यह विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान वास्तव में गरीबों की वोटबंदी है। जिन कागजातों की मांग की जा रही है, वे राज्य के अधिकांश गरीबों, मजदूरों और प्रवासी वर्ग के पास उपलब्ध नहीं हैं। उत्तर बिहार में बाढ़ की स्थिति के चलते लोग पहले से ही परेशान हैं, ऐसे में उनसे कागजात लाने की उम्मीद करना अन्यायपूर्ण है।श्री झा ने कहा कि एक समय पर चुनाव आयोग ने मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने का अभियान चलाया था, और आज उसी आधार कार्ड को स्वीकृत दस्तावेज के रूप में नहीं माना जा रहा है। मनरेगा जॉब कार्ड, मनरेगा मस्टर रोल, जाति प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेजों को अमान्य करार देना गरीबों और ग्रामीणों को सामूहिक रूप से वंचित करने की साजिश है। आयोग द्वारा घोषित 11 दस्तावेजों में से 3 तो बिहार में लागू ही नहीं हैं। इससे यह सवाल उठता है कि चुनाव आयोग किसके इशारे पर काम कर रहा है? अब तक बिहार में महज 7 प्रतिशत मतदाताओं का ही फॉर्म भरा जा सका है। इस रफ्तार से करोड़ों मतदाता प्रपत्र भरने से वंचित रह जाएंगे और उनका नाम मतदाता सूची से काट दिया जाएगा।
नेताओं ने मांग की कि इस पूरी प्रक्रिया को तत्काल वापस लिया जायेगा।वही जिला सचिव बैद्यनाथ यादव ने कहा कि चार श्रम कोड के खिलाफ 9 जनवरी को अखिल भारतीय हड़ताल आयोजित है। बैठक में राज्य कमिटी सदस्य अभिषेक कुमार, वरिष्ठ नेता आर के सहनी, सत्यनारायण पासवान, विनोद कुमार सिंह, नंदलाल ठाकुर, अशोक पासवान, अवधेश कुमार, संजीव कुमार ठाकुर, रंजन प्रसाद सिंह, साधना शर्मा, विनोद कुमार, कल्याण भारती, प्रवीण कुमार यादव, गंगा मंडल, मनोज यादव, विश्वनाथ पासवान, भोला जी, कामेश्वर पासवान, किशुन पंडित, राम विलास मंडल, केशरी यादव, देवेंद्र कुमार, प्रिंस राज सहित कई लोग शामिल थे।

विंबलडन- नोवाक जोकोविच की 100वीं सिंगल्स जीत

बेटी तारा ने 'पंप इट अप' डांस किया; वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर राउंड ऑफ 16 में पहुंचे

स्पेन (एजेंसी)। विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर नोवाक जोकोविच ने अपने करियर की 100वीं विंबलडन सिंगल्स जीत दर्ज की। उन्होंने सर्बिया के ही मियोमिर केकमानोविच पर 6-3,6-0, 6-4 से जीत दर्ज की। वहीं स्टेडियम में मौजूद उनकी 7 साल की बेटी तारा जोकोविच ने डांस करके सभी का दिल जीत लिया। मैच के बाद जब जोकोविच ऑन-कोर्ट इंटरव्यू दे रहे थे, तो उनसे इस डांस के बारे में पूछा गया। इस पर जोकोविच ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ये डांस मेरी बेटी तारा और बेटे के साथ हमारी एक फैमिली ट्रेडिशन बन चुका है। इस गाने का नाम है 'पंप इट अप'।

सिनर राउंड ऑफ 16 में पहुंचे – टेनिस के वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर ने विंबलडन के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। उन्होंने तीसरे राउंड के मुकाबले में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज को सीधे सेट में हरा दिया। दूसरी ओर विमेंस सिंगल्स में भी नंबर-1 एरिना सबालेंका ने अपना मैच जीतकर अगले राउंड में जगह बना ली।

सिनर ने 3 डबल फॉल्ट किए – इटली के सिनर ने मार्टिनेज को 6-1, 6-3, 6-1 के अंतर से हराया। सिनर ने 3 बार अपनी सर्विस डबल फॉल्ट की और मार्टिनेज को पॉइंट्स दे दिए। मार्टिनेज ने एक भी डबल फॉल्ट नहीं किया। मेंस सिंगल्स में इटली के फ्लावियो कोबोली ने भी अगले राउंड में जगह बना ली। उन्होंने चेक रिपब्लिक के याकुब मेनसिक को 6-2, 6-4, 6-2 से हराया।

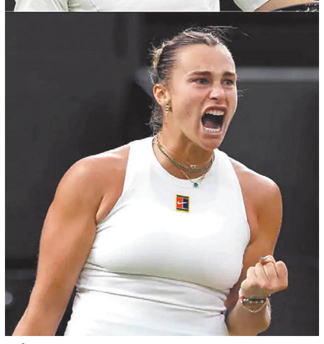

मेंस डबल्स में भारत के बालाजी हारे –मेंस डबल्स में ब्रिटेन की वर्ल्ड नंबर-6 जोड़ी ने अगले राउंड में जगह बना ली। जो सालिसबरी और नील स्कूप्स्की की जोड़ी ने भारत के ऋत्विक चौधरी बोल्लिपाल्ली और कोलंबिया के निकोलस बारिंटोस की जोड़ी को 6-4, 7-6 (9-7) से हराकर अगले राउंड में एंट्री कर ली। भारत के एन श्रीराम बालाजी और मेक्सिको के मिगुएल एंजल की जोड़ी को वर्ल्ड नंबर-4 जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा। अर्जेंटिना के होरासियो जेबालोस और स्पेन के मार्सेल ग्रेनोलर्स ने उन्हें 6-4, 6-4 से हराकर अगले राउंड में एंट्री कर ली।

विमेंस सिंगल्स में जीतीं सबालेंका –विमेंस सिंगल्स के थर्ड राउंड में वर्ल्ड नंबर-1 बेलारूस की एरिना सबालेंका ने भी राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। उन्होंने ब्रिटेन की एमा राडुकानू को 7-6 (8-6), 6-4 से हरा दिया। विमेंस सिंगल्स में ऑस्ट्रेलिया की डारिया कासाकिना, स्पेन की जेसिका बौजास मनेरो, स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिक, डेनमार्क की क्लारा टौसोन और रूस की मारा एंड्रिवा ने भी राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली।

बर्मिंघम में चमका आकाश

इंग्लैंड को 90 ओवर में 536 रन की थी जरूरत

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत बर्मिंघम टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ मजबूत स्थिति में हैं। भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 608 रन का टारगेट दिया है। बर्मिंघम में आसमान पर आकाश दीप ने अपनी चमक दिखाई और 4 विकेट लिए। रविवार को मैच का आखिरी दिन था। फिलहाल, बर्मिंघम में रुक-रुककर बारिश हो रही थी इसीलिए मैच देर से शुरु हुआ था। इंग्लैंड को 90 ओवर के खेल में 536 रन बनाने हैं, जबकि भारतीय टीम जीत से 6 विकेट दूर थी। 4 विकेट गिर चुके थे। चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 82 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। ओली पोप 24 और हैरी ब्रूक 15 रन पर नाबाद लौटे। आकाश दीप ने जो रूट (6 रन) और बेन डकेट (25 रन) को बोल्ड किया। जबकि मोहम्मद सिराज ने जैक क्रॉली (शून्य) का विकेट लिया।

शुभमन 1 टेस्ट में 430 रन बनाने वाले पहले भारतीय

भारत ने पहली बार हजार रन बनाए, गिल ने 11 छक्के लगाए; टॉप रिकॉर्ड्स

बर्मिंघम (एजेंसी)। बर्मिंघम टेस्ट जीतने के लिए भारत ने इंग्लैंड को 608 रन का टारगेट दिया। शनिवार को मुकाबले के चौथे दिन भारत से शुभमन गिल ने 161 रन बनाए। उन्होंने पहली पारी में 269 रन बनाए थे, इसी के साथ वे एक टेस्ट में 400 प्लस रन बनाने वाले पहले भारतीय बने। टीम इंडिया ने टेस्ट की दोनों पारियां मिलाकर 1014 रन बनाए। टेस्ट इतिहास में भारत ने पहली बार ही एक मैच में हजार रन का आंकड़ा पार किया।

गिल के रिकार्ड

शुभमन एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान –शुभमन गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बना दिए। उन्होंने एक टेस्ट में 430 रन बना दिए। यह किसी भारतीय कप्तान से एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन हैं। गिल ने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ मैच में 293 रन बनाए थे।

400 रन बनाने वाले पहले भारतीय – शुभमन गिल एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी भी बने। उन्होंने सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 344 रन बनाए थे। तब गावस्कर ने पहली पारी में शतक और दूसरी पारी में दोहरा शतक लगाया था। गिल एक पारी में शतक और दूसरी में दोहरा शतक लगाने वाले भारत के दूसरे ही खिलाड़ी बने।

1 टेस्ट में दूसरे हाईएस्ट स्कोरर – शुभमन गिल एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकॉर्ड से महज 27 रन दूर रह गए। एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड इंग्लैंड के ग्राहम गूच के नाम है। जिन्होंने 1990 में भारत के खिलाफ ही 456 रन बनाए थे। शुभमन टेस्ट में 400 प्लस रन बनाने वाले दुनिया के 5वें ही प्लेयर बने।

गिल इंग्लैंड में एक टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर – शुभमन गिल ने पहली पारी में 3 और दूसरी पारी में 8 छक्के लगाए। उन्होंने 11 सिक्स लगाकर अपनी बैटिंग खत्म की। इसी के साथ वे इंग्लैंड में एक टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के एंड्रूयू फ्लिंटॉफ, बेन स्टोक्स और भारत के ऋषभ पंत को पीछे छोड़ा। तीनों के नाम 9-9 छक्के का रिकॉर्ड था।

पंत इंग्लैंड में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले विदेशी – ऋषभ पंत ने दूसरी पारी में 3 छक्के लगाए। इसी के साथ इंग्लैंड में उनके नाम 24 छक्के हो गए। वे होमग्राउंड से बाहर किसी एक देश में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। पंत ने बेन स्टोक्स को पीछे छोड़ा, जिनके नाम साउथ अफ्रीका में 21 सिक्स लगाने का रिकॉर्ड है।

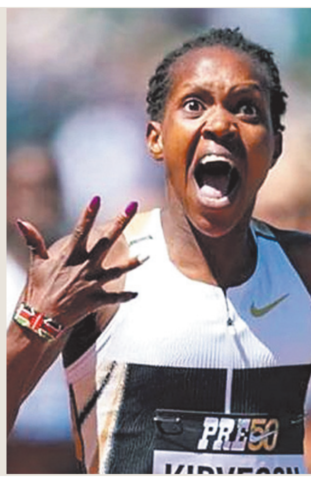

महिलाओं की 5000 और 1500 मीटर दौड़ में नए विश्व रिकॉर्ड

यूजीन (अमेरिका) (एजेंसी)। कीनिया की बीट्राइस चेबेट ने प्रीफॉन्टेन क्लासिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ 13 मिनट 58.06 सेकंड में जीतकर विश्व रिकार्ड बनाया। चेबेट इस स्पर्धा में 14 मिनट से कम समय निकालने वाली पहली महिला एथलीट बन गई है।

उन्होंने इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे द्वारा बनाए गए 14:00.21 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। त्सेगे ने 2023 प्रीफोंटेन क्लासिक में यह रिकॉर्ड बनाया था। कीनिया की ही फेथ किपयेगोन ने महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ तीन मिनट 48.68 सेकंड में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

इस स्पर्धा में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन किपयेगोन ने 3:49.04 के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया जो उन्होंने पिछले साल जुलाई में पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान बनाया था।

नीरज चोपड़ा ने हासिल किया एनसी क्लासिक का खिताब

86.18 मीटर थ्रो के साथ जीता गोल्ड

बेंगलुर (एजेंसी)। भारत के ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपने दमदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने 86.18 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ एनसी क्लासिक 2025 का खिताब अपने नाम किया।

जूलियस येगो को रजत, रुमेश पथिरागे को कांस्य – केन्या के अनुभवी एथलीट जूलियस येगो ने 84.51 मीटर की दूरी तक भाला फेंका और दूसरा स्थान हासिल किया। येगो का यह सर्वश्रेष्ठ प्रयास चौथे राउंड में आया। वहीं, श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने 80.10 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

28.66 करोड़ की लागत से पटना में बन रहा है नेशनल लेवल का स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, 40000 दर्शक बैठ सकेंगे

पटना (एजेंसी)। राजधानी के खिलाड़ियों को आने वाले डेढ़ से दो वर्ष में गर्दनीबाग में राष्ट्रीय स्तर का अत्याधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मिलने वाला है। शहर के गर्दनीबाग में पहले से मौजूद खेल स्टेडियम को विस्तार देते हुए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का स्वरूप दिया जा रहा है।

28.66 करोड़ की लागत से बन रहे इस परियोजना को बिहार सरकार की कैबिनेट से प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। भवन निर्माण विभाग से मिली सूचना के मुताबिक, आने वाले कुछ महीने में इसके टेंडर की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया जाएगा और इसे विकसित करने वाली कंपनी का चयन कर लिया जाएगा।

भवन निर्माण विभाग की ओर से प्रस्तावित यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स करीब 10 एकड़ भूमि में बनाया जाएगा, जिसका कुल क्षेत्रफल 1200 वर्गमीटर होगा। इस कॉम्प्लेक्स में 40,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी। खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों के लिए बनाये जा रहे इस कॉम्प्लेक्स में 10 क्रिकेट पिच विकसित किए जाएंगे, जिनमें से 5 पिच विशेष रूप से अभ्यास के लिए आरक्षित होंगे। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए इसमें दो ऐस्ट्रो टर्फ भी लगाए जाएंगे, जो हॉकी जैसे खेलों के लिए उपयुक्त होंगे। खेल आयोजनों और व्यवस्थाओं के संचालन के लिए एक प्रशासनिक ब्लॉक भी तैयार किया जाएगा।

यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स न केवल पटना बल्कि पूरे बिहार के खिलाड़ियों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। इससे राज्य में खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और युवा प्रतिभाओं को उभरने का अवसर मिलेगा। साथ ही, यह भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने में भी सक्षम होगा।

वैभव सूर्यवंशी ने यूथ वनडे में ठोका सबसे तेज शतक

संेचुरी लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बने

नईदिल्ली (एजेंसी)। पहले घरेलू क्रिकेट, फिर आईपीएल और अब टीम इंडिया, 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अपनी बल्लेबाजी से कमाल कर रहे हैं। सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ अंडर-19 मैच में सिर्फ 52 गेंदों पर शानदार शतक जड़कर यूथ वनडे क्रिकेट में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। सूर्यवंशी ने 78 गेंदों पर 143 रन बनाए, जिसमें 10 छक्के और 13 चौके शामिल रहे।

इस धमाकेदार पारी के साथ सूर्यवंशी यूथ वनडे में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने सरफराज खान का एक दशक पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सरफराज ने 2013 में साउथ अफ्रीका अंडर-19 के खिलाफ 15 साल और 338 दिन की उम्र में शतक बनाया था। सूर्यवंशी की इस उपलब्धि ने उन्हें विश्व स्तर पर युवा वनडे में सबसे कम उम्र का शतक बनाने वाला खिलाड़ी भी

बना दिया है, उन्होंने बांग्लादेश के नजमुल हुसैन शांतो को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 2013 में 14 साल और 241 दिन की उम्र में शतक बनाया था। वहीं सूर्यवंशी ने 14 साल, तीन महीने और 11 दिन में यह उपलब्धि हासिल की।

राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव की धमाकेदार पारी ने अब तक के सबसे तेज युवा वनडे शतक का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। इससे पहले पाकिस्तान के कामरान गुलाम ने 2013 में इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ 53 गेंदों में शतक बनाकर यह रिकॉर्ड बनाया था। भारत के लिए राज अंगद बावा ने 2022 अंडर-19 विश्व कप में युगांडा के खिलाफ 69 गेंदों में शतक बनाया था, जो वैभव की पारी से पहले सबसे तेज शतक था।

इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी

पहला वनडे - 48 रन
दूसरा वनडे - 45 रन
तीसरा वनडे - 86 रन
चौथा वनडे - 143 रन

वैभव ने पहली बार आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए अपनी अविश्वसनीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने तब सुर्खियाँ बटोरीं जब उन्होंने मात्र 35 गेंदों में शानदार शतक जड़ा और खुद को सबसे रोमांचक युवा बल्लेबाजों में से एक साबित किया। इस प्रदर्शन के साथ सूर्यवंशी ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल दिख रहा है क्योंकि उनके जैसे युवा प्रतिभाएं बड़े मंच पर कदम रखने के लिए तैयार हैं।

सुपरयूनाइटेड ब्लिट्ज़

कार्लसन नें फिर दिखाया अपना दम , गुकेश जीत को तरसे

जागरेब , क्रोशिया (एजेंसी)। भारत के वर्तमान विश्व शतरंज चैम्पियन डी गुकेश के लिए ग्रांड चैस टूर के सुपरयूनाइटेड रैपिड में एकतरफा जीत के बाद भी शतरंज के सबसे फटाफट फॉर्मेट ब्लिट्ज़ का रास्ता आसान नहीं माना जा रहा था और हुआ भी कुछ ऐसा ही,कल खेले गए सुपरयूनाइटेड ब्लिट्ज़ शतरंज के पहले दिन एक और जहां गुकेश जीत को भी तरस गए वहीं विश्व के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी नॉर्वे के मैगनस कार्लसन नें बेहद शानदार खेल दिखाते हुए अपराजित रहते हुए एकल बढ़त कायम कर ली है । गुकेश जो रैपिड में सिर्फ एक बार हारे थे ब्लिट्ज़ में कई अच्छी बाज़ियाँ समय की कमी के चलते हारते चले गए और उन्होने एकमात्र जीत फबियानों करूआना के खिलाफ दर्ज की और एक ड्रॉ नीदरलैंड के अनीश गिरि के खिलाफ खेला वहीं मैगनस कार्लसन नें गुकेश को इस बार पराजित करते हुए रैपिड में अपनी हार का हिसाब बराबर कर दिया ।

ब्लिट्ज़ का पहला दिन कार्लसन के नाम रहा और उन्होने छह जीत और 3 ड्रॉ के साथ 7.5 अंक बनाए और रैपिड और ब्लिट्ज़ दोनों को मिलाकर कुल 17.5 अंको के साथ पहले स्थान पर पहुँच गए । गुकेश दूसरे दिन अपने रैपिड के 14 अंको में 1.5 जोड़ पाये और 15.5 अंको के साथ वह तीसरे स्थान पर है जबकि रैपिड में 11 अंको के साथ दूसरे स्थान में रहने वाले डुड़ा 5 अंक जोड़ते हुए कुल 16 अंको के साथ दूसरे स्थान पर पहुँच गए है । भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें ब्लिट्ज़ के पहले दिन कोशिश तो की पर वह 4.5 अंक जोड़ते हुए कुल 13.5 अंको के साथ पांचवें स्थान पर पहुँच गए है ।

ग्रांड चैस टूर के आखिरी और पांचवें दिन अंतिम 9 ब्लिट्ज़ मुक़ाबले खेले जाएँगे और कुल 9 अंक दांव पर होंगे देखना होगा की क्या गुकेश अंतिम दिन वापसी करेंगे या फिर कार्लसन एक बार फिर यह खिताब अपने नाम कर लेंगे ।

देख नहीं सकता, लेकिन जायसवाल का फैन है यह बच्चा

सलामी बल्लेबाज ने की मुलाकात; दिया खास तोहफा

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपने एक प्रशंसक दृष्टिबाधित बच्चे रवि को ऑटोग्राफ

वाला बल्ला देकर उसकी मुराद पूरी कर दी। यह बच्चा भारतीय बल्लेबाज से मिलने के लिए बेताब था।

क्रिकेट प्रशंसक रवि इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच से जायसवाल से मिलने की कोशिश कर रहे थे और शनिवार को यहां चल रहे दूसरे टेस्ट के चौथे दिन आखिरकार उनकी यह इच्छा पूरी हो गई। खेल के प्रति रवि के जुनून और उसके प्रति प्रेम से अभिभूत होकर, जायसवाल ने बच्चे को अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला उपहार में दिया, जिस पर संदेश लिखा था, 'रवि को प्यार के साथ शुभकामनाएं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में जायसवाल ने रवि से कहा, 'हैलो रवि, आप कैसे हैं? मैं यशस्वी हूं, आपसे मिलकर खुशी हुई। मैं आपसे मिलने के लिए वास्तव में उत्साहित था क्योंकि मुझे पता है कि आप क्रिकेट के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। मैं नहीं जानता कि मैं आपसे मिलने को लेकर नर्वस क्यों था।

जायसवाल ने कहा, 'मेरे पास आपके लिए एक उपहार है... मेरा बल्ला। मैं चाहूंगा कि आप इसे मेरी याद के रूप में रखें। आपसे मिलकर वास्तव में बहुत अच्छा लगा। इस पर रवि ने जवाब दिया, 'आपसे मिलकर मुझे भी बहुत खुशी हुई।

डब्ल्यूडब्ल्यूई ने बना दी जोड़ी, रिंग में लड़ते-लड़ते बन जीवनसाथी

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के गलियारों से एक खुशखबरी आ रही है। रेसलर्स का आपस में शादी करना कोई नई बात नहीं है। डब्ल्यूडब्ल्यूई में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं। ट्रिपल एच और स्टेफनी मैकमोहन इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। अब इस लिस्ट में कार्मेलो हेस और केलानी जॉर्डन का नाम भी जुड़ गया है।केलानी जॉर्डन ने अपने एक्स अकाउंट पर इस खबर को साझा किया। उन्होंने बताया कि हेस ने उन्हें 1 जुलाई को शादी के लिए प्रपोज किया था। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मैंने हां कहा! और मैं हर जन्म में हां कहूंगी। इस फोटो में दोनों अपनी खुशी का इजहार कर रहे हैं। ब्लेक मोनरो, निया जैक्स और लोला वाइस जैसे डब्ल्यूडब्ल्यूई सितारों ने भी उन्हें बधाई दी है।जॉर्डन और हेस 2023 से रिलेशनशिप में हैं। दोनों का डब्ल्यूडब्ल्यूई करियर

भी काफी सफल रहा है। हेस आज दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली युवा पहलवानों में से एक हैं। कंपनी को उनकी प्रतिभा पर पूरा भरोसा है। यही वजह है कि उन्होंने एनएक्सटी टाइटल जीता है। उन्होंने दो बार डब्ल्यूडब्ल्यूई नॉर्थ अमेरिकन चैंपियनशिप भी जीता है। इसके अलावा, उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई क्रूजवेट टाइटल भी अपने नाम किया है। डब्ल्यूडब्ल्यूई में शादियां होना आम बात है। कई बड़े सितारे आपस में शादी कर चुके हैं।

उम्मीद है कि कार्मेलो हेस और केलानी जॉर्डन भी डब्ल्यूडब्ल्यूई के इतिहास में अपना नाम दर्ज कराएंगे। फैंस उन्हें एक खुशहाल और सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दे रहे हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूई यूनिवर्स इस जोड़े के भविष्य को लेकर उत्साहित है।

संक्षिप्त समाचार

गैंगरेप के बाद प्रभावशाली व्यक्ति से मिला था मोनोजीत मिश्रा, मांग रहा था मदद मगर...

कोलकाता , एजेंसी। कोलकाता लॉ कॉलेज की फर्स्ट ईयर की छात्रा से गैंगरेप मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इसके मुताबिक, 25 जून को वारदात के एक दिन बाद मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा ने अपने मेंटर्स से मदद मांगी थी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में चार लोग मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा, छात्र जैब अहमद, प्रमीत मुखर्जी और 55 वर्षीय सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी शामिल हैं। ये सभी फिलहाल हिरासत में हैं। यह घटना कॉलेज कैंपस के अंदर हुई थी और पुलिस इसकी गहन जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद मोनोजीत मिश्रा दक्षिण कोलकाता के कई इलाकों में गया था। रासबिहारी, देशप्रिय पार्क, गरियाहाट, फर्न रोड और बालीगंज स्टेशन रोड में भटकते हुए उसने अपने परिचितों से संपर्क करने की कोशिश की। मोबाइल टावर डेटा से पता चला कि वह पुलिस स्टेशन के पास भी गया था। एक जांच अधिकारी ने बताया कि 26 जून को मोनोजीत ने देशप्रिय पार्क में एक प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात की, लेकिन उसने मामले की गंभीरता को देखते हुए मदद करने से इनकार कर दिया। उसने पीछे हट जाने की सलाह दी थी। पुलिस अधिकारी ने यह भी बताया कि तीनों आरोपियों ने घटना के बाद गार्ड के कमरे में शराब पी थी। उन्होंने सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी को इस घटना के बारे में चुप रहने के लिए कहा था। इसके बाद, तीनों उसी रात ईएम बायपास पर एक ढाबे में गए और रात का खाना खाया था। वे वहां से अगली सुबह अपने घर लौट गए। कोलकाता पुलिस इस मामले में और सबूत जुटाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए मोबाइल डेटा और अन्य सुरागों की जांच की जा रही है।

बरसात के दिनों में गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड; श्रीनगर में 70 साल बाद इतना तापमान

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में शनिवार को 7 दशकों में जुलाई का सबसे गर्म दिन रहा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। श्रीनगर में अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस मौसम के दौरान औसत तापमान से 7.8 डिग्री अधिक है। यह तापमान शहर में अब तक का तीसरा सबसे अधिक तापमान है और 1953 के बाद से सबसे अधिक है। श्रीनगर में अब तक का सबसे अधिक तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस है, जो 10 जुलाई, 1946 को दर्ज किया गया था। इसके अलावा, वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविरों में से एक पहलगाम में पर्यटक रिसॉर्ट में सबसे गर्म जुलाई का दिन रहा। यहां तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पिछला रिकॉर्ड 31.5 डिग्री सेल्सियस था, जो पिछले साल 21 जुलाई को दर्ज किया गया था। कश्मीर में जून से ही भीषण गर्मी पड़ रही है और लगातार चल रही लू ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमानकर्ता फैजान आरिफ ने कहा कि घाटी में गर्मी ने कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। उन्होंने असामान्य रूप से भीषण गर्मी को देखते हुए कहा, श्रीनगर में आज सामान्य दिन की तुलना में 6.7 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया गया। पर्यटन स्थलों में पहलगाम में सर्वकालिक रिकॉर्ड तोड़ते हुए अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में अधिकतम तापमान 35.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 2006 के बाद से सबसे अधिक है। कश्मीर के प्रवेश द्वार शहर काजीगुंड में अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो जुलाई महीने में अब तक का दूसरा सबसे अधिक तापमान है। कोकरनाग के अन्य पहाड़ी रिसॉर्ट में 34.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो शहर के इतिहास में जुलाई महीने का दूसरा सबसे अधिक तापमान है। उत्तरी कश्मीर के गुलमर्ग के पहाड़ी रिसॉर्ट में दिन का तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले 24 घंटों में केंद्र शासित प्रदेश में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान जताया है।

खेत देखने निकले, गलती से पाकिस्तान चले गए अमृतपाल सिंह; मोदी सरकार से परिवार की गुहार

फिरोजपुर , एजेंसी।

करीब एक पखवाड़े पहले अनजाने में सीमा पार करके पाकिस्तानी क्षेत्र में चले गए फिरोजपुर के 23-वर्षीय किसान अमृतपाल सिंह के परिवार ने शनिवार को विदेश मंत्रालय से आग्रह किया कि वह जल्द से जल्द उसकी (सिंह की) सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करे। पंजाब में फिरोजपुर जिले के 'खैरे के उत्तर' गांव निवासी अमृतपाल सिंह 21 जून को भारत-पाकिस्तान सीमा पर लापता हो गए थे। वह सीमा सुरक्षा बल की निगरानी में सीमा चौकी (बीओपी) राणा के पास बाड़ के पार स्थित अपने खेत की देखभाल करने गए थे।

सिंह शाम पांच बजे गेट बंद होने के निर्धारित समय से पहले वापस नहीं लौटे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को बाद में पाकिस्तानी सीमा की ओर जाते हुए पैरों के निशान मिले, जिससे अनजाने में सीमा पार करने की आशंका बढ़ गई। बीएसएफ ने पाकिस्तानी रेंजर्स के साथ तीन से चार 'फ्लैग मीटिंग' की। हालांकि,

पाकिस्तानी पक्ष ने शुरुआत में किसी अज्ञात व्यक्ति के देखे जाने से इनकार किया।

पाकिस्तानी रेंजर्स ने 27 जून को बीएसएफ अधिकारियों को जानकारी दी कि सिंह स्थानीय पुलिस की हिरासत में हैं। अमृतपाल के पिता जुगराज सिंह ने जिला अधिकारियों से आग्रह किया कि राज्य सरकार को उनके बेटे की वापसी सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्री एस. जयशंकर से इस मामले पर चर्चा करनी चाहिए। अमृतपाल सिंह शादीशुदा हैं और उसकी तीन महीने की बेटी है। उनके पास सीमा पर बाड़ के पार भारतीय सीमा में करीब 8.5 एकड़ कृषि भूमि है। पिता ने बताया कि वह दोपहर को अपनी बाइक पर सवार होकर गए थे, लेकिन शाम को वापस नहीं लौटे। उन्होंने बताया कि बीएसएफ ने अंधेरा होने से पहले भी दोबारा गेट खोला, लेकिन वह नहीं लौटे। गर्मियों के महीनों में किसानों को सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे के बीच बीएसएफ की सख्त निगरानी में कांटेदार तार की बाड़ और अंतरराष्ट्रीय सीमा के बीच की भूमि तक जाने की अनुमति दी जाती है। फाजिल्का, फिरोजपुर, गुरदासपुर, पठानकोट, अमृतसर और तरनतारन सहित सीमावर्ती जिलों के कई किसानों की कृषि भूमि इस क्षेत्र में है, जिसे 'जीरो लाइन' के रूप में जाना जाता है।

देवता को भोग लगाने के लिए चाहिए थे पैसे, 12 साल के बेटे को बंधुआ मजदूरी के लिए 20000 में सौंप दिया

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान में दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। एक बाप ने अपने बेटे को पैसे के लिए बंधुआ मजदूर के रूप में रिश्तेदार को सौंप दिया। दरअसल, बाप को गांव में एक देवता को भोग लगाने के लिए पैसों की जरूरत थी। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि 12 साल के एक लड़के को उसके पिता ने बंधुआ मजदूरी के लिए 20000 रुपये में 10 महीने के लिए एक रिश्तेदार को सौंप दिया था। हालांकि लड़का भागने में सफल रहा और उसे बूंदी रेलवे स्टेशन से बचा लिया गया। उसके पिता अपने गांव में एक देवता को भोग लगाना चाहते थे। इस चाइल्डलाइन 1098 के जिला समन्वयक रामनारायण गुर्जर ने के लिए उन्हें 20000-25000 रुपए की जरूरत थी। इसलिए उन्होंने लड़के को अपने रिश्तेदार को सौंप दिया, जो बूंदी में पॉप आर्ट मूर्तियां बनाता था।बताया कि बूंदी चाइल्डलाइन को गुरुवार को जयपुर कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि बूंदी रेलवे स्टेशन पर एक लड़का बैठा है। वह उदयपुर जाना चाहता था। उन्होंने बताया कि वे और काउंसलर मंजीत मौके पर पहुंचे और लड़के को बचाया। उसे बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के सामने पेश किया गया। बूंदी सीडब्ल्यूसी की अध्यक्ष सीमा पोद्दार ने बताया कि 21 जून को बच्चे को बूंदी लाया गया था। सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक उससे काम करवाया जाता था। उन्होंने बताया कि लड़का वहां काम नहीं करना चाहता था। चूंकि उसके पिता ने पैसे ले लिए थे, इसलिए वह घर नहीं लौट सका। गुरुवार को लड़के ने भागने का फैसला किया और बूंदी रेलवे स्टेशन पहुंच गया। उसने एक अजनबी से मदद मांगी और अपनी मां को फोन किया। बच्चे को बचाने में मानव तस्करी विरोधी इकाई, श्रम विभाग और चाइल्डलाइन की एक टास्कफोर्स को शामिल किया गया। रिश्तेदार के खिलाफ बीएनएस, किशोर न्याय और बाल श्रम कानूनों की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई।

कुलेसरा पुस्ता पर 2 किमी हिस्से में चौड़ा होगा डीएससी रोड, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का क्या प्लान

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में दादरी-सूरजपुर-छलेरा (डीएससी) रोड को हिंडन कुलेसरा पुस्ता से सूरजपुर की तरफ लगभग दो किलोमीटर हिस्से में चौड़ा किया जाएगा। सड़क के दोनों तरफ चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। इससे लोगों को जाम से राहत मिलेगी। डीएससी मार्ग पर सुबह-शाम के समय ट्रैफिक का काफी दबाव रहता है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के साथ दादरी को सीधे जोड़ने का मुख्य मार्ग होने की वजह से दिन रात वाहनों की आवाजाही लगी रहती है। इस मार्ग पर कुलेसरा और हल्दौनी में मार्केट होने की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ता है। व्यस्त घंटों में जाम लग जाता है। सड़क के किनारे अतिक्रमण भी हो रखा है। इसको देखते हुए ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण ने इस हिस्से में सड़क को चौड़ा करने की कार्ययोजना तैयार की है। ग्रेटर

नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार निम ने बताया कि हिंडन (कुलेसरा पुस्ता) से सूरजपुर की तरफ कच्ची सड़क तक मुख्य मार्ग को दोनों तरफ चौड़ा करने का कार्य किया जाएगा। योजना के मुताबिक, जमीन की उपलब्धता के आधार पर एक से दो मीटर तक चौड़ा किया जाना है, ताकि आवागमन सुगम हो सके। वरिष्ठ प्रबंधक ने बताया कि सर्विस मार्ग की मरम्मत कर उसे भी सही किया जाएगा। जल निकासी के लिए उन स्थानों पर नाली का निर्माण किया जाएगा, जहां पर अभी यह सुविधा नहीं है। विकास कार्यों को लेकर जारी की गई निविदा की प्रक्रिया पूरी कर एक माह बाद काम शुरू करा दिया जाएगा। इन विकास कार्यों पर लगभग 8.15 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि औद्योगिक निवेश बढ़ने और शहर का विस्तार होने से शहर में ट्रैफिक का दबाव बढ़ रहा है। भविष्य में लोगों को जाम की समस्या से न जूझना पड़े, इसके लिए सभी प्रमुख सड़कों को चिह्नित कर उन्हें चौड़ा करने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है। प्राधिकरण के अधिकारी का कहना है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान सेवा शुरू होने का समय नजदीक आ गया है। ट्रैफिक के दबाव वाली सड़कों को जाम मुक्त करने का प्रयास है। वरिष्ठ प्रबंधक के अनुसार कुलेसरा और हल्दौनी क्षेत्र में मुख्य मार्ग को चौड़ा करने के साथ सूरजपुर और तिलपता में सड़क का पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। इन कार्यों के पूरा हो जाने के बाद इस साल के अंत तक डीएससी मार्ग पर वाहनों की आवाजाही सुगम हो जाएगी। एनजी रवि कुमार, सीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, डीएससी मार्ग को कुलेसरा और हल्दौनी क्षेत्र में चौड़ा करने की तैयारी है। इस काम के लिए कंपनियों से आवेदन मांगे गए हैं। 130 मीटर चौड़ी सड़क को चौड़ा करने का काम भी तेज कर दिया गया है। सड़कें चौड़ी होने से जाम से राहत मिलेगी।

कोलंबियाई सीनेटर और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या करने का कथित मास्टरमाइंड गिरफ्तार

कोलंबियाई , एजेंसी।

कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि एक रूढ़िवादी कोलंबियाई सीनेटर और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की गोली मारकर हत्या करने के कथित मास्टरमाइंड को हमले के लगभग एक महीने बाद शनिवार को हिरासत में ले लिया गया। राष्ट्रीय पुलिस निदेशक मेजर जनरल कार्लोस फर्नांडो ट्रियाना ने संवाददाताओं को बताया एल्डर जोस आर्टेगा हर्नांडेज़, उर्फ़ चिपी या कोस्टेनो को राजधानी बोगोटा के उत्तर-पश्चिमी हिस्से के एक इलाके से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने पहले उस पर और अन्य संदिग्धों पर बोगोटा पार्क के पास होने का आरोप लगाया था, जहां सात जून को दिनदहाड़े मिगुएल उरीबे टर्बे को गोली मारी गई थी। अक्टूबर

में 2026 के राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने के इरादे की घोषणा करने वाले उरीबे गहन देखभाल में हैं और उनकी कई सर्जरी हो चुकी हैं। अपनी सीनेट सीट से वह राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो के सबसे मुखर आलोचकों में से एक बन गए थे।

डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में चूक, गोल्फ क्लब के ऊपर आया विमान; एफ-16 ने खदेड़ दिया

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में भारी चूक की घटना सामने आई है। अमेरिकी वायु रक्षा एजेंसी नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने शनिवार को एक नागरिक विमान को एफ-16 फाइटर जेट की मदद से इंटरसेप्ट किया। यह विमान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेडमिंस्टर स्थित गोल्फ क्लब के ऊपर से उड़ान भर रहा था, जो कि उस समय अस्थायी नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया था। नोराद के मुताबिक, यह दिन भर में पांचवीं ऐसी घुसपैठ थी।

इंटरसेप्ट के दौरान एफ-16 ने हेडबट रणनीति अपनाई, जिसमें लड़ाकू विमान नागरिक विमान के आगे उड़ता है ताकि उसकी ओर ध्यान आकर्षित हो सके। इसके बाद विमान को सुरक्षित रूप से वर्जित हवाई क्षेत्र से बाहर निकाल दिया गया।

आपको बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप इन दिनों छुट्टियां मनाने के लिए न्यू जर्सी में हैं। उनकी मौजूदगी के चलते यह हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया था। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि इस घटना से ट्रंप की सुरक्षा या कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा।

इससे पहले मार्च महीने में भी फ्लोरिडा में उनके निवास मार-ए-लागो के ऊपर नो-फ्लाई जोन का उल्लंघन हुआ था। तब भी एफ-16 विमानों को भेजा गया था और फ्लेयर छोड़कर

नागरिक विमान को चेतावनी दी गई थी। नोराद ने बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है और सभी पायलटों से आग्रह किया है कि वे उड़ान भरने से पहले नोटिस टू एयरमेन और ङ्मस्नक्र टेम्परारी फ्लाइट रेस्ट्रिक्शन की जानकारी अवश्य लें। कमांडर जनरल ग्रेगरी गिलॉट ने कहा, ङ्मस्नक्रनियमों का पालन आवश्यक है ताकि विमानन सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रपति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जनवरी 2025 से अब तक ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें नागरिक विमानों ने जानबूझकर या अनजाने में नो-फ्लाई जोन का उल्लंघन किया है।

1 अगस्त से 100 देशों पर लगेगा ट्रंप का नया टैरिफ

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका 1 अगस्त, 2025 से लगभग 100 देशों से आयात पर 10 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाएगा। इसे अधिकारी ग्लोबल ट्रेड पॉलिसी के व्यापक रीसेट के रूप में देख रहे हैं। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने इस कदम की पुष्टि की, यह संकेत देते हुए कि बेसलाइन टैरिफ व्यापक रूप से लागू होगा - यहां तक कि उन देशों पर भी जो वर्तमान में वाशिंगटन के साथ बातचीत कर रहे हैं। बेसेन्ट ने ब्लूमबर्ग टेलीविजन से कहा, हम देखेंगे कि राष्ट्रपति बातचीत करने वालों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहते हैं, क्या वे इस बात से खुश हैं कि वे सद्भावना से बातचीत कर रहे हैं। मुझे लगता है कि हम लगभग 100 देशों को देखेंगे जिन्हें न्यूनतम 10 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ मिलेगा और हम वहीं से आगे बढ़ेंगे। इस बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने 12 देशों को इसे लें या छोड़ दें ढांचे के तहत नए टैरिफ स्तरों का विवरण देने वाले पत्रों पर हस्ताक्षर किए हैं। औपचारिक प्रस्ताव सोमवार को भेजे जाने की उम्मीद है। हालांकि उन्होंने शामिल देशों के नाम बताने से इनकार कर दिया, लेकिन कथित तौर पर सूची में भारत, जापान और यूरोपीय संघ के सदस्य शामिल हैं। प्रशासन का कहना है कि टैरिफ अमेरिकी निर्यात के लिए अधिक अनुकूल व्यापार शर्तों को आगे बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। लेकिन नीति की व्यापक पहुंच - दुनिया के लगभग आधे देशों को लक्षित करना - दशकों में सबसे आक्रामक व्यापार पुनर्संरेखण में से एक है। भारत को विशेष रूप से तत्काल आवश्यकता का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय वस्तुओं पर 26 प्रतिशत टैरिफ के अस्थायी अमेरिकी निलंबन की अवधि 9 जुलाई को समाप्त हो रही है।

इजरायल से युद्ध के बाद पहली बार दिखे अली खामनेई, कहां छिपे थे ईरान के सुप्रीम लीडर?

तेहरान , एजेंसी। इजरायल से युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई शनिवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखे हैं। वह आशूरा से जुड़े एक शोक समारोह में शामिल हुए। खामेनेई के सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आने से नेतृत्व पर सवाल उठने लगे थे।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, ईरानी राज्य टेलीविजन ने अशूरा के मौके पर आयोजित एक बड़े धार्मिक कार्यक्रम की फुटेज प्रसारित की, जिसमें खामेनेई काले पारंपरिक वस्त्रों में कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करते दिखाई दिए। उपस्थित लोगों ने 'लब्बैक या हुसैन' के नारे लगाए और उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

यह सार्वजनिक उपस्थिति 13 जून को शुरू हुई जंग के बाद पहली बार है, जब खामेनेई किसी जनसमूह के बीच नजर आए। इस दौरान उन्होंने कोई प्रत्यक्ष बयान नहीं दिया था और ना ही किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखे ते। उन्होंने रिकॉर्डेड वीडियो संदेशों के जरिए ही जनता से संवाद किया था। ईरानी अधिकारियों ने पहले कहा था कि खामेनेई की गैर-मौजूदगी सुरक्षा कारणों से थी। युद्ध के पहले कुछ दिनों में जब इजरायली हवाई हमले अपने चरम पर थे, तब उनकी सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए उन्हें सार्वजनिक उपस्थिति से दूर कर दिया गया। विपक्ष और अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों के बीच यह चर्चा जोरों पर थी कि खामेनेई किसी बंकर या सुरक्षित स्थान पर हैं। हालांकि, ईरानी प्रशासन ने बार-बार यह स्पष्ट किया कि वे स्वस्थ और नियंत्रण में हैं।

जिनपिंग से छीने गए राष्ट्रपति के अधिकार? चीन के आर्मी जनरल ने क्या बड़ा खेल कर दिया

बीजिंग, एजेंसी।

ऐसा दावा किया जा रहा है कि जिनपिंग को अपनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के जनरलों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। क्या जिनपिंग के गायब होने के पीछे क्या उनके ही आर्मी के जनरल्स हैं।

मई के आखिर से चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अचानक सार्वजनिक रूप से गायब हो जाने से चीन के अंदर और बाहर दोनों जगह अटकलों का दौर शुरू हो गया है। सरकारी मीडिया, सार्वजनिक कार्यक्रमों और कूटनीतिक कार्यक्रमों से उनकी लंबे समय तक अनुपस्थिति ने उनके स्वास्थ्य, अधिकार और यहां तक ??कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के भीतर सत्ता संघर्ष या तख्तापलट की संभावना को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसा दावा किया जा रहा है कि जिनपिंग को अपनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के जनरलों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। क्या जिनपिंग के गायब होने के पीछे क्या उनके ही आर्मी के जनरल्स हैं। एक उल्लेखनीय बदलाव में, चीन के सरकारी मीडिया आमतौर पर शी जिनपिंग की कवरेज से भरा रहता

है। राष्ट्रपति पर अपनी रिपोर्टिंग में उल्लेखनीय कमी की है। विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के हाई-प्रोफाइल दौरे अब निचले स्तर के पार्टी अधिकारियों द्वारा संभाले जा रहे हैं, इस कदम ने अफवाहों को और हवा दी है। यह पहले ही पुष्टि हो चुकी है कि शी ब्राजील में होने वाले आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे, जो ब्लॉक में चीन की अग्रणी भूमिका को देखते हुए एक असामान्य कदम है। ऐसे मामलों में लोगों की नज़रों से ओझल होना ऐतिहासिक रूप से चीन में सत्ता परिवर्तन या राजनीतिक उथल-पुथल के साथ हुआ है, जिससे पर्यवेक्षक यह पूछने पर मजबूर हो जाते हैं- क्या कोई बड़ी राजनीतिक घोषणा या बदलाव होने वाला है? अक्सर एक मजबूत और सत्तावादी नेता के रूप में चित्रित किए जाने वाले शी ने हाल के वर्षों में पार्टी के नियमों को फिर से लिखकर, सैन्य अधिकारियों को हटाकर और असहमति को शांत करके सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। हालांकि, चीनी सैन्य प्रतिष्ठान के भीतर, विशेष रूप से पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के भीतर आंतरिक घर्षण के संकेत बढ़ रहे हैं। जून की शुरुआत में बेलारूसी राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ एक बैठक के दौरान, पर्यवेक्षकों ने शी की बॉडी लैंग्वेज में एक असामान्य बदलाव देखा - वे शांत दिखाई दिए, उनकी सुरक्षा व्यवस्था कम हो गई, और रेड-कार्पेट ट्रीटमेंट कम हो गया। इसके तुरंत बाद, उनके पिता की समाधि की आधिकारिक स्थिति को चुपचाप रद्द कर दिया गया - जो शी के कम होते प्रतीकात्मक अधिकार का एक और संभावित संकेत है। पद छोड़ना पड़ता है, तो पीएलए के जनरल झांग यूक्सिया नेतृत्व के लिए एक प्रमुख दावेदार के रूप में उभर रहे हैं। झांग, जो कथित तौर पर शी की नीतियों के खिलाफ मुखर हो रहे हैं, माना जाता है कि उन्हें पूर्व चीनी राष्ट्रपति हू जिंताओ का समर्थन प्राप्त है। सेना के साथ उनके घनिष्ठ संबंध और सीसीपी के भीतर बढ़ते प्रभाव उन्हें सत्ता परिवर्तन की स्थिति में संभावित उत्तराधिकारी बनाते हैं।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129